खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 27°C
न्यूनतम : 22°C

देहरादून, गुरुवार 7 अगस्त 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 365 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | श्रावण शुक्ल पक्ष 12 विक्रमी सम्वत् 2082 | 12 सफर 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद नहीं कर रही है: अखिलेश यादव पेज 2

करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचे सिराज और कृष्णा खेल टाइम्स

हमें सिर्फ कश्मीर चाहिए, कश्मीरी नहीं सम्पादकीय

नेतन्याहू ने गाजा पर कब्जे का बनाया प्लान आर्मी चीफ ने जताया विरोध पेज 12

RBI ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5 प्रतिशत पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी।

आरबीआई ने जून में ब्याज दर 0.50 फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी की थीं। यह फैसला मानेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में लिया गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कमेटी के

■ **5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा, लोन महंगे नहीं होंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी**

सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे। टैरिफ अनिश्चितता के कारण ये फैसला लिया गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। इसमें बदलाव नहीं होने का मतलब है कि ब्याज दरें न तो बढ़ेंगी न घटेंगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मानसून सीजन अच्छा चल रहा है। साथ ही, त्योहारों का सीजन भी नजदीक आ रहा है, जो आमतौर पर आर्थिक गतिविधियों में उत्साह और तेजी लाता है। ये अनुकूल माहौल, सरकार और रिजर्व बैंक की सहायक नीतियों के साथ, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य में अच्छा संकेत देता है। भले -शेष पृष्ठ दो पर

धराली त्रासदी: 5 की मौत, 9 जवान सहित 100 लापता

दो शव बरामद, 400 का रेस्क्यू, केरल के 28 टूरिस्ट का अभी तक सुराग नहीं, सर्च ऑपरेशन जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून/ उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से प्रभावित इलाकों धराली, हर्षिल और सुखी टॉप में सर्च ऑपरेशन जारी है। त्रासदी में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ ,आईटीबीपी और आर्मी बचाव कार्य में जुटी हैं। आईटीबीपी के प्रवक्ता कमलेश कमल ने बताया कि 400 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया गया है। 100 से ज्यादा

■ **पीएम ने दिल्ली में उत्तराखंड के सांसदों से मुलाकात की**

■ **वायुसेना के विमान राहत सामग्री लेकर पहुंचे**

अभी भी फंसे हैं। शाम तक उन्हें भी बचा लिया जाएगा। एनडीआरएफ डीआईजी शहीदी ने कहा कि सेना के 9 जवान लापता हैं। बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इसके बाद धामी ने धराली और दूसरी जगहों का एरियल सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर मीटिंग भी -शेष पृष्ठ दो पर

पौड़ी जिले में बादल फटा

देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार को भी भारी बारिश जारी है। पौड़ी जिले में बादल फटा है। यहां के बुरांसी गांव में मलबा गिरने से दो महिलाएं दब गईं। इनमें से एक महिला का शव बरामद हो चुका है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है। वहीं, बाकुंडा गांव में भी बादल फटा, जहां 5 नेपाली मजदूरों के बहने की सूचना है।

अनाथ बच्चों को मुफ्त शिक्षा के लिए राज्य सरकारें 4 हफ्ते में अधिसूचनाएं जारी करें

नई दिल्ली (ब्यूरो)। उच्चतम न्यायालय ने राज्यों को निर्देश दिया कि वे अनाथ, कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत कोटे के तहत मुफ्त शिक्षा देने की अनुमति संबंधी अधिसूचनाएं चार सप्ताह के अंदर जारी करें। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने अधिवक्ता पौलोमी पाविनी शुक्ला की ओर से दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि दिल्ली, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात ने पहले ही अनाथ बच्चों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 12 (1)(सी) की परिभाषा में शामिल करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। बाकी राज्य भी इस संबंध में प्रक्रिया चार सप्ताह के भीतर पूरी कर लें।

बिहार मतदाता सूची से गायब 65 लाख लोगों का शनिवार तक विवरण दे ईसी: SC

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह विशेष पुनरीक्षण के दौरान बिहार मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों (मृत और स्थायी पलायन करने वाले) का विवरण शनिवार तक दे। न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण की गुहार पर यह निर्देश दिया।

महिला अफसरों को सेना में परमानेंट जॉब क्यों नहीं: हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने महिलाओं को सीडीएस (कम्बाइंड डिफेंस सर्विसेज) परीक्षा के जरिए भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) नौसेना अकादमी (आईएनए) और वायुसेना अकादमी (एएफए) में शामिल न करने को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय की बेंच ने बुधवार को कहा महिला अफसरों को सेना में परमानेंट जॉब नहीं मिल रही। यह मामला गंभीर है।

ट्रम्प का भारत पर रंजिशन वार: 25 % एक्स्ट्रा टैरिफ थोपा

21 दिन बाद होगा लागू, अब कुल 50% टैरिफ, रूसी तेल खरीदने की बताया वजह

वाशिंगटन, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बुधवार को इससे जुड़े एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा।

इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। अब तक अमेरिका की तरफ से भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया है। मंगलवार को उन्होंने कहा था कि भारत रूस के साथ व्यापार करके यूक्रेन के खिलाफ रूसी वॉर मशीन को ईंधन देने का काम कर रहा है। इस वजह से

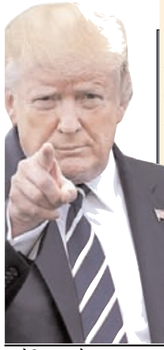

■ **कुछ भारतीय सामानों पर टैरिफ लागू नहीं होगा**

अमेरिका को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। ट्रम्प ने बुधवार के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में लिखा है कि भारत सरकार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25 फीसदी का एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। यह शुल्क 21 दिन बाद से लागू होगा। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है। इससे पहले मार्च 2022 में -शेष पृष्ठ दो पर

अडानी के खिलाफ अमेरिका में जांच से ट्रम्प की धमकियों से बच रहे हैं मोदी : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका में पीएम मोदी के चहेते उद्योगपति अडानी के खिलाफ जांच चल रही है इसलिए श्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिल रही धमकियों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं। श्री ट्रम्प की बार-बार की धमकियों पर श्री मोदी की चुप्पी अमेरिका, अडानी और रूस के बीच वित्तीय संबंधों का खुलासा भी करता है। उनका कहना था कि यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने श्री मोदी खड़े नहीं हो पा रहे हैं। राहुल गांधी 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत, कृपया समझे। पीएम मोदी, राष्ट्रपति ट्रम्प की बार-बार की धमकियों के बावजूद, उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं, इसका कारण अडानी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है।

सपा नेताओं की बुद्धि गधे जैसी: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सपा नेताओं की बुद्धि गधे जैसी हो गई है। सपा नेताओं ने ग से गणेश को ग से गधा पढ़वाया, इन्होंने ग से गधा पढ़ाकर गणपति की अवमानना करने का काम किया है। वे बुधवार को मुरादाबाद पहुंचे और उन्होंने बिलारी के पीपली गांव में अटल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन किया। इसके साथ ही बटन दबाकर विकास की कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

सीएम योगी ने कहा कि सपा के जीवन का हिस्सा था नकल कराना। उन्होंने नकल कराकर युवाओं और पीढ़ी को खोखला किया। सपा को शिक्षा का मॉडल देखना है तो अटल आवासीय स्कूल देखें। हमने एक लाख 54 हजार विद्यालयों की काया बदली। सपा ने हमें एक लाख 54 हजार जर्जर स्कूल दिए, भवन कब गिर जाए, पता नहीं था। स्कूल में बच्चों के लिए टॉयलेट तक की व्यवस्था नहीं थी। हमने कायाकल्प के -शेष पृष्ठ दो पर

ग से गधा पढ़ाकर गणपति का अपमान किया

यूपी के सीएम ने मुरादाबाद में कई परियोजनाओं का किया लोकार्पण

सुरक्षा में सेंध लगाने वालों का सम्मान करती थी पिछली सरकारें: योगी

बरेली (ब्यूरो)। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली पिछली सरकारें सुरक्षा में सेंध लगाने वालों का सम्मान करती थीं।

बरेली में 2264 करोड़ रुपये की 545 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के अवसर पर उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रचते हैं, लेकिन समाज की जागरूकता और प्रशासन की तत्परता से ऐसे तत्व विफल हो जाते हैं। यह यात्रा अब सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है। बरेली में लाखों श्रद्धालुओं ने नाथ गलियारे में जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की, जो शहर की नई पहचान बन रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित 6000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व टैबलेट प्रदान किए।

यूट्यूबर एल्विश को सुप्रीम राहत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने रेव पार्टियों में कथित तौर पर 'सांप के जहर' का इस्तेमाल के आरोपी यूट्यूबर एल्विश यादव उर्फ सिद्धार्थ के खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे पर बुधवार रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने इस इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली एल्विश यादव की याचिका पर यह आदेश पारित किया। उन्होंने

■ **'सांप के जहर' विवाद मामले में शीर्ष अदालत ने लगाई रोक**

वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम और एनडीपीएस अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्रवाई को चुनौती दी है। पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिकाकर्ता को राहत दी और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया।

पीएम ने कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन-03 बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह 2019 में शुरू हुई सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है और सीएसएस की 10 में से पहली बिल्डिंग है। कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन सबसे पहले किया गया है। इसे दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर स्थित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर कोआर्डिनेशन और कामों में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया है।

शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को राहत

रांची/चाईबासा, वार्ता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा की एक एमपी-एमएलए अदालत ने 2018 में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े एक मामले में बुधवार को जमानत दे दी।

राहुल गांधी सुबह करीब 10.55 बजे अदालत में पेश हुए। इस दौरान कांग्रेस सांसद के वकील ने कहा कि राहुल गांधी झारखंड

■ **झारखंड की चाईबासा कोर्ट से मिली जमानत**

उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार अदालत में पेश हुए। उन्होंने जमानत मांगी थी, जो मंजूर हो गई। अब हम प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगे। यह मामला 2018 में चाईबासा में एक चुनावी रैली के दौरान दिए गए भाषण से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी को लेकर प्रताप कुमार नाम के एक शख्स ने चाईबासा के मजिस्ट्रेट कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया था। प्रताप कुमार का आरोप है कि राहुल गांधी ने जानबूझकर यह बयान दिया था।

राज्यमंत्री से अभद्रता करने वाला कनिष्ठ अभियंता निलंबित

लखनऊ (ब्यूरो)। उप्र के सीतापुर के कोरैया गांव में पिछले 20 दिनों से बिजली गुल होने से कारागार राज्य मंत्री और हरगांव (सीतापुर) विधायक सुरेश राही नाराज़ होकर मंगलवार देर शाम को धरने पर बैठ गए। कनिष्ठ अभियंता के व्यवहार से दुखी मंत्री के विरोध के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री ने मंगलवार देर रात एक कनिष्ठ अभियंता को निलंबित कर दिया।

सूरत के तीन स्टूडेंट्स ने बनाई एआई सुपर बाइक

सूरत, वार्ता

गुजरात के सूरत में तीन स्टूडेंड्स ने एआई आपरेटेड बाइक बनाई है। इस बाइक के 50 फीसदी पुर्जे कबाड़ से और बाकी 50 फीसदी खुद स्टूडेंट्स ने ही तैयार किए हैं। बाइक तैयार करने में 1.80 लाख रुपये की लागत आई है।

भगवान महावीर यूनिवर्सिटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच के शिवम मौर्य, गुरप्रीत अरोड़ा और गणेश पाटिल ने इस बाइक को 'गरुड़' नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसे डिजाइन करने में

■ **50 प्रतिशत पुर्जे कबाड़ से और बाकी के खुद ही तैयार किए, 1.80 लाख रुपये आई लागत**

■ **छात्रों ने बाइक को 'गरुड़' नाम दिया**

उन्हें करीब एक साल का समय लगा है। शिवम मौर्य ने बताया कि बाइक वाईफाई और सेल्फ-ड्रिवन सिस्टम पर काम करेगी। इसमें दो अत्याधुनिक सेंसर लगाए गए हैं। इन सेंसर की मदद से बाइक खुद ही सड़क पर स्थिति का आकलन कर लेती है। अगर कोई दूसरा वाहन इसके 12 फीट के दायरे में आता है, तो बाइक की स्पीड अपने आप स्लो हो जाती है। अगर कोई वाहन 3 फीट के दायरे में आता है, तो बाइक पूरी तरह रुक जाती है। बाइक सवार को बस 3 फीट दूर रुकें कमांड देना होगा और बाइक बिना ब्रेक लगाए रुक जाएगी। यह फीचर हादसों जैसी स्थिति से बचने में काफी मददगार साबित होगा। इस बाइक के दिमाग को रासबेरीपाय के नाम से जाना जाता है, जो एक छोटा कंप्यूटर है। यह सिस्टम कमांड मिलने के बाद अपना काम करना शुरू कर देता है। वायरलेस मोबाइल चार्जिंग सिस्टम भी उपलब्ध बाइक के दूसरे फंक्शन भी पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

11 अगस्त से मेरी अदालत में अर्जेंट सुनवाई नहीं: सीजेआई

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि 11 अगस्त से उनकी अदालत में सीनियर वकील अर्जेंट सुनवाई की मांग नहीं कर सकते। हालांकि जूनियर वकीलों को इससे छूट दी गई है।

गवई ने कहा कि कम से कम मेरी अदालत में तो इसका पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बाकी जस्टिस को भी इस प्रथा को

■ **कहा: 'सीनियर वकीलों को मनाही, जूनियर वकील अर्जी दाखिल कर सकते हैं**

अपनाना चाहिए। आमतौर पर वकील दिन की कार्यवाही की शुरुआत में एजेंसी का हवाला देकर जस्टिस के सामने केस की तत्काल सुनवाई की मांग करते हैं। इससे पहले से लिस्टेड मामले छूट जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

राज्य का दर्जा बहाल करने को उमर ने दलों को लिखा पत्र

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने संसद में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखने वाले राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर उनसे जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाली का प्रयास करने का आग्रह किया है। अब्दुल्ला ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने औपचारिक तौर पर कई दलों से संपर्क किया है और संसद के चालू सत्र में विधेयक पेश करने के लिए उनके समर्थन का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि मैंने संसद में बड़ी संख्या में सांसदों वाले सभी दलों को पत्र लिखकर उनसे जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे को पूरा करने में मदद करने का अनुरोध किया है। यह वादा जनसभाओं, संसद और यहां तक कि उच्चतम न्यायालय में भी किया गया था।

इण्टर व हाईस्कूल कम्पार्टमेंट परीक्षा का परिणाम जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट कम्पार्टमेन्ट परीक्षा का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया जिसमें हाईस्कूल का रिजल्ट 100 फीसद व इण्टर मीडिएट का परिणाम 91 फीसद से ऊपर है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इस बार हाईस्कूल कम्पार्टमेन्ट/ इम्प्रूवमेन्ट परीक्षा में 15985 बालक तथा 4783 बालिका कुल 20768 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 14685 बालक तथा 4460 बालिका कुल 19145 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इसी तरह इण्टरमीडिएट कम्पार्टमेन्ट परीक्षा में 12495 बालक तथा 13128 बालिका कुल 25623 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

यूपी के 13 जिलों के मेडिकल कॉलेजों को मान्यता देने के मामले में जवाब तलब

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की याचिका पर दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 13 जिलों के राज्य मेडिकल कालेजों को पर्याप्त संसाधन, स्टाफ समेत मान्यता प्रदान करने के आग्रह वाली एक जनहित याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद नियत कर इस बीच मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया के वकील को मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की याचिका पर दिया। याची ने प्रदेश के 13 जिलों के राज्य मेडिकल कालेजों को पर्याप्त संसाधन, स्टाफ मुहैया कराने समेत मान्यता देने का मुद्दा उठाया है। एक अखबार में प्रकाशित खबरों के आधार पर याची ने कहा कि प्रदेश के 13 जिलों में स्थित राज्य मेडिकल कालेजों को 70 फीसदी संसाधन, स्टाफ आदि की कमी की वजह से मान्यता नहीं मिल सकी और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की रिव्यू कमेटी ने इनको मान्यता प्रमाणपत्र देने की अर्जी खारिज कर दी।

ये मेडिकल कालेज कुशीनगर, कौशांबी, सुल्तानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, पीलीभीत, औरैया, सोनभद्र, बुलंदशहर, गोंडा, बिजनौर, चंदौली और लखीमपुर खीरी के हैं। याची का कहना है कि जनहित में राज्य सरकार को इन मेडिकल कालेजों में पर्याप्त संसाधन, स्टाफ आदि की व्यवस्था तत्काल करनी चाहिए, जिससे इन्हें केंद्रीय आयोग से मान्यता प्रमाणपत्र मिल सके। और इन जिलों के लोगों को बड़े शहरों में इलाज के लिए भागदौड़ न करनी पड़े। मामले की सुनवाई के समय मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया वकील ने याचिका में उठाए गए मुद्दों का जवाब पेश करने के लिए समय देने का आग्रह किया। जिसे कोर्ट ने मंजूर कर मामले को अगली सुनवाई के लिए तीन हफ्ते बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

यूपी के किसानों को आज से मिलेगी सब्सिडी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार यूपी के किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्रों का लाभ दे रही है। किसानों का पारदर्शिता से इसका लाभ मिले, इसके लिए सभी 75 जनपद में जिलाधिक. ारी की अध्यक्षता में कृषि विभाग ई-लॉटरी के माध्यम से किसानों को चुनेगा। यह प्रक्रिया सभी जनपदों में गुरुवार और शुक्रवार को होगी। प्रमोशन आफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट आफ क्रॉप रेज्ड्यू एवं सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत कृषि यंत्रों की बुकिंग तथा नेशनल मिशन ऑन एडिबल (ऑयलसीड) योजना के अंतर्गत मिनी ऑयल मिल एक्स्ट्रैक्शन यूनिट एवं तिरपाल की बुकिंग किसानों द्वारा विभागीय पोर्टल पर की गई है।

75 जिलों में ई-लॉटरी से किया जाएगा चयन

इसका पारदर्शी पूर्ण चयन ई-लॉटरी के माध्यम से कृषि विभाग द्वारा कराया जाएगा। कृषि विभाग के मुताबिक सभी 75 जनपदों में सात और आठ अगस्त को स्थानीय स्तर पर ई-लॉटरी प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके लिए जनपदीय उप कृषि निदेशक द्वारा संबंधित किसानों और जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के सदस्यों को सूचित किया गया है। ई-लाटरी के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति जिला स्तरीय समन्वय समिति के सदस्यों का विवरण विभागीय पोर्टल पर बुधवार तक अनिवार्य रूप से फीड कर लिया गया।समिति के कार्यालय ज्ञाप की पीडीएफ फाइल भी विभागीय पोर्टल पर अपलोड रहेगी। कृषि विभाग ने निर्देश जारी किया है कि ई-लाटरी की प्रक्रिया के लिए ऐसे स्थान का चयन किया जाए, जहां इसे अधिक से अधिक किसान देख सकें। सीएम योगी की मंशानुरूप पारदर्शिता के साथ यह प्रक्रिया कराई जाए। इसके लिए बड़ी स्क्रीन लगाकर भी व्यवस्था की जाए। ई-लॉटरी में चयनित किसानों को मोबाइल पर एसएमएस भेजा जाएगा। सूचना एवं बिल अपलोड की अंतिम तिथि की सूचना के साथ-साथ प्रतीक्षा सूची में चयनित कृषकों को भी सूचित किया जाएगा। ई लॉटरी में चयनित न होने वाले किसानों की जमानत धनराशि अधिकतम छह महीने में वापस कर दी जाएगी।

अधिकारियों की कार्यशैली पर बिफरे राधामोहन दास

लखनऊ। भाजपा के राज्यसभा सांसद राधामोहन दास अग्रवाल ने अधिकारियों को उनकी कार्यशैली को लेकर जमकर फटकार लगाई है। अग्रवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि इसी को थूक कर चाटना कहते हैं, लेकिन अभी भी अधूरा चाटा जा रहा है असुरन से लेकर खजांची चौराहे तक नाला तोड़ना होगा। मेरा कोई निजी झगड़ा नहीं था। मजबूरी थी कि मैं शहर का विधायक था और देख रहा था कि अधिकारी मूर्खतापूर्ण काम कर रहे थे।

अयोध्या के 48 गांवों पर खतरा, पीपा पुल बहकर बनारस पहुंचा

24 जिलों के 1,245 गांव बाढ़ के पानी में डूबे

लखनऊ, वार्ता

यूपी में बाढ़ विकराल रूप धारण कर चुकी है। एक दिन पहले सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया था। बाढ़-बारिश से 40 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रयागराज, वाराणसी, उन्नाव, गाजीपुर, मिर्जापुर, चित्रकूट, बुलंदशहर समेत 24 जिलों के 1,245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। नदी-नालों का पानी घरों में घुस चुका है, सड़कें डूब चुकी हैं और कई जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

लगातार हो रही बारिश भी मुश्किल खड़ी कर रही है। ग्रामीण इलाकों में 360 से अधिक मकान भरभराकर ढह चुके हैं। प्रयागराज के सलोरी, छोटा बघाड़ा में लोग बाढ़ के कारण पलायन कर रहे हैं।

मिर्जापुर में मंगलवार की रात करीब 7 बजे चुनार तहसील के रैयपुरिया गांव के पास रखे गए पीपे बह गए। इसमें 30 से 35 पीपे कैनाल नारायनपुर के पास रुके हैं। नारायनपुर चौकी इंचार्ज अजय कुमार मिश्रा ने पीपा बहने की जानकारी दी। उधर, अयोध्या में सरयू नदी कहर बरपा रही है। 48 गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। मिर्जापुर जनपद के कछवां थाना क्षेत्र के बजहा गांव में उस समय कोहराम मच गया, जब एक किसान गाय चराते समय बाढ़ के पानी में डूब गया। गांव वालों ने किसान राजेंद्र को डूबते देख तत्काल बाहर निकालकर पहले सीपीआर दिया, इसके बाद कछवां सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

उप्र में बाढ़ से दो दर्जन जिले प्रभावित राहत कार्य में जुटी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ से 24 जिलों के 913 गांव प्रभावित हुए हैं। लगभग 83,091 लोग बाढ़ का खामियाजा भुगत रहे हैं, जिनमें से 19 हजार 167 लोग सरकारी बाढ़ आश्रय स्थलों में जाने को मजबूर हैं। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने कहा, दो लाख से अधिक व्यक्तियों को राहत सहायता मिली है। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि अब तक 517 घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और 360 लोगों को आर्थिक सहायता मिल रही है। 33,252 हेक्टेयर से ज्यादा ज़मीन जलमग्न हो गई है। 1,640 नावों और मोटरबोटों के ज़रिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। अब तक 17,924 खाने के पैकेट और 2,47,277 लंच पैकेट बांटे जा चुके हैं। 40 से ज्यादा सामुदायिक रसोई में बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। मंगलवार सुबह तक, राज्य में 24 घंटों में 22.7 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 6.4 मिमी होती है, जो सामान्य से 255 प्रतिशत कम है। पिछले 24 घंटों में अधिकांश क्षेत्रों में वर्षा की तीव्रता में मामूली कमी देखी गई। इस बीच, राहत और बचाव कार्यों की निगरानी के लिए 11 मंत्रियों का एक दल बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करता रहा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज का हवाई सर्वेक्षण किया और बाद में एक राहत शिविर का दौरा किया, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की।

सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद नहीं कर रही: अखिलेश

लखनऊ, वार्ता

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद नहीं कर रही है। यादव ने बुधवार को जारी बयान में कहा प्रदेश के कई जिले बाढ़ से जूझ रहे है। लाखों की आबादी के सामने खाने-रहने, दवा, इलाज का संकट है। सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद नहीं कर रही है। बाढ़ से खेती-बाड़ी, जानवर और फसलों का बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है।

सरकार नुकसान भरपाई के लिए तैयार नहीं है। बाढ़ पीड़ितों की न प्रयागराज, फतेहपुर, बलिया में मदद हो पा रही है और न तो वाराणसी, हमीरपुर से लेकर अन्य जिलों में कोई मदद हो रही है। 20-20 हजार करोड़ रुपए बजट खर्च हुए उसके बाद भी

जलभराव है, सड़कों में गड्ढे है। बाढ़ पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। उन्होने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में अराजकता, लूट और भ्रष्टाचार है। सरकार की अकर्मण्यता से आम जनता के साथ सत्तारूढ़ दल के विधायक, मंत्री भी धरना और प्रदर्शन करने पर मजबूर है। किसी की कोई सुनवाई नहीं है। भ्रष्टाचारियों और अराजक तत्वों से प्रदेश का हर वर्ग परेशान है। भाजपा सरकार ने नौ साल के कार्यकाल में किसानों, नौजवानों, महिलाओं, आम जनता सभी को धोखा दिया है। सरकारी बजट को लुटाने के सिवा कोई काम नहीं किया।

सेंसेक्स 80583.99
निफ्टी 24574.20

सोना रु. 100672
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 113576
प्रति किलो

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट

मुंबई, वार्ता

भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों को स्थिर रखने की घोषणा के बाद बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही।

बीएसई का सेंसेक्स 166.26 अंक यानी 0.21 प्रतिशत टूटकर 80,543.99 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 75.35 अंक (0.31 प्रतिशत) फिसलकर 24,574.20 अंक पर बंद हुआ। आज बैंकिंग को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में निवेशक बिकवाल रहे। फार्मा, आईटी, स्वास्थ्य, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रियिलिटी क्षेत्रों में ज्यादा गिरावट रही। जहां आईटी और फार्मा में गिरावट का कारण अमेरिकी आयात शुल्क और बढ़ाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी को माना जा रहा है, वहीं रेपो दर में कटौती न होने की वजह से रियलिटी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक गिर गए। प्रमुख सूचकांकों में सुबह उतार-चढ़ाव देखा गया।

सेंसेक्स 15.27 अंक की मामूली गिरावट में 80,694.98 अंक पर खुला और मंगलवार की तुलना में 100 अंक से अधिक की बढ़त बनाता हुआ ऊपर 80,834.43 अंक तक गया। लेकिन रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों में घोषणा के बाद अचानक 80,448.82 अंक तक उतर गया। सेंसेक्स की 30 में से 18 कंपनियां लाल निशान में रहीं। सन फार्मा का शेयर 2.33 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 1.97 और बजाज फाइनेंस का 1.67 प्रतिशत टूट गया। इंफोसिस में 1.64 फीसदी, एचसीएल टेक में 1.38 फीसदी और इटरनल में 1.04 प्रतिशत की गिरावट रही। टीसीएस, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाल निशान में रहे। एशियन पेंट्स का शेयर सबसे अधिक 2.19 प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीईएल में 0.80 प्रतिशत और ट्रेंट में 0.79 प्रतिशत की तेजी रही। अडानी पोर्ट्स, स्टेट बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए।

सोना 1,00,672 प्रति 10 ग्राम के ऑलटाइम हाई पर

नई दिल्ली। बुधवार को सोने के दाम अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 596 रुपए बढ़कर 1,00,672 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का भाव 1,00,076 रुपए पर था। चांदी की कीमत भी 1,154 रुपए बढ़कर 1,13,576 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,12,422 रुपए पर थी।

देश के चार महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,480 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,950 थी, जबकि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,800 रही। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,800 थी। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,800 थी, जबकि भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,270 और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,850 थी। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अमेरिका के टैरिफ के चलते जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 4 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

चावल, गेहूं महंगे, दालों-खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव, चीनी का भाव बढ़ा

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल और गेहूं की औसत कीमतों में तेजी रही। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा, जबकि चीनी महंगी हो गई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 23 रिंगिट गिरकर 4,267 रिंगिट प्रति टन बोला गया।

अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.80 प्रतिशत मजबूत होकर 53.85 डॉलर के भाव बोला गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत करीब तीन रुपए की तेजी के साथ 3,832.51 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं भी तीन रुपए प्रति क्विंटल से ज्यादा महंगा हुआ और 2,840.93 रुपए प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी आठ रुपए बढ़कर 3,296.13 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। सरसों तेल औसतन 74 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल करीब 16 रुपए प्रति क्विंटल टूटा। पाम ऑयल तकरीबन 12 रुपए की तेजी में रहा। सूरजमुखी तेल भी 12 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल 14 रुपए और वनस्पति 29 रुपए प्रति क्विंटल टूट गया।

दाल-दलहनों में मसूर दाल औसतन चार रुपए प्रति क्विंटल नरम हुई। चना दाल 12 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल करीब पांच रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल में तीन रुपए प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, दाल मूंग पांच रुपए प्रति क्विंटल से अधिक सस्ती हुई। गुड़-चीनी: बाजार में गुड़ के औसत भाव लगभग स्थिर रहे, जबकि चीनी तीन रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7962.33 रुपए, मसूर काली 8134.81 रुपए, मूंग दाल 10123.90 रुपए, उड़द दाल 10493.52 रुपए, अरहर दाल 10929.83 रुपए प्रति क्विंटल।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

आरबीआई ने... ही ग्लोबल ट्रेड की चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं कुछ हद तक कम हुई हैं। आरबीआई ने फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.5 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया था। मानेटरी पॉलिसी कमेटी की ओर से ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25 फीसदी घटाई गई। जून में तीसरी बार दरों में 0.50 फीसदी कटौती हुई। यानी, मानेटरी पॉलिसी कमेटी ने तीन बार में ब्याज दरें एक फीसदी घटाई। किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की को. शिश करता है।

धराली त्रासदी.... की। इधर, केरल के 28 टूरिस्ट्स का ग्रुप धराली की घटना के बाद से लापता है। परिवार के सदस्यों ने कहा कि एक दिन पहले सभी ने गंगोत्री की यात्रा पर जाने की बात कही थी, लेकिन लैंडस्लाइड के बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका है। धराली गांव में 1864, 2013 और 2014 में भी पहाड़ पर बादल फटे थे। इससे खीर नाले ने तबाही मचाई। भूगर्भ वैज्ञानिकों ने तीनों ही आपदाओं के बाद धराली गांव को कहीं और बसाने की सलाह राज्य सरकार को दी। यह भी बताया कि आपदा के लिहाज से धराली टाइम बम पर बैठा है, लेकिन इसे शिफ्ट नहीं किया गया। आपदा में धराली में स्थित प्राचीन कल्प केदार महादेव मंदिर भी मलबे में दफन हो गया। भागीरथी नदी किनारे स्थित 1500 साल पुराना यह मंदिर पंच केदार परंपरा से जुड़ा है। स्थानीय लोगों की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र था। उत्तराखंड की त्रासदी को लेकर पीएम मोदी ने दिल्ली में उत्तराखंड के चार सासंदों से मुलाकात की। इसमें अजय भट्ट, माला राज्यलक्ष्मी शाह, त्रिवेंद्र सिंह रावत और अनिल बलूनी शामिल रहे। बरेली स्थित एमआई-17 और एएलएच एमके-3 हाई अलर्ट पर हैं। आगरा से एएन-32 और सी-295 विमान प्रभावित क्षेत्रों में मिशन के लिए देहरादून पहुंच चुके हैं।

ट्रम्प का... अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। अब ट्रम्प प्रशासन ने यह पाया कि भारत उस रूसी तेल को खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है। इस वजह से अब अमे. रिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है। अप्रैल 2025 में जारी एक और आदेश में कुछ खास उत्पादों को पहले ही टैरिफ से छूट दे दी गई थी वे छूट अब भी जारी रहेंगी। इन सामानों में सेमीकंडक्टर्स, स्मार्टफोन, कंप्यूटर, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स, तांबा और अन्य धातु व खनिज शामिल हैं। इसका मतलब है कि भारत से होने वाले इन सामानों के भेजे जाने पर अब भी एक्सट्रा टैरिफ लागू नहीं होगा। इस आदेश में यह भी बताया गया है कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी, तो राष्ट्रपति इसमें संशोधन कर सकते हैं, यानी टैरिफ की दर बदल सकते हैं या और नए प्रावधान जोड़ सकते हैं। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था कि भारत अच्छा बिजनेस पार्टनर नहीं है। ट्रम्प के मुताबिक, भारत के टैरिफ दुनिया में सबसे ज्यादा हैं और यह बात लोग खुलकर नहीं कहते हैं। ट्रम्प ने मंगलवार को ही भारत के फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स पर 250 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वे शुरू में फार्मास्युटिकल्स पर छोटा टैरिफ लगाएंगे, लेकिन फिर इसे एक से डेढ़ साल में बढ़ाकर 150 फीसदी और फिर 250 फीसदी कर देंगे। ट्रम्प ने कहा था कि हम चाहते हैं कि दवाइयां हमारे देश में ही बनाई जाएं। उनका मानना है कि अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिए बहुत ज्यादा विदेशों पर निर्भर है, खासकर भारत और चीन पर। इस टैरिफ से भारतीय फार्मा सेक्टर पर बुरा असर पड़ सकता है। अमेरिका भारत से जेनेरिक दवाइयां, वैक्सीन और एक्टिव इंग्रेडिएंट्स खरीदता है। 2025 में अमेरिका को भारत का फार्मास्युटिकल निर्यात 7.5 अरब डॉलर (करीब 65 हजार करोड़ रुपये) से ज्यादा रहा। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं की लगभग 40 फीसदी भारत से आती हैं।

सपा नेताओं... माध्यम से स्कूलों की काया बदली। सीएम योगी ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी, लैब्स, स्मार्ट क्लास हमने स्कूलों को दिए. जो विद्यालय बचे हैं हम वहां भी आधुनिक शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं। हमने कल्याण सिंह की बीजेपी सरकार में ग से गणेश पढ़ाया तो विरोध किया। तब सपा ने कहा कि ग से गणेश नहीं, ग गधा होता है। समाजवादी पार्टी ने गणपति की अवमानना की, इसीलिए उनकी बुद्धि गधे जैसी हो गई है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह समेत बीजेपी के कई नेता और जनप्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। पीपली गांव के बाद मुख्यमंत्री मुरादाबाद सर्किट हाउस पहुंचे और इसके बाद सीएम का 24 बटालियन पीएसी ग्राउंड पर कार्यक्रम प्रस्तावित है। रात को मुख्यमंत्री मुरादाबाद में ही रुकेंगे और कल गुरुवार को संभल जाएंगे।

सूरत के तीन... तरह से टचस्क्रीन डिस्प्ले पर आधारित है। इसमें डिस्प्ले पर जीपीएस, फोन कालिंग और म्यूजिक जैसे फीचर्स भी इस्तेमाल किए गए हैं। राइडर को आगे-पीछे की गाड़ियों को देखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा, इसमें वायरलेस मोबाइल चार्जिंग सिस्टम भी उपलब्ध है। इको मोड पर 220 किलोमीटर की रेंज यह बाइक इको मोड पर 220 किलोमीटर और स्पोर्ट मोड पर 160 किलोमीटर की रेंज देती है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस बाइक की लिथियम बैटरी सिर्फ दो घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है, जो कि एक सामान्य बाइक से कहीं ज्यादा फास्ट है। बाइक वाईफाई और सेल्फ ड्राइव सिस्टम पर काम करेगी शिवम मौर्य ने बताया कि हमें बाइक बनाने में एक साल का समय लगा। हमारी टीम में तीन छात्र हैं। बाइक में आगे और पीछे कैमरे लगे हैं, जिससे डिस्प्ले पर आगे और पीछे के वाहन दिख सकते हैं। जीपीएस, ब्लूटूथ कूलिंग, म्यूजिक सुनने जैसी सुविधाएं हैं। डिस्प्ले को राइडर कंट्रोल कर सकता है। बाइक में आगे और पीछे सेंसर लगे हैं, इसलिए बाइक अपने आप रुक जाएगी। राइडर जो कमांड देगा, उतनी दूरी तय करने के बाद बाइक अपने आप रुक जाएगी, उदाहरण के लिए अगर आगे वाला वाहन बाइक से तीन फीट दूर है और कमांड दिया जाए कि बाइक रुकनी चाहिए, तो ब्रेक लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे हादसों से बचा जा सकेगा। इस बाइक को ड्राइवरलेस बनाने की भी तैयारी की जा रही है। भविष्य में इसे ड्राइवरलेस बनाना भी संभव इस बारे में आटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े विनोद देसाई ने बताया कि भविष्य को ध्यान में रखकर इस तरह की बाइक बनना संभव है। इस बाइक की बात करें, तो इसकी बैटरी हल्की है, जिससे ये जल्दी चार्ज हो जाती है। भविष्य की डिमांड भी यही है। साथ ही इसके फंक्शंस को देखते हुए भविष्य में इसे ड्राइवरलेस बाइक में कन्वर्ट करना भी संभव है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

चिनूक पहुंचा जौलीग्रांट, बड़ी संख्या में हेलीकॉप्टर तैयार

देहरादून। भारत सरकार की और से त्वरित गति से वायु सहायता उपलब्ध कराई गई है। 2 चिनूक हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट पहुंच चुके हैं। इसमें एनडीआरएफ के 50 जवानों तथा उनके उपकरणों को ग्राउंड जीरो के लिए भेजे जाने की कार्यवाही की जा रही है। एक एमआई 17 खराब मौसम के कारण जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पाया और उसे वापस सरसावा बेस लौटना पड़ा। मौसम साफ होते ही एमआई 17 के पुन: लैंडिंग के प्रयास किए जाएंगे। वहीं 115 स्पेशल फोर्सेज के साथ सेना के 5 एएन–32 हेलीकॉप्टर जौलीग्रांट पहुंच चुके हैं।

मौसम की चुनौतियों के बीच ग्राउंड जीरो पर पहुंचे मुख्यमंत्री, प्रभावितों को दिया मदद का भरोसा

हर तरफ मलबा, तबाही के निशां...जवानों ने संभाला मोर्चा

धराली आपदा प्रभावितों से मिले सीएम धामी, हर संभव मदद का भरोसा दिया, प्रधानमंत्री मोदी रेस्क्यू अभियान की ले रहे नियमित अपडेट

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मौसम की तमाम चुनौतियों तथा विषम परिस्थितियों की परवाह न करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को धराली में ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर, हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए, राहत कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे कर्मियों से भी भेंट की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री समयबद्ध तरीके से प्रभावितों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों को गति देने के उद्देश्य से दो हेलीकॉप्टरों के माध्यम से आवश्यक खाद्य और राहत सामग्री धराली क्षेत्र में पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक राहत पहुंचाते हुए, सामान्य स्थिति बहाल करना है।

आपदा ग्रस्त धराली (उत्तरकाशी) में राहत एवं बचाव अभियान में केंद्र के साथ ही राज्य की एजेंसियां भी युद्धस्तर पर जुटी हुई हैं। धामी ने बुधवार को मौसम की चुनौतियों के बावजूद, आपदा ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की है। बुधवार को हेलीकॉप्टर की 07 सार्टी हुईं। सबसे पहली सार्टी में मुख्यमंत्री धामी ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। घटना के बाद बुधवार को ग्राउंड जीरो पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे। मुख्यमंत्री के ग्राउंड जीरो पर पहुंचते ही प्रभावितों का दर्द और आंसू छलक उठे। कई लोग मुख्यमंत्री से लिपटकर रोने लगे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं और राज्य सरकार के स्तर पर राहत व बचाव कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में पूरी राज्य सरकार धराली के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। सभी महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों को 24 घंटे मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में शासन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की जा रही है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि धराली आपदा में लगभग 15 लोगों के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई है। दो लोगों के शव बरामद हुए हैं।

आपदा से सब कुछ तबाह हो गया: धामी

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पूरा धराली आपदा की चपेट में आ गया है, और कल की घटना के बाद कई चरणों में वहाँ मलबा आया है। मैंने आज वहाँ जाकर लोगों से मुलाकात की, उनसे बात की और घटना की जानकारी ली आपदा से सब कुछ तबाह हो गया। इसके साथ ही, शाम तक सेना के जवानों ने लगभग 190 लोगों को बचा लिया है। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। अभी घायलों को भी वहाँ से रेस्क्यू करके उत्तरकाशी लाया जा रहा है। कई जगहों पर भूस्खलन से पूरा संपर्क मार्ग पूरी तरह प्रभावित हुआ है।

क्षतिग्रस्त सड़कें बनीं बाधा हेली सेवा सहारा अस्थाई पुल बना रहे सेना के जवान

मलबे में दबी जिंदगियों को बचाने की चुनौती

उत्तरकाशी। धराली में कुदरती कहर के बीच सेना के जवानों ने मोर्चा संभाला लिया है। जगह–जगह भूस्खलन से रास्ते बंद होने से कई अधिकारी घटनास्थल नहीं पहुंच पाए हैं। वहीं सेना के जवान फंसे ग्रामीणों तक रास्ता बनाने में जुटे हैं। धराली की तबाही के बाद सभी रास्ते बंद हो गए, मगर सेना और आईटीबीपी के जवान मोर्चा संभाले हुए हैं। 25 फीट ऊंचे मलबे में फंसे ग्रामीणों तक पहुंचने के लिए रास्ता बनाया जा रहा है। राहत अभियान में सेना की पूरी ताकत झोंक दी गई है।

उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने के बाद हर तरफ मलबा, तबाही और चीखें ही सुनाई दे रही थीं, तब सेना लोगों के लिए उम्मीद बनकर सामने आई। आईटीबीपी और आर्मी के जवानों ने अस्थाई पुल बनाने शुरू कर दिये हैं, ताकि गांव में फंसे 200 से अधिक लोगों तक राहत पहुंचाई जा सके। उत्तरकाशी की आपदा में सेना और राहत दल दिन–रात डटे हुए हैं। मलबे में दबी जिंदगियों को बचाने के लिए सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ जैसे दल पूरी ताकत से मैदान में हैं। हर पल की निगरानी आपदा कंट्रोल रूम से की जा रही है। आईटीबीपी और आर्मी के जवान धराली में बीच गांव में फंसे ग्रामीणों तक पहुंचने के लिए वहां करीब 25 फीट ऊंचे मलबे में रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हर्षिल में राहत कार्यों को तेज करने के लिए और भी सेना की टीमें, खोजी कुत्ते, ड्रोन, और खुदाई करने वाली मशीनें भेजी गई हैं।

दो लोगों के शव बरामद, 15 के लापता होने की सूचना कहा–आपदा प्रभावितों के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार

युद्धस्तर पर खोले जा रहे मार्ग: सुधांशु

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र उत्तरकाशी से राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र से उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में उपस्थित शासन के वरिष्ठ अधिकारीगणों के साथ राहत और बचाव कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

प्रभारी मुख्य सचिव आरके सुधांशु ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को किए जा रहे रेस्क्यू अभियान के साथ ही मौके पर भेजे जा रहे मानव संसाधन तथा उपकरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मार्ग बंद होने के कारण बचाव दल अलग–अलग स्थानों पर फंसे हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष, राज्य सलाहकार समिति, आपदा प्रबंधन विभाग विनय कुमार रुहेला, सचिव शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, जीओसी उत्तराखण्ड सब एरिया मेजर जनरल एमपीएस गिल, एडीजी एपी अंशुमन, प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सचिव नितेश कुमार झा, सचिव डॉ. आर राजेश कुमार, सचिव चंद्रेश यादव, सचिन कुर्वे, आईजी फायर मुख्तार मोहसिन, एसीईओ प्रशासन आनंद स्वरूप, एसीईओ क्रियान्वयन डीआईजी राज. कुमार नेगी, जेसीईओ मो. ओबैदुल्लाह अंसारी आदि मौजूद थे।

यूकाडा के हेलीकॉप्टर निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका, रेस्क्यू टीमें पहुंची धराली

देहरादून। इस पूरे रेस्क्यू अभियान में यूकाडा के हेलीकॉप्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मौसम की चुनौतियों के बीच बुधवार को यूकाडा के हेलीकॉप्टरों की कुल 7 सार्टी हुईं। दूसरी सार्टी के जरिये जिलाधिकारी उत्तरकाशी व एसपी उत्तरकाशी घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं अन्य सार्टी में जिला प्रशासन की टीम, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के कुल 22 लोग ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। एनडीआरएफ के 28 जवान भी 2 सेटेलाइट फोन के साथ यूकाडा के हेलीकॉप्टरों के जरिये धराली पहुंच चुके हैं। वहीं यूकाडा के हेलीकॉप्टरों ने सेना के ले. कर्नल समेत 10 जवानों का धराली से रेस्क्यू किया है। सेना के 2 घायलों को हेलीकॉप्टर से हायर सेंटर भेजा गया है, दो अन्य को सड़क मार्ग से एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा जा रहा है। शेष अन्य का उपचार मातली तथा जिला चिकित्सालय में किया जा रहा है। साथ ही 3 अन्य नागरिकों का रेस्क्यू किया गया।

धराली हर्षिल आपदा प्रभावितों की मदद को पहुंचे माहरा

उत्तरकाशी जन हानि पर सरकार खामोश क्यों: कांग्रेस

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तरकाशी में गंगोत्री क्षेत्र में हरसिल व धराली क्षेत्र में आई भीषण आपदा में प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी उत्तराखंड के अध्यक्ष करन माहरा आपदा प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गए हैं और वहां कल से ही मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं की टीम की हौसला अफजाई व प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता करने का प्रयास कर रहे हैं।

यह जानकारी बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने दी। धस्माना ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देशानुसार उत्तरकाशी जिला अध्यक्ष मनीष राणा प्रदेश महामंत्री घनानंद नौटियाल के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कल घटन, घटित होने के कुछ घंटों के अंदर ही राहत बचाव व सहायता का कार्य शुरू कर दिया था और माहरा कल सूचना मिलते ही कुमाऊं से उत्तरकाशी के लिए रवाना हो गए थे और खराब रस्ते और खराब मौसम के बावजूद सड़क मार्ग से आज देर शाम हरसिल धराली पहुंच गए। धस्माना ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी व पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा लगातार प्रदेश नेतृत्व से संपर्क में हैं और हम उनको राहत बचाव कार्य व स्थितियों से अवगत करवा रहे हैं।

झाला–हर्षिल में राहत शिविर शुरू

उत्तरकाशी। इस बीच मौके पर सेना, आईटीबीपी के साथ ही एसडीआरएफ, पुलिस, राजस्व विभाग की टीमें बचाव अभियान में जुटी हुई हैं। प्रशासन ने इंटर कॉलेज हर्षिल, जीएमवीएन और झाला में राहत शिविर प्रारंभ किए हैं। इसके साथ ही क्षेत्र में बिजली और संचार नेटवर्क को बहाल किए जाने के प्रयास भी युदध्धस्तर पर किए जा रहे हैं। एनआईएम और एसडीआरएफ लिम्चागाड में अस्थायी पुल निर्माण में भी जुट गई है। राज्य सरकार मंगलवार शाम को ही तीन आईएएस अधिकारियों के साथ ही दो आईजी और तीन एसएसपी स्तर के आईपीएस को राहत एवं बचाव अभियान में समन्वय के लिए उत्तरकाशी रवाना कर चुकी है।

प्रत्येक गांव को सड़कों से जोड़े जाने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाएं: महाराज

देहरादून (शाह टाइम्स)। उत्तरकाशी जनपद के आपदाग्रस्त क्षेत्र धराली व हर्षिल में ग्रामीण निर्माण विभाग की जितनी भी सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं उन्हें तत्काल ठीक किया जाये। उत्तराखंड राज्य के प्रत्येक गांव को सड़कों से जोड़े जाने को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रस्ताव अति शीघ्र तैयार किए जाएं और विभाग की और से कराए जा रहे कार्यों को उच्च गुणवत्ता तथा निश्चित समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण कराया जाए। ग्रामीण निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने ग्रामीण निर्माण विभाग के सभागार में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए कही। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा जितने भी भवनों का निर्माण करवाया जा रहा है उनका निर्माण पहाड़ी संस्कृति एवं स्थानीय शिल्प शैली को ध्यान में रखते हुए किया जाए।

गंगोत्री हाईवे तीन स्थानों पर वाश आउट

उत्तरकाशी। जिले में अतिवृष्टि से धराली में जल प्रलय आ गई है। अब लगातार से बारिश से गंगोत्री हाईवे डबरानी,पापड़ गाड़, सोन गाड के पास वाश आउट हो रखा है। वहीं गंगनानी से आगे लिमच्छा गाड़ पुल बहने से गंगोत्री हाईवे का आवागमन पूरी तरह से ठप पड़ा। इससे धराली रेस्क्यू अभियान के लिए आई टीमें नहीं पहुंच पा रही है। अधिकारी आधे रास्ते में ही फंसे हुऐ हैं। वहीं भागीरथी घाटी के 70 गांव की बिजली गुल और विभिन्न कंपनियों के 11 टावर की सप्लाई रूकने से संचार ठप है। जिला प्रशासन ने धराली जाने वाली टीमों को सेटेलाइट फोन दिया है लेकिन गंगोत्री हाईवे बंद होने से रेस्क्यू टीम नहीं पहुंच थी। इधर बीआरओ ने स्थिति का जायजा लेने और सड़क को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने लिया अपडेट

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बुधवार प्रात: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बातचीत कर धराली क्षेत्र में हुई प्राकृतिक आपदा और इसके बाद चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटी हुई है। लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण कुछ क्षेत्रों में कठिनाइयाँ आ रही हैं, लेकिन सभी संबंधित एजेंसियाँ समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं ताकि प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता मिल सके।

भारतीय सेना की सात टीमें मोर्चे पर

उत्तरकाशी। भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि उत्तराखंड में हर्षिल के निकट धराली के पास हुए विनाशकारी बादल फटने के बाद भारतीय सेना ने एक त्वरित और समन्वित मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान शुरू किया है। कई सड़कों के टूटने और एक पुल के ढह जाने के कारण यह क्षेत्र वर्तमान में उत्तर और दक्षिण दोनों से कटा हुआ है। 225 से ज्यादा सैन्यकर्मी, जिनमें पैदल सेना और इंजीनियरिंग टीमें शामिल हैं, खोज, बचाव और राहत कार्यों के लिए जमीन पर तैनात हैं। तेखला के पास रीको रडार के साथ 7 टीमें काम कर रही हैं। हर्षिल में खोज एवं बचाव कुत्ते तैनात हैं; रिमाउंट और पशु चिकित्सा केंद्रों से और भी कुत्ते आ रहे हैं।

युद्धस्तर पर राहत व बचाव कार्य जारी

देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि राहत और बचाव दल युद्धस्तर पर रेस्क्यू अभियान में डटे हैं। मार्ग बंद होने के कारण विभिन्न बचाव दल विभिन्न स्थानों में फंसे हैं। बंद सड़कों को खोलने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। मार्ग खुलते ही सभी दल ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान प्रारंभ करेंगे। भटवाड़ी में बंद सड़क को खोलने की कार्यवाही गतिमान है। हर्षिल तथा पापड़गाड़ में मार्ग बंद है। उत्तरकाशी तक सड़क खोल दी गई है। गंगनानी तथा लिंचा ब्रिज क्षतिग्रस्त हुए हैं। बैलीब्रिज बनाकर यहां यातायात सुचारू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तरकाशी में कल बंद रहेंगे स्कूल

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में कल यानी 7 अगस्त गुरुवार को भी कक्षा 1 से 12 तक स्कूल बंद रहेंगे। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद ये फैसला लिया गया है।

धराली को जाने वाले बैली ब्रिज के पुनर्निर्माण की कोशिशें तेज

उत्तरकाशी। आपदा प्रभावित धराली गांव तक रेस्क्यू के लिए मशीनें इस पुल से गुजरनी थीं, लेकिन यह कल रात बह गया। बीआरओ पीछे लैंडस्लाइड जोन को दुरुस्त कर आज शाम तक बैली ब्रिज निर्माण सामग्री यहाँ तक लाने की कोशिश कर रहा है। उम्मीद है की बैली ब्रिज का निर्माण गुरुवार से शुरू हो पाएगा, तभी रेस्क्यू ऑपरेशन तेज होगा।

उत्तराखंड के सांसदों ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना को लेकर उत्तराखंड से सांसद अजय भट्ट, माला राज्य लक्ष्मी शाह, त्रिवेन्द्र सिंह रावत और अनिल बलूनी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

उत्तरकाशी: गिरता है, लुढ़कता है, बहता है, फिर उठ खड़ा होता है

चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी। उत्तराखंड का उत्तरकाशी जिला एक बार फिर कुदरत के कहर से जूझ रहा है। पांच अगस्त को धराली गांव में आई विनाशकारी प्राकृतिक त्रासदी ने क्षेत्र में गहरे जख्म छोड़े हैं। यह धरती गिरती है, लुढ़कती है, बहती है और ढहती भी है, लेकिन हर बार एक नई ताकत और उम्मीद के साथ उठ खड़ी होती है। हालांकि, इस बार मंजर दिल दहला देने वाला है और 50 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है।

केदारनाथ आपदा की तर्ज पर इस बार भी भारतीय सेना देवदूत बनकर उतरी है। भारतीय सेना के 150 से अधिक जवान राहत–बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। बुधवार दोपहर बाद भारतीय वायुसेना के एमआई–17 और चिनूक हेलीकॉप्टर ने धराली में भारी मशीनरी (क्रेन) को एयरलिफ्ट किया, जिससे बचाव अभियान में तेजी आई है।

प्रशासन ने गंगा नदी पर बनी झील को नियंत्रित विस्फोट से तोड़ने का निर्णय लिया है, ताकि पानी धीरे–धीरे निकले और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा न हो। सिंचाई विभाग की टीम भू–वैज्ञानिक डॉ. नीरज जोशी की निगरानी में यह कार्य करेगी।

जिला प्रशासन के अनुसार, अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 50 से अधिक

लोग लापता बताए जा रहे हैं। हर्षिल और सुखी टॉप में अचानक बाढ़ की खबरें हैं। हर्षिल में सेना के लगभग 11 जवान भी लापता बताए जा रहे हैं, जबकि सुखी टॉप में कोई हताहत नहीं हुआ है। ऋषिकेश–उत्तरकाशी हाईवे प्रभावित होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है। घायल 11 आर्मी जवानों को आईटीबीपी मातली, उत्तरकाशी पहुंचाया गया है।

जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ष्यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है, लेकिन हमारी टीमें पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं। हमारी प्राथमिकता लापता लोगों को ढूंढना और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना है।ष

गंगोत्री धाम में भी सैकड़ों श्रद्धालु फंसे होने की सूचना है, जिनके लिए प्रशासन ने टीम गठित की है। गुरुवार को गंगोत्री से श्रद्धालुओं को सड़क मार्ग से नेलांग भेजकर एयरलिफ्ट किया जा सकता है।

उत्तरकाशी का प्राकृतिक आपदाओं से पुराना नाता रहा है। 1978 की डबराणी बाढ़, 1991 का विनाशकारी भूकंप, 2003 का वर्णावत पर्वत भूस्खलन, 2012 में अस्सी गंगा घाटी पर कहर, 2013 में भागीरथी घाटी में भयावह बाढ़ और 2019 की आराकोट बंगाण आपदा, ये सभी इस बात के गवाह हैं कि उत्तरकाशी ने कितनी बार कुदरत के कहर का सामना किया है। और अब 5 अगस्त की धराली–हर्षिल त्रासदी ने नए गहरे जख्म दिए हैं।

धराली के एक स्थानीय निवासी ने आंखों में आंसू लिए कहा, ष्हमने इतनी भयानक आपदा पहले कभी नहीं देखी। सब कुछ तबाह हो गया है, लेकिन हमें उम्मीद है कि सरकार और सेना हमारी मदद करेगी।

बारिश से भागीरथी उफान पर, घाट डूबे, मार्ग अवरुद्ध

ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग मलबे से बाधित, 12 घंटे बाद बहाल हुआ यातायात, देवप्रयाग में खतरे के निशान को छूता जलस्तर, प्रशासन सतर्क, घाटों पर रोक

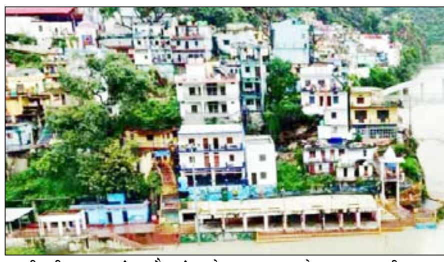

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिले में बीते दिनों से हो रही मूसलधार बारिश ने आम जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार गिर रहे भारी बोल्डरों और मलबे के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवाजाही बाधित हो गई, वहीं नदियों का जल स्तर भी खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। सबसे चिंताजनक स्थिति भागीरथी, अलकनंदा और गंगा के जलस्तर में अचानक आई तीव्र वृद्धि को लेकर देखी जा रही है, जिससे देवप्रयाग समेत कई निचले क्षेत्रों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

मंगलवार रात हुई भीषण बारिश के चलते ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कौड़ियाला, मुल्यागांव और पंतगांव के पास भारी मलबा और चट्टानें गिरने से मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था। करीब 12 घंटे तक बंद रहे इस राजमार्ग को बुधवार दोपहर साढ़े 12 बजे तक एनएच विभाग द्वारा जेसीबी मशीनों की मदद से साफ कर यातायात के लिए खोल दिया गया। थाना प्रभारी लखपत बुटोला ने बताया कि मार्ग खुलते ही श्रीनगर और ऋषिकेश से निकले वाहन अपने गंतव्यों की ओर रवाना हो पाए।

राजमार्ग बंद होने के चलते आवश्यक वस्तुओं जैसे अखबार, दूध और सब्जियों की आपूर्ति भी पूरी तरह से ठप हो गई थी, जो दोपहर बाद ही धीरे-धीरे सामान्य हो सकी। उधर, देवप्रयाग में बुधवार सुबह सात बजे भागीरथी का जलस्तर 464.3 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान के बेहद करीब है। वहीं अलकनंदा और गंगा का जलस्तर भी 464.6 मीटर के चेतावनी स्तर को पार कर गया है। इस वजह से संगम, रामकुंड और फुलाड़ी जैसे घाट पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं, जबकि अलकनंदा नदी टोडेश्वर टापू को पार कर गई है।

तीनों नदियों के उफान पर आने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। नगर की धर्मपुर बस्ती का मार्ग बारिश के चलते धंस गया है, जिससे आसपास के कई घरों पर खतरा मंडराने लगा है। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने बीती देर शाम से ही देवप्रयाग में स्नान घाटों को खाली कराना शुरू कर दिया था। बुधवार को भी यह अभियान जारी रहा, और पुलिस ने घाटों की ओर न जाने की सख्त चेतावनी जारी की है। फिलहाल प्रशासन अलर्ट मोड पर है और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

उत्तरकाशी आपदा प्रभावितों के लिए टिहरी प्रशासन ने भेजी राहत सामग्री

मुख्यमंत्री के निर्देश पर 1000 राशन पैकेट उत्तरकाशी भेजे गए, टिहरी प्रशासन ने निभाई सहयोग की भूमिका

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में 5 अगस्त को आई आपदा के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टिहरी प्रशासन ने बुधवार को आपदा राहत हेतु आवश्यक सूखा राशन और अन्य जरूरी सामग्री उत्तरकाशी जिला प्रशासन को भेजी।

जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खंडेलवाल के आदेशानुसार यह राहत सामग्री उत्तरकाशी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को हस्तांतरित की गई, ताकि आपदा प्रभावितों को शीघ्र सहायता पहुंचाई जा सके। राहत सामग्री में कुल 1000 पैकेट शामिल किए गए, जिनमें बिस्कुट, भुना चना, नमकीन, फ्रूटी, और पानी की बोतलें जैसी आवश्यक खाद्य एवं पेय सामग्री सम्मिलित हैं।

टिहरी प्रशासन ने 'संकट में सहयोग' नीति के अंतर्गत उत्तरकाशी आपदा में राहत पहुंचाने की दिशा में यह त्वरित पहल की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी राज्य के किसी भी आपदा ग्रस्त क्षेत्र को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

राहत सामग्री के प्रेषण के समय अपर जिलाधिकारी टिहरी अवधेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने यह सुनिश्चित किया कि सामग्री सुरक्षित रूप से शीघ्र उत्तरकाशी प्रशासन तक पहुंचे और प्रभावित लोगों तक राहत त्वरित रूप से वितरित की जा सके।

जुगाड़ भरोसे है ऊर्जा निगम सड़क पर लटक रहा विद्युत पोल

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । ऊर्जा निगम अपनी जिम्मेदारियों को लेकर कितना लापरवाह है इसका प्रत्यक्ष उदाहरण खूनीबड़ करन बिहार में देखने को मिल रहा है। जहां जर्जर हाल में खड़े विद्युत पोल सड़क की ओर लटकने से रोकने के लिए दीवार का सहारा दिया गया है। दीवार पर रस्सी के सहारे विद्युत पोल को बांधा गया है। ऐसे में यदि यह विद्युत पोल धराशायी हुई तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

जिस स्थान पर यह दृश्य है उसी के समीप एक अस्पताल व विद्यालय संचालित होता है। सड़क से भी प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में ऊर्जा निगम ने अपनी जिम्मेदारी में लापरवाही दिखाते हुए पोल को बदलने के बजाय उसे जुगाड़ भरोसे लटका दिया है।

ऐसे में कपड़ों की रस्सी बनाकर बांधे इस पोल से दुर्घटनाओं का अंदेशा बना हुआ है। पोल के आसपास से गुजरते समय लोगों की सांसें अटकी रहती है।

अभिभावक अपने बच्चों को उक्त स्थान से भेजने में भी घबरा रहे हैं। यह सब देखकर लगता है कि मानों ऊर्जा निगम विधानसभा अध्यक्ष के निर्देशों को भी गंभीरता से नहीं लेता दरअसल, कुछ माह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने ऊर्जा निगम के अधिकारियों को जर्जर पोल को चिन्हित कर उनके स्थान पर नए पोल लगाने के निर्देश दिए थे। लेकिन, ऊर्जा निगम ने बैठक के निर्देशों का धरातल पर कोई पालन नहीं किया।

कांग्रेसियों ने जिलाध्यक्ष की पत्नी का किया स्वागत

कोटद्वार । जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिनोद डबराल की पत्नी कविता डबराल का यमकेश्वर के गुमालगांव जिला पंचायत सीट से भारी मतों से विजय प्राप्त करने के बाद कोटद्वार कांग्रेस कार्यालय पहुंचने पर कांग्रेसियों ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने उनकी जीत को सेवा भावना और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जीत बताते हुए कहा कि इसी सीट पर उनके पति बिनोद डबराल भी जिला पंचायत सदस्य रहे। वहीं जनमुद्दों के निस्तारण के लिए जनता के बीच मौजूद रहने का लाभ भी कविता डबराल को मिला। मौके पर कार्यकर्ताओं ने उत्तरकाशी के थराली में हुई भयावह घटना, मृतक मासूम मयंक और कोटद्वार में टैक्सी के ऊपर पत्थर गिरने से मृत व्यक्तियो की आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

बारिश के चलते श्रीनगर में हुआ भू-धंसाव और भूस्खलन

महापौर आरती भंडारी ने किया प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण, महापौर ने समस्याओं के समधान का दिया आश्वासन

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। दो दिनों से हो रहीं तेज बारिश से श्रीनगर के विभिन्न स्थानों पर पुस्ता ढहने, भूस्खलन, भू-धसाव और जलभराव समस्याएं देखने को मिली। भूस्खलन और भू-धसाव होने से स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। बुधवार सुबह से तेज बारिश के कारण नगर क्षेत्र जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। भू-धसाव और भूस्खलन की घटना के बाद नगर निगम की महापौर ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होने स्थानीय लोगों को हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया।

स्थानीय निवासी विपुल भट्ट एवं शोध छात्रा शिवांगी डोभाल ने बताया कि देर रात्रि से हो रही लगातार बारिश के कारण ग्लास हाउस के पास बुधवार सुबह आठ बजे के करीब लिंग मार्ग धस गया। जिससे आवासीय भवनों को खतरा पैदा हो गया। वहीं दूसरी ओर महापौर आरती भंडारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते श्रीनगर के कई इलाकों में जलभराव, भूस्खलन जैसी समस्याएं सामने आई हैं। बताया कि ग्लास हाउस, डांग, बिल्केदार, कोठड एवं घसिया महादे सहित कई अन्य क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त पुस्तों, रास्तों और जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया गया। इस दौरान महापौर ने वार्ड पार्षदों और निगम के अधिशासी अभियंता पवन कोठियाल के मरम्मत कार्यों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मेयर आरती भंडारी ने कहा जिनके आवासीय भवन बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं या जो लोग नदी, गाड़-गदेरे के किनारे बसे हैं, वे तत्काल सुरक्षित स्थानों में शरण लें। कहा कि यदि प्रभावितों के पास रहने की व्यवस्था नहीं है निगम प्रशासन के ओर से उनके लिए उचित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

इसके अतिरिक्त, एनआईटी के निर्माणाधीन परिसर से उत्पन्न जलजमाव की समस्या को भी गंभीरता से लेते हुए मेयर ने स्थलीय निरीक्षण किया और एनआईटी अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर समस्या के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होने स्थानीय लोगों से बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

एक नजर ....

धराली आपदा के दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर। उत्तरकाशी के धराली में आपदा की त्रासदी में दिवंगत लोगों को कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत और भाजपा पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मों को शांति के लिए प्रार्थना की। वहीं दूसरी और पार्षद शुभम प्रभाकर के नेतृत्व में नगर के प्राचीन शारदानाथ घाट स्थित दुर्गा मंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी वार्ड पार्षदों व नगरवासियों ने दीप जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और त्रासदी में लापता अथवा प्रभावित लोगों के सकुशल होने की कामना की। सभा में उपस्थित स्थानीय लोगों ने मां गंगा से प्रार्थना की कि 2013 की भयंकर आपदा के बाद अब फिर कोई ऐसा विनाशकारी क्षण वापस न आए। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में गणेश नौटियाल, रेखा देवी, रणजीत बाल, कुसुम कंडारी, रेनु समेत बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बेस चिकित्सालय श्रीनगर को अल्र्ट मोड़ पर रखा

श्रीनगर। उत्तरकाशी के धराली गांव एवं अन्य क्षेत्रों में दैवीय आपदा को देखते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के टीचिंग बेस चिकित्सालय को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के प्राचार्य आसुतोष सयाना ने जारी करते हुए कहा कि भारी बारिश के कारण लगातार घटनाएं घटती जा रही है। ऐसे में बेस चिकित्सालय श्रीकोट चार जनपदों का सबसे बड़ा चिकित्सालय होने के नाते यहां घायलों के आने की संभवनाएं अधिक है। ऐसे में चिकित्सालय में कार्यरत सभी संकाय सदस्य, सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट व इन्टर्न चिकित्सक व कार्मिकों को कोई भी अवकाश को स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा दीवार का किया निरीक्षण

कोटद्वार । नगरनिगम कोटद्वार के राजकीय स्टेडियम के समीप खोह नदी में बनी करोड़ों की लागत से बनी सुरक्षा दीवार पहली ही बरसात की भेंट चढ़ गई, जिस कारण नदी के किनारे रहने वाले लोगों के घरों को खतरा पैदा हो गया है। बुधवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने मौके पर पहुंचकर दीवार का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पहली ही बारिश में सुरक्षा दीवार का ढहना दीवार की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन की ओर से बाहरी ठेकेदार को दीवार बनाने का कार्य दिया गया। इसके बाद दीवार की गुणवत्ता का निरीक्षण नहीं किया गया। जिस कारण पहली ही बारिश में दीवार ढह गई। कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए।

जनपद में जल जीवन मिशन की प्रगति पर सघन मंथन, तय हुई नई समय-सीमाएं

नई टिहरी। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने मंगलवार, 5 अगस्त को जिला मुख्यालय में जल जीवन मिशन कार्यक्रम की प्रगति की गहन समीक्षा की। इस दौरान जल निगम और जल संस्थान की ओर से अब तक हुई प्रगति की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और शेष लक्ष्यों को तय समय में पूरा करने हेतु ठोस रणनीति बनाई गई। बैठक में जल जीवन मिशन के विभिन्न मापदंडों पर चर्चा करते हुए यह स्पष्ट किया गया कि पीएम गति शक्ति पोर्टल पर पेयजल योजनाओं की केएमएल फाइल अपलोड करने में जनपद ने लगभग 89 प्रतिशत प्रगति दर्ज की है। शेष योजनाओं की एंट्री आगामी दो सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। साथ ही, तृतीय पक्ष जांच एजेंसी द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुरूप "एक्शन टेकन रिपोर्ट" अगस्त माह के अंत तक अनिवार्य रूप से भेजे जाने का निर्देश भी जारी किया गया।

बैठक में हर घर जल सर्टिफिकेशन अभियान की प्रगति पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। जिला पंचायत राज अधिकारी को रोस्टर तैयार कर 233 ग्रामों में एक माह के भीतर सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्य को प्राथमिकता पर लेते हुए, पंचायत स्तर तक समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया।हंस फाउंडेशन द्वारा जनपद में संचालित परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि हंस फाउंडेशन को जो ग्राम आवंटित किए गए है।

खराब मौसम के चलते बुधवार को यात्रा रही स्थगित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मौसम खराब होने के कारण बुधवार को केदारनाथ धाम की यात्रा स्थगित रही। केदारनाथ धाम से दर्शन करने के बाद लौटने वाले यात्रियों को एसडीआरएफ ने रेस्क्यू करके सुरक्षित तरीके से सोनप्रयाग पहुंचाया। बुधवार को सोनप्रयाग से किसी भी यात्री को केदारनाथ धाम नहीं भेजा गया। गुरूवार को भी मौसम को देखते हुये यात्रा का संचालन किया जाएगा। लगातार बारिश के कारण केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग और सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग पर भूस्खलन का खतरा बढ़ा हुआ है। ऐसे में धाम जाने वाले यात्रियों से अपील की जा रही है कि व साफ मौसम में ही यात्रा करें।

दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बुधवार को केदारनाथ यात्रा बंद रही। यात्रियों को सोनप्रयाग से आगे नहीं जाने दिया गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग मुनकटिया क्षेत्र में बोल्डर गिरने के कारण बाधित हो गया। जबकि पैदल यात्रा मार्ग पर भी जगह-जगह बोल्डर गिरने का खतरा बढ़ गया। ऐसे में सुरक्षा को देखते हुये यात्रियों को सोनप्रयाग में ही रोका गया। कुछ देर मौसम साफ होने के बाद दर्शन करने के बाद लौटने वाले यात्रियों को एसडीआरएफ की ओर से सुरक्षित तरीके से सोनप्रयाग पहुंचाया गया। लगभग 15 सौ से अधिक यात्री वहां फंसे थे, जिन्हे सोनप्रयाग पहुंचाया गया था। एसडीआरएफ के सोनप्रयाग प्रभारी सब इंस्पेक्टर आशीष डिमरी ने बताया कि धाम से दर्शन करने के बाद वापस लौटने वाले भक्तों को सुरक्षित तरीके से सोनप्रयाग पहुंचाया गया। मौसम खराब होने के कारण यात्रा स्थगित रही। उन्होंने कहा कि यात्रियों से अपील की जा रही है कि मौसम साफ होने पर ही यात्रा करें। खराब मौसम में यात्रा करने से बचें।

बद्रीनाथ हाईवे सिरोबगड़ में घंटों रहा बंद

रुद्रप्रयाग। लगातार हो रही बारिश के कारण केदारनाथ व बद्रीनाथ हाईवे पर भी जगह-जगह बोल्डर व मलबा गिर रहा है। जिस कारण घंटों तक यातायात प्रभावित हो रहा है। देर रात से जारी बारिश के कारण बद्रीनाथ हाईवे पर सिरोबगड़ में मलबा आ गया और घंटों तक आवाजाही प्रभावित रही। साथ ही हाईवे के खांखरा, नरकोटा सहित अन्य स्थानों पर भी आवाजाही बाधित रही। इसी तरह केदारनाथ हाईवे पर भी रामपुर, कुंड सहित अन्य स्थानों पर बोल्डर गिरते रहे, जिस कारण यात्रियों के अलावा स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अलकनंदा व मंदाकिनी नदी में बाढ़ जैसे हालात

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। अलकनंदा एवं मंदाकिनी नदी में बाढ़ जैसे हालात हैं। दोनों नदियां खतरे के निशान पर बह रही हैं। जिस कारण नदी किनारे रहने वाले लोगों को अलर्ट किया गया है। नदी किनारे स्थित कई आवासीय भवनों तक अककनंदा नदी का पानी भी पहुंच गया है। रुद्रप्रयाग के बस अडडे में बहने वाला पुनाड़ गधेरा भी उफान पर है। मंगलवार रात को अलकनंदा नदी बेलनी स्थित हनुमान मंदिर तक पहुंच गई थी।

पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के अलावा अन्य सहायक नदियां एवं अन्य गाड़-गधेरे उफान पर बह रहे हैं। रुद्रप्रयाग में तो अलकनंदा नदी में बाढ़ जैसे हालात हैं। नदी विकराल रूप धारण करके बह रही हैं। नदी से सटे आवासीय भवनों में रहने वाले लोगों को अलर्ट किया गया है। जबकि कई लोगों ने सुरक्षा को देखते हुये अपने घरों को खाली भी कर दिया है। मदमहेश्वर धाम से निकलने वाली मधु गंगा नदी भी उफान पर है। जिस कारण नदी में धाम जाने के लिये बनाया गया पैदल लकड़ी का पुल भी आपदा की भेंट चढ़ चुका है।

पालिका की निष्क्रियता से नाराज सभासदों का अल्टीमेटम, चेताया आंदोलन का बिगुल

बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी पर भड़के नव निर्वाचित सभासद, 10 दिन में सुधार की दी चेतावनी देवप्रयाग में पालिका कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, धरना व तालाबंदी की तैयारी में सभासद, 17 अगस्त से पालिका कार्यालय के बाह धराना और तालाबंदी कर करेंगे आदोलन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। देवप्रयाग नगर पालिका परिषद की कार्यप्रणाली से नाराज नव निर्वाचित सभासदों ने बड़ा कदम उठाते हुए चेतावनी दी है कि यदि आगामी 10 दिनों के भीतर नगर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो वे 17 अगस्त से पालिका कार्यालय के बाहर धरना और तालाबंदी कर आंदोलन शुरू करेंगे। सभासदों ने यह चेतावनी एक संयुक्त ज्ञापन के माध्यम से अधिशासी अधिकारी राहुल भंडारी को दी है।

सभासदों का आरोप है कि पालिका का प्रशासन पिछले सात महीनों से पूरी तरह से निष्क्रिय बना हुआ है। ईओ सहित अन्य अधिकारियों ने जनता से जुड़े साफ-सफाई, कीटनाशक छिड़काव, झाड़ियों की कटाई और नालियों की सफाई जैसे मूलभूत कार्यों को भी अनदेखा कर दिया है, जिससे आम नागरिकों में जबरदस्त आक्रोश पनप रहा है। ज्ञापन में विशेष रूप से शांता गदेरे क्षेत्र में महीनों से सफाई न होने, दलित बस्ती धर्मपुर व कृष्णचौरी के जर्जर रास्तों, क्षतिग्रस्त पुश्तों की मरम्मत और बाह बाजार क्षेत्र में अधूरे पड़े कार्यों की धीमी गति को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

सभासदों ने अवर अभियंता की तैनाती में हो रही देरी और अधूरे टेंडर प्रक्रियाओं को लेकर भी नाराजगी जताई है। इसके अलावा नगर क्षेत्र में कई सार्वजनिक शौचालय लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इन मुद्दों को लेकर सभासदों का कहना है कि प्रशासन की लापरवाही अब बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है।

सभा में मौजूद सभासद राहुल कोटियाल, संगीता ध्यानी, सुनीता तिवारी और विमल मिश्रा ने स्पष्ट किया कि अब वक्त आ गया है कि नगर पालिका प्रशासन अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करे और जनता से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे मजबूर होकर जनहित में आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन

रुद्रप्रयाग। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान के तहत विकास भवन सभागार में सैनिक रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान हरियाली स्वायत्त सहकारी समिति रतूड़ा, जै रुद्रनाथ स्वायत्त सहकारी समिति जवाड़ी, प्रगति स्वायत्त सहकारी समिति चंद्रापुरी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं एवं ब्रह्मकुमारी आश्रम की बहनों ने आर्मी, पुलिस के जवानों तथा उपस्थित अधिकारियों को पिरूल और रुद्राक्ष से बनी राखियां बांधकर उनके स्वस्थ, सुख और समृद्ध जीवन की कामना की।

विकास परिषद की प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गैरसैंण विकास परिषद, उत्तराखंड डॉ अभिषेक त्रिपाठी द्वारा विकास भवन परिसर में गूगल मीट के माध्यम से गैरसैंण विकास परिषद् के अन्तर्गत कार्यदायी संस्थाओं को वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में पूर्व की बोर्ड बैठकों में अनुमोदित कार्यों एवं योजनाओं के सापेक्ष आवटिंत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ग्रामीण निर्माण विभाग, लघु सिचांई विभाग, सिंचाई खण्ड, जिला पचांयत अल्मोड़ा, परियोजना खण्ड, सिचांई विभाग, खण्ड विकास अधिकारी गैरसैंण,चौखुटिया, एवं नगर पंचायत गैरसैंण की पूर्व एवं वर्तमान कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्य से पूर्व एवं कार्य समाप्त होने के उपरान्त फोटोग्राफ्स के साथ रिर्पोट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मुख्य मार्गो पर बचे हुए कार्य अविंलब पूर्ण कर लिये जाएं। कार्यो को पूर्ण करने हेतु आपसी सामजंस्य स्थापित करने के निर्देश भी दिये गये। इसके अतिरिक्त उन्होने सभी कार्यदायी सस्थाओं को आरसीसी मार्ग, खड़िजा, इंटरलॉकिंग टाईल्स , स्ट्रीट लाइट, शौचालय आदि कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस मौके पर परियोजना निदेशक आंनद सिंह , जिला विकास अधिकारी, कमलेश कुमार पंत समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने किया वाल्मीकि बस्ती व बौराड़ी क्षेत्र का निरीक्षण

लगातार बारिश के बाद निरीक्षण पर निकलीं डीएम नितिका खंडेलवाल, नगर पालि. का और जल संस्थान को दिए निर्देश, बौराड़ी मुख्य बाजार से लेकर सेक्टर 5बी तक हुई सफाई और जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी गढ़वाल में सोमवार से हो रही लगातार बारिश के दृष्टिगत जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बुधवार को नगर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत उन्होंने वाल्मीकि बस्ती से की, जहां जून 2025 में आई आपदा के बाद बनाई गई सुरक्षा दीवार और रास्तों का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए नालियों की सफाई पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और स्थानीय दुकानदारों को नालियों में कूड़ा डालने से सख्ती से रोका जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति नालियों को अवरुद्ध करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने बौराड़ी मुख्य बाजार के पास जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर पालिका और जल संस्थान संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण कर शीघ्र समस्या का स्थायी समाधान निकालें।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मोलधार तिराहा, ओपन मार्केट, गणेश चौक, मधुबन होटल के समीप तथा सेक्टर 5बी जैसे संवेदनशील स्थानों का भी दौरा किया और इन क्षेत्रों में नालियों, जल निकासी और अन्य नगर सुविधाओं की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि वर्षा के मौसम में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और जलभराव या अन्य शहरी समस्याओं से निपटने के लिए सतर्कता और तत्परता से कार्य किया जाए।

निरीक्षण के दौरान नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी संदीप कुमार सहित लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान और नगर पालिका के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सभी को आपसी समन्वय से समस्या समाधान हेतु तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

अवैध निर्माणों के खिलाफ अभियान चलाएगा एमडीडीए

प्राधिकरण उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा, अब चेत जाएं, अवैध निर्माण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश में तेजी से फैल रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ अब सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी कीमत पर सरकारी जमीनों पर अवैध निर्माण, अवैध कब्जा या प्लॉटिंग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी क्रम में मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सख्त समीक्षा बैठक की है।

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने साफ कहा कि सरकारी जमीनों पर अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी फील्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सेक्टर्स वाइज सघन निरीक्षण कर अवैध निर्माणों को तत्काल चिन्हित करें और त्वरित कार्यवाही करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि प्राधिकरण का कोई अधिकारी लापरवाही करता पाया गया तो उसकी व्यक्तिगत जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कई निर्णायक फैसले लिए गए और साफ कहा गया कि अब कार्रवाई से ही व्यवस्था सुधरेगी।उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस अभियान में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी और फील्ड स्तर पर निरंतर निगरानी और रिपोर्टिंग की व्यवस्था की जाए। यह अभियान मुख्यमंत्री धामी की ष्भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी शासन व्यवस्थाष् की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहां कानून का राज और जनहित सर्वोपरि है।

लिए गए प्रमुख निर्णय

- **अवैध निर्माणों पर रोक के लिए सचल दस्ता गठित:** एमडीडीए द्वारा अब सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए सचल दस्ते गठित किए जाएंगे, जो विभिन्न सेक्टरों में सघन निरीक्षण कर अवैध निर्माणों पर निगरानी रखेंगे। हर क्षेत्र में दस्ते नियमित रूप से गश्त करेंगे और किसी भी गतिविधि पर तुरंत प्रतिक्रिया देंगे।
- **सरकारी भूमि पर अवैध निर्माणों पर त्वरित कार्रवाई:** जहां कहीं भी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा या निर्माण होता पाया गया, उस पर सीलिंग/ध्वस्तीकरण की कार्यवाही तत्काल की जाएगी।
- **संवेदनशील और प्रतिबंधित क्षेत्रों में विशेष निगरानी:** गंगा नदी के किनारे, आईएमए, डीआरडीओ जैसे सुरक्षा महत्व के क्षेत्रों, और हाईटेंशन लाइन के नीचे हो रहे निर्माणों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।
- **व्यवसायिक भवनों में वाटर कन्जरवेशन अनिवार्य:** नवनिर्मित और पूर्व निर्मित व्यवसायिक इमारतों में वाटर कंजर्वेशन सिस्टम की जांच की जाएगी। जहां यह व्यवस्था नहीं मिलेगी, वहां आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
- **अवैध प्लॉटिंग पर जनता को किया जाएगा जागरूक:** जिन सरकारी जमीनों पर अवैध प्लॉटिंग की गई है, वहां क्रय-विक्रय न हो इसके लिए आम जनता को जागरूक किया जाएगा। साथ ही, आवश्यक आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

रूड़की हॉस्पिटल की आयुष्मान सूचीबद्धता निरस्त

मानकों का उल्लंघन अपने आप में अपराधः रीना जोशी

राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीना जोशी (आईएएस) ने कहा कि हॉस्पिटल पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आयुष्मान जन कल्याण से जुड़ी योजना है। इसमें मानकों का उल्लंघन अपने आप में अपराध है। इसे किसी बर्दास्त नहीं किया जा सकता।

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। आयुष्मान योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हरिद्वार जनपद के रूड़की हॉस्पिटल को राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने डिइंपैनल कर दिया है। साथ ही करीब सत्तर लाख की रिकवरी व प्राथमिकी दर्ज करने की कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। अस्पताल पर फर्जी एनएबीएच प्रमाण पत्र के जरिए लाभ उठाने व अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन के आरोप हैं।

प्राधिकरण के निदेशक हॉस्पिटल मैनेजमैंट की ओर से जारी आदेश में बताया कि रूड़की अस्पताल ने सूचीबद्धता में नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड व हॉस्पिटल्स एनएबीएच का जो प्रमाण पत्र दिया है, वह राष्टीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के पोर्टल पर दिख रहे प्रमाण पत्र से कहीं भी मेल नहीं खाता। इस दौरान एनएबीएच की ओर से भी फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने की शिकायतों पर सतर्क रहने को परिपत्र जारी किया गया। जिसमें साफ है कि फर्जी एनएबीएच प्रमाण के लिए संबंधित अस्पताल जिम्मेदार है। हॉस्पिटल पर पेनल्टी सहित 70,54,118 रूपए की रिकवरी के आदेश जारी कर दिए हैं। अस्पताल को यह राशि एक सप्ताह के भीतर जमा करनी होगी। बता दें कि एनएबीएच अस्पताल की व्यवस्थाओं का मूल्यांकन कर एंट्री लेवल व फुल एनएबीएच प्रमाण पत्र जारी करता है। एंट्री लेवल में 10 प्रतिशत व फुल एनएबीएच को 15 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्राधिकरण द्वारा दी जाती है इसके अलावा एनएबीएच प्रमाण पत्र वाले अस्पतालों में रैफरल की बाध्यता भी नहीं होती।

एनएपीएसआर ने डीएम को लिखा खत

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। नेशनल एसोसिएशन फॉर पेरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स (एनएपीएसआर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जिलाधिकारी देहरादून को पत्र लिख कर भारी बारिश को देखते हुए की जाने वाली छुट्टी के दिन निजी स्कूलों के विरुद्ध तीन बिंदुओं पर जिला प्रशासन की और से कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

एनएपीएसआर के अध्यक्ष आरिफ खान ने बताया कि जिलाधिकारी देहरादून को भेजे गए पत्र मे मांग की गई है कि भारी वर्षा को देखते हुए जिस दिन जिला प्रशासन की और से स्कूलों की छुट्टी की जाती है तो उस दिन या तो बहुत से निजी स्कूल उन आदेशों को अनदेखा करके स्कूल खोल देते हैं या फिर बच्चों की छुट्टी करके स्टाफ को स्कूल बुलाया जाता है, चूंकि सरकारी स्कूलों में बच्चों के साथ शिक्षकों की भी छुट्टी होती है ऐसे मे क्या निजी स्कूल के शिक्षकों की छुट्टी नही होनी चाहिए....? स्कूलों की छुट्टी होने पर स्कूलों की और से बच्चों की ऑनलाइन क्लॉस लगायी जाती है जो कि एक वैकल्पिक रूप मे सही भी है, मगर क्लॉस खत्म होने के बाद बच्चों को ऑनलाइन होमवर्क देना उचित नही है क्योंकि ज्यादा देर तक मोबाइल पर पढ़ने व काम करने के कारण बच्चों के दिमागी व शारिरिक स्तर पर बहुत दुष्प्रभाव पड़ता है और बच्चे ऑनलाइन काम के नाम पर मोबाइल के आदि हो रहे हैं जो कि उनके लिए उचित नही है। छुट्टी के आदेश होने के बावजूद कई निजी स्कूल या तो छुट्टी नही करते या फिर छुट्टी का सन्देश अभिभावकों तक देर से पहुंचाते हैं जब तक अभिभावक बच्चों को लेकर स्कूल पहुंच चुका होता है 4 अगस्त की छुट्टी होने के बावजूद दून इंटरनेशनल स्कूल ने ना तो छुट्टी का सन्देश अभिभावकों तक पहुंचाया बल्कि जब अभिभावक बच्चों को लेकर स्कूल पहुंचे तो उन्हे ये कहते हुए गेट के बाहर ही खड़ा रखा कि अभी छुट्टी के कोई आदेश नही आये हैं जब आ जाएंगे तो आपको बता दिया जाएगा। एनएपीएसआर अनुरोध करती है कि इन तीनों बिंदुओं का संज्ञान लेते हुए स्कूलों पर नियमानुसार कार्यवाई की जाए।

5वीं वर्षगांठ पर पूरे जिले में चलेगा जागरूकता कार्यक्रम

देहरादून। नशा मुक्ति अभियान की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में आगामी 31 अगस्त तक सभी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, हॉटस्पॉट क्षेत्रों, प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि सभी संस्थानों में 31 अगस्त तक नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता व शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। 13 अगस्त को समस्त शैक्षणिक संस्थानों में शपथ ली जाएगी।

श्री टपकेश्वर शोभायात्रा के लिए यातायात प्लान जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। शिवाजी धर्मशाला से आज गुरुवार को निकालने वाली श्री टपकेश्वर महादेव शोभायात्रा को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यातायात लोकजित सिंह द्वारा शहर से निकलने वाली शोभायात्रा के लिए यातायात प्लान जारी कर दिया है पुलिस अधीक्षक यातायात ने बताया कि शिवाजी धर्मशाला और सहारनपुर चौक से होते हुए झंडा बाजार,पल्टन बाजार,घंटाघर , बिन्दाल, कैण्ट क्षेत्र, डाकरा बाजार में गढ़ी कैण्ट चौक से होते हुए टपकेश्वर बाजार मन्दिर।

पुलिस अधीक्षक गया था यार लोकजित सिंह ने जानकारी देते हुए बताएं कि शोभायात्रा के शिवाजी धर्मशाला से प्रस्थान करने पर निरंजनपुर मंडी लालपुल व मातावाला बाग कट से सहारनपुर चौक की ओर आने वाले यातायात को जीएमएस रोड की ओर डायवर्ट किया जायेगा एवं प्रिन्स चौक रेलवे स्टेशन से आने वाले यातायात को रोक-रोक कर छोड़ा जायेगा।

उन्होंने बताया कि शोभायात्रा के सहारनपुर चौक पर पहुंचने से पूर्व बल्लीवाला व लक्ष्मण चौक से कोई भी वाहन सहारनपुर चौक की ओर नही आयेगा। वाहनो को बल्लीवाला से कमला पैलेस की ओर व लक्ष्मण चौक से पार्क रोड की ओर भेजा जायेगा। इसके अलावाशोभायात्रा के सहारनपुर चौक से झंडा बाजार में प्रवेश करने पर सहारनपुर चौक पर यातायात के सामान्य होने पर सभी डायवर्जन सामान्य कर दिया जायेगा।

शोभायात्रा के घंटाघर पहुंचने पर घंटाघर से चकराता रोड जाने वाले यातायात दर्शनलाल चौक की ओर भेजा जायेगा व बल्लूपुर की ओर से आने वाले यातायात को बल्लूपुर, किशननगर चौक, बिन्दाल चौकी कट, बिन्दाल से कैण्ट क्षेत्र की ओर दिलाराम चौक की ओर डायवर्ट किया जायेगा।

शोभायात्रा का पिछला हिस्सा बिन्दाल कट पास करने पर सभी यातायात डाईवर्जन सामान्य किये जायेगे। शोभायात्रा के पोस्ट ऑफिस पहुंचने पर वाटिका तिराहे से आने वाला यातायात आकाशगंगा तिराहा होते हुए पोस्टऑफिस की ओर भेजा जायेगा व पोस्ट ऑफिस से वाटिका तिराहा जाने वाले यातायात को रोक-रोक कर छोड़ा जायेगा। शोभायात्रा का पिछला हिस्सा डाकरा रोड़ पास करने पर यातायात सामान्य कर दिया जायेगा।सिंह ने बताया कि आपातकाल लिंक सेवा को देखते हुए एम्बुलेंस और बीमार व्यक्तियों को ले जाने वाले वाहनों को उक्त रूटों पर छूट दी जाएगी।

पुलिस अधीक्षक यातायात ने देहरादून की जनता से अपील की की परते 11:00 बजे से और शोभा यात्रा तक निकलने के समय तक उक्त रूट प्लान को देखकर निकले ताकि यातायात पुलिस को सहयोग मिल सके।

पर्यावरण मित्रों को मिले सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ: मकवाना

देहरादून। राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री) भगवत प्रसाद मकवाना ने पार्षदों द्वारा स्वच्छता कर्मचारियों को हटाने एवं नियुक्त करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। साथ ही हाथ से मैला उठाने वालों का 'नमस्ते योजना' में शत प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आयोग के उपाध्यक्ष मकवाना ने बुधवार को नगर निगम सभागार में विभागों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी निकायों में तय मानक के अनुसार स्वच्छता कर्मचारी नियुक्त करने को कहा। समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि केंद्र सरकार से अनुदान प्राप्त मैनुअल स्कैवेंजर्स को शीघ्र पहचान पत्र जारी करें और लाभान्वितों को स्वरोजगार एवं उनके पुनर्वास के लिये कार्यवाही करें।

रिस्पना नदी के आस-पास के घरों को खाली कराया

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। धर्मपुर विधानसभा के वार्ड 82 में लोगों के घरों पानी घुस गया। कांग्रेस नेता संदीप चमोली ने मौके पर जाकर हालात का जाएजा लिया। उन्होने बताया कि रिस्पना नदी में अत्यधिक जल भराव होने के कारण स्थानीय लोगों के घरों पानी घुस गया। जो सुरक्षा दीवार पुस्ता बनाया गया था वह नदी में गिर गया। मौके पर पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट देहरादून से फोन पर वार्ता की व तत्काल राहत और बचाव कार्य के लिए आग्रह किया। बरसात के इस समय में नदी किनारे बसे लोगों को सजग होकर रहना पड़ेगा। नेहरू कालोनी थानाध्यक्ष की और से अच्छा काम किया गया रात्रि 3 बजे के समय ही लोगों को घर खाली कराकर सुरक्षित स्थानों में भिजवाने का काम किया।

मृतक उपनल कार्मिक के पिता को 50 लाख की सहायता का चेक सौंपा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को देहरादून स्थित कैम्प कार्यालय में उपनल के माध्यम से विद्युत विभाग के कार्य करने वाले उपनल कर्मचारी धनवीर सिंह नेगी की आकस्मात मृत्यु होने पर उपनल और पंजाब नेशनल बैंक के बीच हुए करार के क्रम में 50 लाख की धनराशि का चौक मृतक के पिता बलवीर सिंह नेगी तथा उनकी पत्नी मंगीता नेगी का सौंपा। इस दौरान काबीना मंत्री सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने धराली में आयी प्राकृतिक आपदा के दिवंगतजनों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हम किसी की भी मृत्यु हो जाने पर उसे वापस तो नहीं ला सकते है, लेकिन उनके विधिक आश्रितों को आर्थिक मदद करके परिवार कल्याण के लिए मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता का 50 लाख रूपये का पहला चौक, जो कि अनुबन्ध के अनुसार पंजाब नेशनल बैंक की ओर से प्राप्त हुआ है, उसे स्व धनवीर सिंह नेगी की पत्नी को प्रदान किया गया।

एक नजर ....

ज्ञानवर्धक दौरे के साथ छात्राओं ने मनाया राखी दिवस

देहरादून। रक्षाबंधन को परंपरा से परे अर्थपूर्ण तरीके से मनाने के लिए, हिम ज्योति स्कूल की छात्राओं ने प्रेरणा और सीख के लिए हिमालय वेलनेस कंपनी की देहरादून इकाई का दौरा किया। हिमालय वेलनेस टीम ने छात्राओं का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें ब्रांड की विरासत, प्राकृतिक उत्पाद दर्शन और इसके आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के पीछे के विज्ञान से परिचित कराया। डॉ. एस. फारूक ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि युवा दिमाग यह समझें कि सांस्कृतिक जड़ें वैश्विक प्रभाव को कैसे सशक्त बना सकती हैं। रक्षाबंधन सुरक्षा का प्रतीक है, और यही वेलनेस का सार है। राखी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में, छात्राओं ने देखभाल और सुरक्षा के बंधन का सम्मान करने के लिए वेलनेस मेंटर डॉ. एस. फारूक को प्रतीकात्मक धागे बाँधे। इस मौके पर भगवती गुप्ता, फाल्गुनी वर्मा ने डॉ. फारूक और उनकी टीम को उनके दयालु व्यवहार और सार्थक एवं मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया।

माकपा ने दी मृतकों को श्रद्धांजलि

देहरादून । मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी उत्तराखंड धराली में आयी विनाशकारी बाढ़ से शोक संतप्त है। माकपा ने धराली उत्तरकाशी में अचानक आयी बाढ़ में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा राज्य के विभिन्न हिस्सों में अतिवृष्टि से हताहत हुए लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। पार्टी राज्य सचिवमंडल की और से 2 मिनट का मौन रखते हुए शोक व्यक्त किया। बैठक में पॉलिट ब्यूरो सदस्य व राज्य पर्यवेक्षक कामरेड विजू कृष्णनन भी मौजूद रहे। राज्य सरकार से माकपा उत्तराखंड मांग करती है कि आपदा में मारे गए लोगों के परिवारों की समुचित सहायता की जाए व पीड़ितों को समुचित राहत सुनिश्चित की जाये।

आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित हो उत्तराखंडः जोशी

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने उत्तरकाशी के धराली में आई भीषण विभीषिका प्राकृतिक आपदा पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में संपूर्ण उत्तराखंड का आम जनमानस आपदा पीड़ितों के साथ है। चुनौतियां बहुत है लेकिन एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व अन्य प्रशासनिक अमला राहत एवं बचाव कार्य में लगे हैं लेकिन ये नाकाफी है। उन्होंने कहा कि बचाव एवं राहत कार्य युद्ध स्तर पर किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भारी नुकसान हुआ है इसलिए केंद्र सरकार उत्तराखंड को आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित करे। कांग्रेस भी घटना पर नजर रखे हुई है प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करन माहरा उत्तरकाशी पहुंच गए हैं और प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी टिहरी में है जो राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं।

परिवर्तन की पहल, ईको फ्रेंडली सीड राखियांः सीडीओ

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। रक्षाबंधन के लिए देहरादून महिला स्वयं सहायता समूहों ने पर्यावरण के अनुकूल खास सीड राखियां तैयार की है। ये राखियां न केवल भाई-बहन के पवित्र बंधन का प्रतीक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी एक रचनात्मक और सकारात्मक परिवर्तन लाने की पहल है। तुलसी, अपराजिता, बेल, अश्वगंधा, सूरजमुखी एवं कई अन्य सुगंध हर्बल प्लांट के बीजों को इन राखियों में पिरोया गया है।

रक्षाबंधन के बाद इन राखी को गमले में रोप देने से सुंदर हर्बल पौधा जन्म लेगा। महिला समूहों द्वारा निर्मित इको फ्रेंडली बीज राखियों की बाजार में धूम मची है।सीडीओ ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहनों के अटूट प्रेम का प्रतीक है। रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाईयों की कलाई पर इन सुंदर ईको फ्रेंडली सीड राखियों को बांधे। कार्यक्रम के दौरान सीड राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने कहा कि सीड राखी' ऐसी राखी है जिसमें प्राकृतिक बीज संलग्न किए गए हैं। रक्षाबंधन के बाद इस राखी के कागज को मिट्टी में दबाया जा सकता है।

पंचचूली हैंडलूम्स बना रहा है वैश्विक पहचान

देहरादून। पंचचूली हैंडलूम्स अमेजन के जरिये धीरे-धीरे तैयार फैशन, वहनीयता और सामाजिक प्रभाव के मेल के साथ आधुनिक बाजारों के लिए पारंपरिक शिल्प को नया स्वरूप दे रहा है। अमेजन, इस साल हैंडलूम दिवस पर, हिमालय की गोद में बसी महिलाओं के नेतृत्व वाले एक सामूहिक संगठन (कलेक्टिव), पंचचूली हैंडलूम्स की कहानी पेश कर रही है, जो दुनिया भर के जागरूक उपभोक्ताओं तक पहुंच कर भारतीय हथकरघा के मूल तत्व को संरक्षित कर रहा है। मुन्नी मेहता जैसे दूरदर्शी व्यक्तित्व के नेतृत्व में घर-घर जाकर लोगों को जोड़ने के रूप में शुरू हुआ यह प्रयास परंपरा को जीवित रखने वाले कारीगरों के परितंत्र में बदल गया है।

यूकेडी ने अस्पताल पहुंच आपदा प्रभावितों का हाल जाना

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल के एक प्रतिनिधिमंडल ने धराली उत्तरकाशी में आई आपदा के प्रभावितों के चिकित्सीय उपचार के लिए दून अस्पताल व कोरोनेशन अस्पताल पहुंच कर व्यवस्था है मुआयना किया। दून अस्पताल में लगभग 50 बेड की व्यवस्था की गई है जिसमें से 20 बेड आईसीयू में वेंटिलेटर सहित तैयार किए गए हैं।

कोरोनेशन अस्पताल में भी लगभग इतने ही बेड की व्यवस्था प्रभावितों के लिए की गई है। उत्तराखंड क्रांति दल में केंद्रीय कार्यालय के नंबर जारी करते हुए कहा कि प्रभावितों की देखभाल करने के साथ ही उनके साथ जो भी देखभाल करने के लिए व्यक्ति आएगा उसके रहने तथा खाने की व्यवस्था उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय कार्यालय में की गई है। केंद्रीय महामंत्री किरन रावत ने कहा कि आपदा नीतियों में भी परिवर्तन की आवश्यकता है। कहा कि मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख तथा घायलों को 5 लाख की आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। इस मौके पर बृजमोहन सजवान, देवचंद राजेंद्र सिंह बिष्ट, बिहारी लाल जगूड़ी उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद बंसल ने पूछा सड़क नेटवर्क के विकास से संबंधित सवाल

देहरादून। सासंद राज्यसभा डा. नरेश बंसल ने सदन मे उत्तराखंड समेत देश मे सड़क नेटवर्क के विकास से संबंधित प्रश्न सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से किया कि विगत पांच वर्षों के दौरान देश में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में हुई वृद्धि का ब्यौरा क्या है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गड़करी ने बताया कि देश में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नेटवर्क की लंबाई मार्च, 2020 में 132,995 किमी से बढ़कर वर्तमान में 146,342 किमी तक हो गई है। प्रचालित पहुंच नियंत्रित राष्ट्रीय उच्च गति कॉरीडोर (एचएससी)/एक्सप्रेसवे की लंबाई मार्च, 2020 में 228 किमी. बढ़कर वर्तमान में 2636 किमी हो गई है।

स्वास्थ्य सचिव ने किया अस्पतालों का निरीक्षण

- धराली आपदा : अलर्ट मोड में स्वास्थ्य विभाग
- ग्राउंड जीरो पर टीमें सक्रिय, घायलों का मौके पर उपचार शुरू
- तीन प्रमुख अस्पतालों में आरक्षित की गई चिकित्सा सुविधा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में हाल ही में बादल फटने से उत्पन्न आपदा के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने मोर्चा संभाल लिया है। ग्राउंड जीरो पर स्वास्थ्य विभाग की टीमें पहुंच चुकी हैं और घायलों का मौके पर उपचार शुरू कर दिया गया है। जल्द ही अन्य मेडिकल टीमें भी राहत कार्यों में जुट जाएंगी। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि धराली आपदा की चुनौती के बीच स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित और ठोस कदम उठाए हैं। अस्पतालों में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की गई हैं, ग्राउंड जीरो पर टीमें सक्रिय हैं, और मानसिक स्वास्थ्य जैसे पहलू को भी गंभीरता से लिया जा रहा है।

वहीं स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने देहरादून में दून अस्पताल व कोरोनेशन जिला अस्पताल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। स्वास्थ्य सचिव ने निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं, आईसीयू, जनरल वार्ड, स्टाफ की उपस्थिति और उपकरणों की उपलब्धता की गहन समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में मरीजों को चिकित्सा सुविधा में कोई कमी न हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि एक भी घायल या जरूरतमंद व्यक्ति इलाज से वंचित नहीं रहना चाहिए।इन अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल टीम, दवाओं और उपकरणों की पूर्ण व्यवस्था कर दी गई है। इस मौके पर दून मेडिकल कॉलेज के डॉ एनएस बिष्ट भी मौजूद रहे।

आईसीयू, जनरल वार्ड और स्टाफ व्यवस्थाओं की परखी स्थिति

दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य सचिव राजकीय जिला चिकित्सालय कोरोनेशन पहुंचे, जहां उन्होंने आईसीयू, जनरल वार्ड, और अन्य अहम इकाइयों की स्थिति परखी। उन्होंने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल कर्मियों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि देहरादून के दोनों प्रमुख अस्पतालों दून मेडिकल कॉलेज और कोरोनेशन अस्पताल में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

108 एंबुलेंस सेवा और सीएमओ टीमें एक्टिव मोड पर: प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारी और आपदा प्रतिक्रिया टीमें सतर्क मोड में हैं। 108 एम्बुलेंस सेवा को भी 24◦7 एक्टिव रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल मरीजों को अस्पताल पहुंचाया जा सके।

अस्पतालों में आरक्षित चिकित्सा व्यवस्था

दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल
150 जनरल बेड
50 ICU बेड

कोरोनेशन जिला चिकित्सालय, देहरादून
80 जनरल बेड
20 ICU बेड

एम्स, ऋषिकेश
50 जनरल बेड
20 ICU बेड

तीन मनोचिकित्सकों की तैनाती

स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं भी उभर सकती हैं। इसे देखते हुए धराली क्षेत्र में तीन मनोचिकित्सकों की विशेष टीम तैनात की गई है। यह टीम राहत शिविरों में जाकर लोगों की काउंसलिंग करेगी और मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह टीम स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर समन्वय से कार्य करेगी।

तीन प्रमुख अस्पतालों में आरक्षित की चिकित्सा सुविधा

आपदा संभावित घायलों और गंभीर मरीजों के इलाज हेतु देहरादून, कोरोनेशन, और एम्स ऋषिकेश में बेड आरक्षित किए गए हैं।

भगत सिंह व चंद्राचार्य चौक तथा ज्वालापुर अंडरपास में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए

शासन को डीपीआर प्रेषित करने के निर्देश दिए

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर, दीक्षित ने बरसात के कारण नदियों तथा तालाबों के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए भगतसिंह चौक, चन्द्राचार्य चौक, भीमगोड़ा में काली मन्दिर के पास क्षतिग्रस्त रेल मार्ग रेस्टोरेशन कार्य, मनसा देवी मंदिर तथा मन्दिर पैदल मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। भगत सिंह चौक तथा चंद्राचार्य चौक के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को भगतसिंह चौक, चंद्राचार्य चौक तथा ज्वालापुर अण्डरपास में होने वाले जलभराव के स्थायी समाधान के लिए डीपीआर शासन को प्रेषित करने, 3डी मॉडलिंग करने सहित विभिन्न पहलुओं को समाहित करने के निर्देश दिये। उन्होंने निरीक्षण जल निकासी हेतु लगाये गये पम्प के पास पानी व बिजली कनेक्शन होने पर सावधनी बरतने के निर्देश भी दिए और कहा कि कहीं भी लूज कनेक्शन ना हों। जल निकासी के दौरान सुरक्षात्मक दृष्टि से विशेष सावधानी बरती जाये नाले का पानी हल्का सा भी ओवर फ्लो होने पर तत्काल पम्प शुरू किये जायें। जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को भी नालों तथा नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। इस दौरान सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ओम गुप्ता ने बताया कि भगत सिंह एवं चंद्राचार्य चौक पर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए 30 करोड़ की तथा ज्वालापुर अण्डपास में जलभराव की समस्या के समाधान हेतु 47 करोड़ की डीपीआर तैयार कर ली गई है। जल संस्थान के अधिशासी अभियन्ता राजेश गुप्ता ने बताया कि भगत सिंह व चन्द्राचार्य चौक पर जल निकासी के लिए लगातार पम्प संचालित किये जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक के पम्प व जनरेटर होने के कारण आवाज न आने से कुछ व्यक्तियों को पम्प बन्द होने का आभास हुआ था, जबकि पम्प के माध्यम से जल निकासी का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। जिलाधिकारी तथा एसएसपी ने

भीमगोड़ा काली मन्दिर के पास क्षतिग्रस्त रेल मार्ग रिस्टोरेशन कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया तथा रेलवे के इंजीनियरों से स्थायी समाधान सहित सुरक्षात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने मनसा देवी मन्दिर के निरीक्षण के दौरान मन्दिर परिसर तथा पैदल मार्ग का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं के चप्पल उतारने हेतु स्थान चिन्हित किया। उन्होंने मनसा देवी मार्ग पर भू-स्खलन रोकने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा किये जा रहे वायर क्रिएट्स कार्य का निरीक्षण करते हुए अन्य भू-स्खलन संभावित क्षेत्रों को भी चिन्हित करते हुए वायर क्रिएट्स कार्य हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता लोनिवि को क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत शीघ्रता से करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनता से सतर्कता बरतने तथा किसी भी प्रकार की गलत या भ्रमक सूचना न देने तथा न ही प्रसारित करने की अपील की। उन्होंने नदी तटीय इलाकों में रहने वाले व्यक्तियों से विशेष सतर्कता बरतने तथा जल स्तर बढ़ने पर राहत शिविरों एवं सुरक्षित स्थानों पर रूकने की अपील की। निरीक्षण के दौरान एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, नगर आयुक्त नन्दन कुमार, सचिव एचआरडीए मनीष सिंह, उप जिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई ओम गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता जल संस्थान राजेश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक पंकज गैरोला सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा का लेवल खतरे के निशान से ऊपर

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पर्वतीय क्षेत्रों में तीन दिन से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते हरिद्वार में भी गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। भीमगोड़ा बैराज पर गंगा खतरे के निशान 294 मीटर को पार कर 294.30 मीटर पर बह रही है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के एसडीओ भारत भूषण ने बताया कि गंगा का जल स्तर 294.30 मीटर चल रहा है और 3000 क्यूसेक जल भीमगोड़ा बैराज से छोड़ा जा रहा है। जिला प्रशासन और उत्तर प्रदेश प्रशासन को जल स्तर बढ़ने के

संबंध में तुरंत जानकारी दी जा रही है। ज्यादा सिल्ट आने के कारण हरकी पैड़ी जाने वाली ऊपरी गंग नहर को फिलहाल बंद किया गया हैं। एसडीओ ने बताया कि स्थिति पर पूरी निगाह रखी जा रही है। अभी तक किसी भी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं है।

विकास खण्ड अधिकारी ने टीम के साथ गंगा के जलस्तर का किया निरीक्षण

ग्रामीणों को गंगा किनारे न जाने की दी चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। के बाढ़ क्षेत्र के दर्जनों गांव में खंड विकास अधिकारी ने टीम के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गंगा का जलस्तर देखा व ग्रामीणों को गंगा पर न जाने की चेतावनी दी गई। साथ ही गंगा किनारे बसे लोगों को घर खाली कर सुरक्षित स्थान पर जाने की हिदायत दी। लगातार पहाड़ों में हो रही बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बुद्धवार को गंगा के जलस्तर व गंगा किनारे बसे गांव में खंड विकास अधिकारी मानस मित्तल ने टीम के साथ पहुचकर निरक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गंगा किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की हिदायत दी है। साथ उन्होंने गंगा के जलस्तर का निरक्षण कर बताया कि जलस्तर

काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में लकड़ी व मछली पकड़ने वाले लोग गंगा पर न जाए। उन्होंने ग्राम प्रधान बिशनपुर सन्नी कुमार व पूर्व उप चेयरमेन कंवरपाल के साथ बातचीत कर गांव मे अलर्ट जारी करने को कहा है। बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है ऐसे में गांव के लोगों पर नजर रखने की जरूरत है। कहा कि गंगा नदी और उफान पर होने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में कुछ भी हालात हो या कैसी भी स्थिति रहे तत्काल फोन पर अधिकारियों को सूचित किया जाए। इस दौरान एसओ पथरी मनोज नोटियाल व फेरुपुर चौकी प्रभारी अशोक सिरसवाल भी गस्त पर रहे और गंगा के नजदीक बसे वन गुर्जरों को गंगा किनारे से हटाकर सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा बिशनपुर लोगों को गंगा के नजदीक नही जाने की हिदायत देते रहे। निरक्षण टीम में जेई बिपेंद्र रावत, ग्राम विकास अधिकारी अमित यादव, सूरज चौहान, जिलापंचायत सदस्य सोहनवीर पाल, ग्राम प्रधान सन्नी कुमार आदि उपस्थित रहे।

रानीपुर विधायक ने उत्तरकाशी आपदा पीड़ितों के लिए दिया एक माह का वेतन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में 5 अगस्त को बादल फटने से आई भयंकर प्राकृतिक आपदा में भारी जन-धन हानि हुई। इस दुःखद घटना के बाद रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए सराहनीय कदम उठाते हुए अपना एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दान किया। विधायक चौहान ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है। प्रदेश का हर नागरिक इस कठिन समय में आपदा प्रभावित आम जनमानस के साथ खड़ा हो, यही हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियां पूरे समर्पण के साथ राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों में जुटी हुई हैं।

सिक्स पैक का सौदा : हरिद्वार के जिमों में बिक रहा जहर, मासूम युवाओं की जिंदगियां दांव पर!

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। फिटनेस का सपना देखने वाले युवाओं के लिए जिम का रास्ता अब मौत की गली बनता जा रहा है। हरिद्वार के कई नामी जिमों में मसल्स और सिक्स-पैक का लालच देकर नशे और स्टेरॉयड का काला कारोबार खुलेआम चल रहा है। तेजी से बॉडी बनाने की चाहत रखने वाले नाबालिग और युवा "प्री-वर्कआउट" नामक नशे का शिकार हो रहे हैं। यह ड्रिंक सिर्फ एनर्जी नहीं देती, बल्कि ऐसा जहर है जो एक बार शुरू करने पर लत बनकर जिंदगी बर्बाद कर देता है। यही नहीं, "साइकिल" के नाम पर दिए जा रहे प्रतिबंधित स्टेरॉयड इंजेक्शन शरीर को अंदर से खा रहे हैं। कई मामलों में इन खतरनाक डोज ने युवाओं की जान तक ले ली, लेकिन जिम मालिक और सप्लायर अब भी बेखौफ अपने धंधे में लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक कुछ जिम मालिक खुद इस नेटवर्क का हिस्सा हैं। नए लड़कों को तेज बॉडी का सपना दिखाकर इन्हें नशे और स्टेरॉयड के जाल में फँसाया जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो इस धंधे का सबसे बड़ा हथियार बन चुके हैं।

हरिद्वार की पवित्र धरती पर फिटनेस के नाम पर चल रहे इस मौत के खेल ने पूरे शहर में खलबली मचा दी है। सवाल अब भी वहीं है? कब तक मासूम जिंदगियाँ इस खतरनाक खेल की भेंट चढ़ती रहेंगी? क्या प्रशासन जागेगा या मौत का ये कारोबार यूं ही जारी रहेगा?

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने जताया धाराली में आई प्राकृतिक आपदा पर दुःख

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने धराली में बादल फटने से आयी प्राकृतिक आपदा पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मां मनसा देवी एवं मां गंगा से मृतकों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि धराली में आयी प्राकृतिक आपदा से सैकड़ों परिवार प्रभावित हुए है। भीषण आपदा में मकान, होटल, रिजॉर्ट और बाजार पूरी तरह तबाह हो गया। आपदा को लेकर हर कोई दुखी है। संत समाज में भी हादसे को लेकर दुख की लहर है। संत समाज प्रभावितों के साथ है। मां गंगा सबकी रक्षा करें। मृतकों की आत्मा को शांति दे और पीड़ित परिजनों को दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। महन्त ऋषीश्वरानन्द के तत्वावधान में श्री चेतन ज्योति संस्कृत विद्यालय हरिद्वार के सभागार में 10 दिवसीय चले संस्कृत संभाषण शिविर का समापन विद्यालय के प्रधानाचार्य आचार्य सर्वेश कुमार तिवारी अध्यक्षता व उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं संस्कृत भारती उत्तराखंड के न्यासी प्रॅफेसर प्रेमचंद शास्त्री के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। शिविर की सफलता पर हर्ष जताते हुए मुख्य अतिथि ने संस्कृत संभाषण की महती आवश्यकता पर जोर देते हुए संस्कृत छात्रों से कहा कि वर्तमान में संस्कृत भाषा ही शरीर को स्वस्थ एवं संस्कृति को तथा भारतीय विज्ञान तथा इतिहास जानने का माध्यम है अत: सामाजिक व्यक्तित्व बनाए रखने के लिए संस्कृत में धारा प्रवाह बोलना अति आवश्यक है भारतीय जनगणना के अवसर पर अपनी मातृभाषा संस्कृत लिखबाना कभी कोई न भूले, क्योंकि इसी से सरकारी अनुदान एवं संस्कृत की सामाजिक स्थिति का पता चलता है। सभा अध्यक्ष आचार्य सर्वेश तिवारी ने कहा कि संस्कृत की पूरे विश्व में मांग है योग्यतम छात्रों को निरंतर रोजगार प्राप्त होते हैं। संस्कृत छात्रों में दीन हीन भावना नहीं आनी चाहिए, केवल एकमात्र संस्कृत भाषा ही ऐसी भाषा है जिसमें अनेकों विश्वविद्यालय चलते हैं तथा अकादमी यॉ एवं समाचार पत्र पत्रिकायें कार्य कर रहे हैं संस्कृत छात्रों के लिए शिक्षा, सुरक्षा, राजनीति, व्यापार, पत्रकारिता तथा धार्मिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए पर्याप्त अवसर है। इस अवसर पर अचार्य महीधर प्रसाद सती, आचार्य महेश नौटियाल, तारा देवी, प्रशिक्षक आचार्य संतोष कापड़ी तथा चेतन चौबे एवं अन्य वक्ताओं ने अपने मंतव्य को छात्रों के समक्ष रखा। इस अवसर पर 65 छात्रों ने संस्कृत से संभाषण का कौशल प्रदर्शन करने की एवं अधिक अधिक संस्कृत बोलने और सीखने की इच्छा जाहिर की।

एक माह में तैयार हो उत्पादों का विस्तृत डाटा : सीडीओ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में औद्योगिक इकाईयों, फार्मों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को प्रोत्साहित करने और उनके उचित निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जिला कार्यालय सभागार में जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने की। बैठक में निर्यात के लिए तैयार की गई कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया और उस पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी राय रखी। आकांक्षा कोण्डे ने महाप्रबंधक उद्योग और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में उत्पादित सभी वस्तुओं का सटीक डाटा एकत्र कर निर्यात के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। सीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि एक माह के भीतर सभी विभाग अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित विस्तृत आंकड़े उपलब्ध कराएं। साथ ही, उत्पादन में लगे कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए ट्रेनरों को भी प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। बैठक में उप निदेशक एफआईओ मनीष झा ने पीपीटी के माध्यम से 45 देशों में होने वाली अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों, व्यापार मेलों और डिजिटल मंचों के जरिए भारतीय एवं विदेशी निर्यातकों को जोड़ने की योजनाओं की जानकारी दी। वहीं महाप्रबंधक जिला उद्योग उत्तम कुमार तिवारी ने जनपद में निर्यात की संभावनाओं पर स्लाइड शो प्रस्तुत किया। बैठक में मुख्य कृषि अधिकारी गोपाल सिंह भण्डारी, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, एलडीएम दिनेश कुमार गुप्ता, परियोजना अधिकारी संजय सक्सेना, लघु औद्योगिक इकाई के अध्यक्ष हिमेश कपूर समेत विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता शिविर में ग्रामीणों ने सीखे अपने अधिकार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर स्थित पंडित पूर्णानंद तिवारी लॉ कॉलेज के बी.ए. एलएलबी अष्टम सेमेस्टर के छात्र- छात्राओं ने ग्राम मिस्सरपुर के बारात घर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर में विभिन्न कानूनी विषयों पर विस्तृत जानकारी देकर ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में छात्रों ने फ्री लीगल एड, सूचना का अधिकार, घरेलू हिंसा, समान नागरिक संहिता, मानव तस्करी, श्रम कानून, गिरफ्तारी के समय कानूनी अधिकार, जातिवाद, महिलाओं के अधिकार, उपभोक्ता अधिकार, दहेज प्रथा, रिट याचिका, आयकर कानून, निकाह, बाल विवाह, बाल श्रम, जनहित याचिका, मानहानि, महिला सशक्तिकरण, न्यूनतम मजदूरी, मीडिया लॉ, मौलिक अधिकार, स्वास्थ्य देखभाल कानून, साक्ष्य विधि, बाल अधिकार सहित

अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर कानूनी जानकारी दी। शिविर का संचालन विनय ने किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान पंकज चौहान, कॉलेज के प्राचार्य अशोक कुमार तिवारी, प्रबंधक कमल शर्मा, निदेशक शिवम शर्मा, नेहा शर्मा, शैलजा शर्मा समेत शिक्षकगण उपस्थित रहे।

स्वास्तिक प्रिंटर एंड पैक के प्रोपराइटर से करोड़ों की ठगी

फर्जी फर्म के नाम पर लाखों का माल हड़पा

शाह टाइम्स संवाददाता

रोशनाबाद। सिडकुल थाना स्थित स्वास्तिक प्रिंटर एंड पैक नामक प्रोपराइटर फर्म के मालिक अक्षत जैन के साथ करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी फर्म प्रिंट और पैकेजिंग का कच्चा माल सप्लाई करती है। तहरीर के अनुसार, 9 मई 2025 को विकास कुमार नामक व्यक्ति, जिसने खुद को मुरादाबाद निवासी और ए.जी. एंटरप्राइजेज का मालिक बताया, ने फर्जी तरीके से जीएसटी रजिस्ट्रेशन दिखाकर 40,48,664 रुपये का कच्चा माल खरीदा। आरोपी ने केवल 8,25,000 रुपये आरटीजीएस के माध्यम से दिए और 10 लाख रुपये का चेक दिया, जो बैंक में अनादरित हो गया। जब पीड़ित ने शेष भुगतान के लिए संपर्क किया तो विकास ने फोन उठाना बंद कर दिया। पीड़ित जब मुरादाबाद स्थित बताए पते पर पहुंचा, तो वहां कोई ऐसी फर्म मौजूद नहीं मिली। इस प्रकार आरोपी ने फर्जी फर्म के नाम पर कुल 32,23,959 रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अहमदपुर ग्रंट की फैक्ट्री में घुसा बाढ़ का पानी, 52 श्रमिकों को निकाला

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। बुधवार की अल सुबह थाना बहादराबाद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अहमदपुर में उत्तम डिस्टलरी फैक्ट्री में बाढ़ का पानी घुस गया। फैक्ट्री में करीब डेढ़ सौ लोग फंसे गए। सूचना पर तत्काल थाना बहादराबाद से वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रदीप राठौर, प्रभारी चौकी शांतरशाह उप नि खेमेंद्र गंगवार रात्रि अधिकारी अपर उप निरीक्षक राकेश सिंह थाना मोबाइल, पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तथा फायर पुलिस व जल पुलिस को भेजने के लिए कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सभी पुलिस टीमों द्वारा मौके पर पहुंच कर राहत बचाव कार्य शुरू किया गया और फैक्ट्री में कार्यरत 40 कर्मचारी व मजदूरों व 12 ट्रक चालक आदि को सकुशल बाहर निकाला गया। सभी को फैक्ट्री से

बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि लगातार हो रही बारिश के कारण अहमदपुर से पंतजलि को जाने वाला रास्ता कई स्थानों से कट गया है जिसे देखते हुए ज्वालापुर विधायक रवि बहादुर ने बीते कल अहमदपुर ग्रंट का निरिक्षण कर सम्बंधित अधिकारियो को बुला कर मार्ग को दुरुस्त करने, पानी की उचित निकासी करने, बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने आदि के निर्देश दिए थे। आज भारी बारिश से अहमदपुर पंतजलि मार्ग, सहदेवपुर अहमदपुर मार्ग, सहदेवपुर से कासमपुर मार्ग, पथरी मार्ग सहित दर्जनो गाँव को हाइवे से जोड़ने वाले मार्गो पर कटान हो गया है जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। जिलाधिकारी को सूचना मिलने पर उन्होंने सम्बंधित अधिकारियो को तुरंत वेकल्पिक मार्ग की व्यवथा करने और जरुरी सेवाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं, बहादराबाद पुलिस घटना स्थल पर मौजूद है और कटे सडक मार्ग से यात्रा करने वालों को सुरक्षित मार्ग की ओर भेज रही है।

दो दिवसीय कानूनी साक्षरता व महिला अधिकार पर प्रशिक्षण सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पंचायती रूल ऐंड जेंडर अवेयरनेस ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट प्रगति संस्था द्वारा दो दिवसीय कानूनी साक्षरता व महिला अधिकार पर प्रशिक्षण एक स्थानीय होटल बहादराबाद हरिद्वार में संपन्न हुआ। जिसमें बहादराबाद ब्लॉक के समूह की महिलाएं, आशा वर्कर आंगनवाड़ी वर्कर और समुदाय की 60 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति हरिद्वार देहरादून की पूर्व सदस्य श्रीमती पूजा शर्मा व बाल कल्याण समिति हरिद्वार की वर्तमान सदस्य श्रीमती नाज जी ने प्रतिभागियों को बच्चों की सुरक्षा के लिए बने कानून के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने POSH बच्चों से जुड़ी स्कीम प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी इसके साथ ही प्रगति संस्था की सदस्य रेखा पुंडीर, पुष्पा बिष्ट शिवांगी नेगी, द्वारा महिलाओं को घरेलू हिंसा, domestic Violence, व POSH एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किस प्रकार महिलाएं घरेलू हिंसा व कार्य स्थल में हिंसा के विरुद्ध बने कानूनों से खुद के लिए सुरक्षित दायरा तय कर सकती है व आवश्यकता पड़ने पर किन हेल्पलाइन नंबर का उपयोग कर सकती है, साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी दी गई। महिलाओं के साथ समाज में हो रही चुनौतियों के विषय में चर्चा की गई व महिलाओं का मार्गदर्शन किया गया।

खूनी औजारों संग दबोचा गया आरोपी, फरार साथी की तलाश में खाक छान रही पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर क्षेत्र में कल रात सन्नाटे को चीरती पुलिस की गाड़ियों की सायरन गूंज उठी। मुखबिर की गुप्त सूचना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। कोई गांव गढ़ में गौवध कर रहा है और घर में ही मांस की बिक्री हो रही है। पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए छापेमारी शुरू की। गांव गढ़ की गलियों में दौड़ते कदमों की आहट और घरों में जलती टिमटिमाती लाइटें एक अलग ही कहानी बयां कर रही थीं। अचानक एक घर का दरवाजा तोड़ा गया और वहां का नजारा किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। धन्नू पुत्र रशीद गौमांस की काट-छांट में व्यस्त था। औजार खून से सने पड़े थे। पास ही रखा था करीब 10 किलो गौमांस, जिसे बेचने की तैयारी चल रही थी। पुलिस ने मौके पर ही धन्नू को दबोच लिया, जबकि उसका भाई बाला अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई गौतस्करी के खिलाफ अब तक की सबसे चौंकाने वाली पकड़ मानी जा रही है। पुलिस ने जब्त मांस और औजारों को कब्जे में लेकर फरार आरोपी की तलाश तेज कर दी है।

आपदा जोखिम प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। डा. आर.एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासनिक अकादमी नैनीताल के तत्वाधान में अकादमी के महानिदेशक बीपी पाण्डे के निर्देशन, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के मुख्य संयोजन मे जनपद हरिद्वार के आपदा की दृष्टि से संवेदनशील विकासखण्ड लक्सर के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आपदा में मुख्य रूप से अग्रणीय भूमिका का निर्वहन करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के स्वयंसेवकों को ''आपदा जोखिम प्रबंधन'' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला को आयोजन कर प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ।

उक्त कार्यशाला के कार्यक्रम निदेशक एवं अकादमी के आपदा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश ने उत्तराखण्ड में आने वाली आपदों के प्रति प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए जागरूक किया। डॉ. ओमप्रकाश ने कहा कि महानिदेशक के निर्देश पर प्रशिक्षण अकादमी में प्रशिक्षण देने के अतिरिक्त संवेदनशील विकास खण्डों को चिन्हित किया गया जहां पर सबसे ज्यादा आपदायें आती हैं तथा इसी विकासखण्ड के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देना सर्वोच्च प्राथमिकता आज के परिपेक्ष्य में रखी गयी। आपदाओं को रोका नहीं जा सकता परन्तु जागरूकता से न्यून किया जा सकता है। जैसा कि पूर्व में आयी आपदाओं का इतिहास है। पहले कम संशाधन होते थे इसलिए 2013 केदारनाथ आपदा में ज्यादा जनहानि हुई परन्तु अब पूर्व की आपदाओं से सबक लेकर संशाधनों युक्त आपदा क्षेत्रों को किया गया तथा समय गवायें बिना आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचना तथा जन मानस की जान माल की रक्षा करना आपदा में कार्य करने वाले विभागों एवं स्वयंसेवकों की प्रथम सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डॉ. नरेश चौधरी ने अपने अनुभवों को प्रतिभागियों से साझा किया। कार्यशाला में ग्राम विकास अधिकारी, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, होमगार्ड, पीआरडी, महिला मंगल दल, युवा मंगल दल, आशा कार्यकत्री, दिव्यांग प्रतिनिधि एवं सामाजिक स्वयंसेवी संस्थाओं के स्वयंसेवकों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। अन्त में प्रोफेसर ऋषिकुल आयुर्वेद महाविद्यालय एवं रेडक्रास चेयरमैन उत्तराखण्ड डॉ. नरेश चौधरी को सम्मानित भी किया गया।

डीएम ने रातभर हालात पर रखी नजर, सुबह कई क्षेत्रों का निरीक्षण कर दिए सख्त निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड के पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बुधवार तड़के विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने रात्रि 2 बजे तक हालात की लगातार अपडेट ली और सुबह भगत सिंह चौक, चन्द्राचार्य चौक, भीमगोड़ा प्राचीन सिद्धपीठ डाट महाकाली मंदिर के पास क्षतिग्रस्त रेल मार्ग रिस्टोरेशन कार्य, मां मनसा देवी मंदिर एवं पैदल मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिशासी अभियंता सिंचाई को निर्देश दिए कि जलभराव की स्थायी समस्या का समाधान करने के लिए डीपीआर शासन को भेजी जाए तथा 3डी मॉडलिंग कर स्थायी प्रबंधन की रूपरेखा तैयार की जाए। उन्होंने जल निकासी पम्पों के पास ढीले विद्युत कनेक्शन न होने, नालों की समय-समय पर सफाई और हल्के ओवरफ्लो पर भी तुरंत पम्प चालू करने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग के अनुसार भगत सिंह और चन्द्राचार्य चौक पर जलभराव के समाधान के लिए 30 करोड़ और ज्वालापुर अंडर बायपास के लिए 47 करोड़ की डीपीआर तैयार है। आधुनिक पम्प और जनरेटर की आवाज कम होने के कारण लोगों में पम्प बंद होने की अफवाहें फैलीं, जबकि जल निकासी का कार्य लगातार जारी था। डीएम और एसएसपी ने क्षतिग्रस्त रेल मार्ग रिस्टोरेशन कार्य का भी निरीक्षण किया और रेलवे इंजीनियरों से स्थायी समाधान और सुरक्षा प्रबंधन पर चर्चा की। मनसा देवी मार्ग पर भू-स्खलन रोकने हेतु चल रहे वायर क्रिएट्स कार्य का जायजा लेते हुए उन्होंने अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी कार्यवाही के निर्देश दिए। डीएम

मयूर दीक्षित ने जनता से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की गलत या भ्रामक सूचनाएं न फैलाएं, अफवाहों से बचें और नदी तटवर्ती क्षेत्रों में सतर्क रहें। उन्होंने बढ़ते जल स्तर की स्थिति में सुरक्षित स्थानों व राहत शिविरों में ठहरने की सलाह दी। इस दौरान एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, नगर आयुक्त नन्दन कुमार, सचिव एचआरडीए मनीष सिंह, एसडीएम जितेन्द्र कुमार समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
सिटी कार्यालय दैनिक
शाह टाइम्स हरिद्वार
कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्पलेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार
ब्यूरो चीफ/जिला प्रभारी
डी. एस. वर्मा
मो.: 9411100741

रेखा आर्या ने किया आपदाग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण

■ अधिकारियों को आपदा पीड़ितों की फौरन मदद के निर्देश, सभी इलाकों में जाकर पीड़ितों का हाल-चाल जाना

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून/अल्मोड़ा। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बुधवार को अल्मोड़ा के सोमेश्वर में आपदाग्रस्त इलाकों का दौरा किया और पीड़ित लोगों की मदद करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर रह रहे कई परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट भी कराया। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या आजकल अपने विधानसभा क्षेत्र सोमेश्वर के दौरे पर हैं। लगातार तीन दिन से हो रही मूसाधार बारिश के बाद बुधवार सुबह उन्हें सोमेश्वर के कई इलाकों में आपदा जैसे हालात बनने की सूचना मिली। बारिश लगातार जारी रहने के बावजूद कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या अपनी टीम के साथ बुधवार को उन सभी इलाकों में गई और पीड़ितों का हाल-चाल जाना। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने मौके से ही जिला प्रशासन, राजस्व व अन्य विभाग के अधिकारियों को फोन करके आपदा पीड़ितों को तुरंत मदद पहुंचाने के निर्देश जारी किए। इस दौरान उन्हें कई ऐसे परिवार मिले जो आपदा के लिहाज से संवेदनशील स्थानों पर रह रहे थे। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने इन परिवारों को सामान सहित सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराया।

इस अवसर पर रेखा आर्या ने कहा कि लगातार बारिश के चलते प्रदेश में कई जगहों पर आपदा जैसी स्थितियां पैदा हो गई है। प्रदेश सरकार 24 घंटे हर नागरिक के साथ खड़ी है और हर किसी की मदद करने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उनके साथ चंदन बोरा, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, बालम भाकुनी, राजू बोरा, दलीप रौतेला आदि उपस्थित रहे।

आपदा में राहत बनकर पहुंची देहरादून नगर निगम टीम

देहरादून। राजधानी देहरादून में बीते दिवस से हो रही लगातार तेज वर्षा के कारण वार्ड 66 रायपुर क्षेत्र में काफी मात्रा में मलवा एकत्र हो गया, जिस कारण क्षेत्र की जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।नगर आयुक्त नमामि बंसल ने स्थिति की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया एवं तत्काल मलवा हटाने के लिए क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक को निर्देश । कार्य को अधिक गति प्रदान करने के लिए स्थल पर मानव संसाधन के साथ साथ 2 जेसीबी एवं 1 जटायु मशीन तैनात की गई, जिसके माध्यम से शीघ्र ही मलवा को हटा दिया गया, जिससे क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सकी।

त्यूणी और साहिया में भी हो सकते हैं धराली जैसे हालात

शाह टाइम्स संवाददाता

साहिया। विधानसभा सहिया के पूर्व सूचना अधिकारी भारत चौहान ने कहा है कि धराली उत्तरकाशी में आयी प्राकृतिक आपदा ने चंद मिनटों में सब कुछ तबाह कर दिया है नदी परिक्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण के कारण हानि हुई है, यदि वहां पर मनुष्यों की बसावट ना होती तो, हो सकता है कि जन और धन की हानि कम होती है यही हालत जौनसार बावर के त्यूणी और साहिया के भी है जो खतरे के मुहाने पर बसा हुआ है।उन्होंने कहा है कि जौनसार बावर के त्यूणी और साहिया में प्राकृतिक आपदा ने समय-समय पर यहां के जनमानस को अवगत कराया है और यह भी आभास कर दिया है कि यदि प्राकृतिक ने खतरनाक रूप धारण कर लिया तो इन दोनों ही स्थान पर धराली जैसे हालात भी हो सकते हैं। इसलिए पहले से ही सावधानी बरतनी चाहिए।

चौहान ने कहा कि यदि त्यूणी की बात करें तो पूरा त्यूणी टोंस नदी के दाएं और बाएं बसा हुआ है। ठीक इसी प्रकार से साहिया भी अमलावा नदि के दोनों तरफ बसा हुआ है और वहां के हालात भी धराली जैसे ही है। प्रशासन को धराली से सीख लेते हुए त्यूणी और साहिया जैसे छोटे-छोटे शहरों को अभी से सुव्यवस्थित बसाने की ओर प्रयास किया जाना चाहिए।

धराली में आई भीषण आपदा के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी, महानगर देहरादून के अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल की अध्यक्षता में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उत्तरकाशी जनपद के घराली गांव में हाल ही में आई भीषण प्राकृतिक आपदा में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

महानगर कार्यालय में हुई सभा में उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अग्रवाल ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में भारतीय जनता पार्टी हर संभव सहायता के लिए तत्पर है।

इसके साथ ही आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ष्हर घर तिरंगाष् अभियान के तहत महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल ने आम जनता से आह्वान किया कि वे अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्रप्रेम की भावना को और भी प्रबल करें।

बैठक में राजपुर विधायक खजान दास , कैंट विधायक सविता कपूर ,मेयर सौरभ थपलियाल , निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा ,राज्य मंत्री श्रीमती विनोद उनियाल, रजनी रावत ,महानगर प्रभारी राकेश गिरी ,राज्य मंत्री डॉ देवेंद्र भसीन, राजेंद्र ढिल्लों ,हरीश डोरा ,अशोक वर्मा ,उमा नरेश तिवारी, प्रदीप कुमार ,सुनील शर्मा, विजेंद्र थपलियाल, सुरेंद्र राणा व संकेत नौटियाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लगातार बारिश से कई ग्रामीण सड़कें मलबे में दबीं

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चकराता क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। कई ग्रामीण मोटर मार्गों पर मलबा और भूस्खलन आने से सड़कें पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों की आवाजाही ठप हो गई है और आपात स्थिति में भी आवाजाही करना मुश्किल हो गया है।

लोक निर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार निम्नलिखित सड़कों पर यातायात बाधित है। मखटी पोखरी- मर्ब-खोरा मोटर मार्ग

सड़क सात, आठ, नौ और ग्यारह किलोमीटर की दूरी पर बंद है।

स्थान- गंडोई, डगुरा और अचौड़, बंद होने का समय- रात आठ बजे, संभावित खुलने का समय- शाम चार बजे, चकराता- लाखामंडल स्टेट हाईवे, लावड़ी- दत्तरोटा मोटर मार्ग छह किलोमीटर पर आंशिक रूप से बंद। स्थान- दत्तरोटा बंद होने का समय- सुबह आठ बजे, संभावित खुलने का समय- शाम चार बजे, तेंतालीस किलोमीटर पर आंशिक रूप से बंद। स्थान- पुनाह, उनचास और पचास किलोमीटर पर आंशिक रूप से बंद। स्थान- कांडी बंद होने का समय- सुबह आठ बजे, संभावित खुलने का समय- शाम चार बजे, पचपन किलोमीटर पर सड़क पूरी तरह बंद। स्थान- गाटा बंद होने का समय- सुबह नौ बजे, संभावित खुलने का समय- शाम चार बजे। चकराता- लाखामंडल-खबऊ मोटर मार्ग सत्रह और अठारह किलोमीटर पर मार्ग बंद। स्थान - खबौउ जस्टा और कोटा, बंद होने का समय- सुबह दस बजे, संभावित खुलने का समय- शाम चार बजे। छिंडा- चाणी मोटर मार्ग, दो किलोमीटर पर मार्ग बंद, स्थान- छिंडा चाणीबंद होने का समय- दोपहर एक बजे, संभावित खुलने का समय- शाम पांच बजे। पुरोड़ी- रावणा-डामटा मोटर मार्ग अठारह किलोमीटर पर मार्ग बंद। स्थान- मेहरावना, बंद होने का समय- दोपहर एक बजे, संभावित खुलने का समय- शाम पांच बजे।

विभाग ने लोगों से अपील की है कि मौसम को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें और मार्ग की स्थिति की जानकारी लेकर ही सफर करें। सड़क खोलने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है और मलबा हटाने के लिए मशीनें तैनात की गई हैं।

एक नजर ....

चकराता तहसील दिवस में पहुंचीं 4 शिकायतें, मौके पर हुआ समाधान

चकराता। मंगलवार को चकराता तहसील में तहसील दिवस का आयोजन उप जिलाधिकारी प्रेम लाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। भारी बारिश के कारण अपेक्षाकृत कम लोग उपस्थित रहे, फिर भी कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और जनता की समस्याएं सुनी गईं। इस अवसर पर कुल चार शिकायतें प्राप्त हुईं, जो प्रमाण पत्रों से जुड़ी थीं। अधिकारियों की तत्परता के चलते सभी शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के मुकुल सिंह मरवाल, वन विभाग (कानासर) से रेंजर कृष्ण सिंह भंडारी, खंड शिक्षा विभाग से सुनीता खूड़ी, पीएमजीएसवाई के नरेंद्र रावत व नरेश राणा, राजस्व विभाग के अंकित पाल, सुखदेव जिनाटा व कमल वर्मा, यूपीसीएल से अशोक कुमार व अश्विनी कुमार, बाल विकास विभाग से सुशीला, पंचायत राज विभाग से खजान सिंह व बाल स्वरूप, जल निगम से शूरवीर पे, वन विभाग से राजीव नौटियाल और उद्यान विभाग से संतन सिंह सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीएम प्रेम लाल ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को प्रभावी प्रशासनिक सेवाएं मिल सकें।

एक व्यक्ति 31.440 किग्रा. डोडा पाउडर के साथ गिरफ्तार

विकासनगर। कोतवाली पुलिस की अवैध नशे के विरुद्ध कार्यवाही में 31.440 कि0ग्रा0 अवैध डोडा पाउडर के साथ 1 व्यक्ति अब्दुल रहमान पुत्र अब्दुल मजीद निवासी वार्ड नंबर 11 ढकरानी विकासनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एसआई सनोज कुमार चौकी प्रभारी हरबर्टपुर, एसआई संदीप कुमार चौकी प्रभारी बाजार कोतवाली विकासनगर, एसआई संदीप पंवार हल्का प्रभारी ढकरानी, सिपाही अनिल सालार, बृजपाल शामिल रहे।

चकराता क्षेत्र में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

चकराता। बाल विकास परियोजना कालसी के अंतर्गत सैक्टर माख्टी के अंतर्गत आने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों बिरमोऊ, रिखाड़, नगऊ, ठाणा, टुंगरा, स्वाई, कुनावा आदि में विश्व स्तनपान सप्ताह हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को स्तनपान के महत्व और लाभों के बारे में जागरूक किया गया।कार्यक्रम में बताया गया कि मां का दूध शिशु के लिए संपूर्ण आहार है, जो न केवल बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होता है, बल्कि उसे डायरिया, निमोनिया और कुपोषण जैसी घातक बीमारियों से भी बचाता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निशा जोशी, उर्मिला तोमर और प्रेमा ने जानकारी दी कि नियमित स्तनपान कराने से शिशु मृत्यु दर में लगभग 20 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। इस मौके पर पूर्व प्रधान प्रेमा देवी, सबिता देवी, लक्ष्मी, बालमा देवी, कमला देवी सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

महिलाओं को दी गई समान नागरिक संहिता और स्वरोजगार योजना की जानकारी

चकराता। महिलाओं को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से बाल विकास परियोजना कालसी के अंतर्गत नगऊ, सवाई, माख्टी, मथेऊ और कैत्री गांवों में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में समान नागरिक संहिता कानून और मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। बैठक में उपस्थित महिलाओं को बताया गया कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को एक समान वैधानिक अधिकार देना है, जिससे समाज में समानता और न्याय की भावना को बल मिलता है। वहीं, मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा अकेली महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।बैठकों का संचालन क्षेत्रीय सुपरवाइजर शारदा थापा के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री उर्मिला तोमर, सुमिगा, रेखा एवं उर्मिला चौहान भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया। स्थानीय महिलाओं ने इस पहल की सराहना की और ऐसी जागरूकता बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की गई।

आपदा कंट्रोल रूम को दें क्षतिग्रस्त स्कूलों की सूचना: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज विद्यालयी शिक्षा महानिदेशालय में आपदा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। जिसमें उन्होंने आपदा से क्षतिग्रस्त विद्यालयों की सूचना आपदा कंट्रोल रूम में देने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। इसके साथ ही उन्होंने आपदा संभावित क्षेत्रों के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को निकटवर्ती स्कूलों में शिफ्ट कर पढ़ाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में डॉ. रावत ने प्रदेश के सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा से क्षतिग्रस्त विद्यालयों की जानकारी तत्काल आपदा कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, विभागीय स्तर पर एक टोल फ्री नम्बर को क्रियाशील कर सूचनाएं आदान-प्रदान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विद्यालयी शिक्षा महानिदेशक को प्रत्येक जनपद में एक-एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करने के निर्देश दिये ताकि आपदाग्रस्त क्षेत्रों में विद्यालयों के संचालन सुचारू रूप से किया जा सके।

डॉ. रावत ने विभागीय अधिकारियों को नदी-नालों और आपदा संभावित क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को निकटवर्ती विद्यालयों में स्थानांतरित कर बच्चों के अध्ययन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। दिव्यांग छात्रों की शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आने पाए, इसके लिये अलग से विशेष व्यवस्था करने के भी निर्देश बैठक में दिये गये। इसके अलावा उन्होंने शिक्षकों को अपने-अपने विद्यालयों के आसपास ही निवास करने के निर्देश दिये और इस दिशा में अधिकारियों को नियमों का कढ़ई से पालन करने को कहा। डॉ. रावत ने अधिकारियों से कहा कि बच्चों की सुरक्षा व शिक्षा में किसी भी प्रकार का समझौता न हो, इसके लिये पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए।

बैठक में महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा दिप्ती सिंह, निदेशक एस.सी.ई.आर.टी वंदना गर्ब्याल, निदेशक बेसिक अजय कुमार नौडियाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल सती, अपर निदेशक एससीईआरटी पदमेन्द्र सकलानी, सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में आपदाओं से हाहाकार

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के पांचों सांसद आपदा काल में क्षेत्र से लापता हैं और दिल्ली में प्रधानमंत्री के साथ फोटो शूट कराने में व्यस्त हैं यह हमला बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में प्रदेश के अलग अलग जिलों में भयंकर आपदाएं आई हुई हैं मंगलवार को उत्तरकाशी के गंगोत्री में हरसिल धराली में विनाशकारी आपदा आई है और इससे पहले यमुनोत्री में चट्टान गिरने से तीर्थ यात्री की मृत्यु और यमुनोत्री हाई वे तरह दिनों तक बंद रहने की घटना हुई किंतु टिहरी की महारानी सांसद गायब। धस्माना ने कहा कि बुधवार को पौड़ी में बुराँसी में दो महिलाएं घर में दब कर मर गई और पाबों में भयंकर आपदा से भरी नुकसान हुआ है। धस्माना ने कहा कि मंगलवार को हुई भयंकर हरसिल धराली आपदा पर पूर्व मंत्री और नैनीताल सांसद अजय भट्ट का बयान तो बेहद शर्मनाक व संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है जिसमें वो कहते हैं कि बादल तो फटते ही रहते हैं और आपदाओं को रोका नहीं जा सकता। धस्माना ने कहा कि हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के संसदीय क्षेत्र हरिद्वार के मनसा देवी में मानव जनित आपदा आई जिसमें बड़ी यमन लोग मर गए व घायल हुए, मगर उनकी उदासीनता भी जनता को अखर रही है क्योंकि वे मूलत: पहाड़ के हैं और इस समय पहाड़ में आई आपदाओं में उनको पहाड़ के लोगों की सुध लेनी चाहिए थी।

जनपद प्रभारी मंत्री जोशी ने ली उधम सिंह नगर की स्थिति की जानकारी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। जनपद ऊधमसिंहनगर प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को दूरभाष के माध्यम से उधमसिंह नगर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर जनपद में भारी वर्षा के कारण उत्पन्न हालातों एवं राहत कार्यों की जानकारी ली।

अधिकारियों ने मंत्री जोशी को अवगत कराया कि बाजपुर क्षेत्र में लेवड़ी नदी के जलस्तर में अत्यधिक वृद्धि के कारण झारखण्डी, चकरपुर, गुमसानी और बाजपुर शहर के कुछ हिस्सों में बाढ़ का पानी घुस गया था। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य चलाए और स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

प्रभारी मंत्री जोशी ने जनपद की सभी तहसीलों जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, गदरपुर, रुद्रपुर, किच्छा, सितारगंज और खटीमा में वर्षा की स्थिति, मोटर मार्गों की स्थिति, विद्युत आपूर्ति तथा जलापूर्ति व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली।

आपदा प्रभावितों के उपचार में नहीं रहेगी कोई कमी: डॉ. रावत

देहरादून। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने उत्तरकाशी के धराली सहित अन्य आपदाग्रस्त क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को हर हाल में बेहतर और त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर रूप से घायलों के उपचार में कोई कमी नहीं आनी चाहिए।डॉ. रावत ने बुधवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की।

ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा, लोगों की आवाजाही बंद

■ घाटों के किनारे लाउड हेलरों के माध्यम से लोगो को किया जा रहा सतर्क

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पहाड़ों पर लगातार हो रही तेज बारिश के बाद मैदानी इलाके ऋषिकेश उसके आसपास की नदियों का जल स्तर बढ़ जाने के कारण गंगा घाटों पर स्नान करने के लिए जाने वाले तीर्थ यात्रियों और आसपास क्षेत्र के लोगों को गंगा घाट पर जाना पूरी तरह से प्रबंध कर दिया गया हैस

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बुधवार को अपने कार्यालय में जानकारी देते हुए बताएं कि पहाड़ी इलाकों उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग चमोली तथा अन्य क्षेत्रों में बहने वाली नदियों और नालों में पानी का स्टार खतरे के निशान से ऊपर बहाने के कारण मैदानी इलाके ऋषिकेश में गंगा का जलस्तर काफी तेजी से बड़ा है।

उन्होंने बताया कि त्रिवेणी घाट स्थित गंगा का स्तर खतरे के निशान से ऊपर भरे जाने के कारण गंगा घाट पर स्नान के लिए जाने वाले तीर्थ यात्रियों और स्थानीय लोगों को पूरी तरह से गंगा घाट पर जाना प्रबंध कर दिया गया है स उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वितीय और क्षेत्राधिकार ऋषिकेश संदीप कुमार नेगी के अलावा आसपास के सभी थाने के पुलिस बल को पायलट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही साथ लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुँच गया है, साथ ही त्रिवेणी घाट में आरती स्थल व घाट जलमग्न हो गए है, सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस द्वारा आम जन की घाटों पर आवजाही को पूर्णत: प्रतिबन्धित किया गया है। साथ ही पुलिस टीम द्वारा घाटों के किनारे लगातार भ्रमणशील रहकर लोगों को लगातार लाउडहेलरों के माध्यम से आमजनमानस को लगातार जल प्रवाह के बढने के कारण घाटों पर नही जाने एवं सुरक्षित स्थानों पर रहने की चेतावनी दी जा रही है

रक्षाबंधन नजदीक आते ही खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय

■ विभाग ने पछुवादून के सुद्धोवाला, सेलाकुई, सहसपुर, हरबर्टपुर तथा विकासनगर में मिठाइयों और किराना की दुकानों पर की छापेमारी

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय हो गया है। बुधवार को विभाग की टीम ने सुद्धोवाला से लेकर विकासनगर तक मिठाई और किराना दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान दुकानों से मिठाइयों और खाद्य तेलों के सैंपल भरे। टीम ने सभी दुकानदारों को अपना लाइसेंस अनिवार्य रूप से दुकानों में टांगने और मिलावटी मिठाइयां और खाद्य तेल न बेचने के निर्देश दिए। इसके अलावा दुकानों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान को कहा।

रक्षाबंधन का त्योहार निकट है। त्योहार में मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। दुकादार अधिक मुनाफे के चक्कर में मिठाइयों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देते। बाजार में मिलावटी मिठाइयां और खाद्य तेल बिकने लगती हैं। इसे देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने पछुवादून के सुद्धोवाला, सेलाकुई, सहसपुर, हरबर्टपुर तथा विकासनगर में मिठाइयों और किराना की दुकानों पर छापेमारी की। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय तिवारी के नेतृत्व में हुई छापेमारी के दौरान पछवादून के व्यापारियों में हंडकप मंच गया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान छह सैंपल भरे गए। सुद्धोवाला से बेसन के लड्डू तथा बतीसे के सैम्पल भरे।

विकासनगर से घेवर, बर्फी तथा गुलाब जामुन के नमूने लिए गए। किराने की दुकानों से भी गाय के घी व सरसों के तेल के सैम्पल भरे गए। उन्होंने कहा कि सैंपल जांच के लिए भेज दिए गए हैं। जांच में सैंपल फेल होने पर संबंधित दुकादार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बताया कि इस दौरान दुकानदारों को मिलावटी मिठाई न बेचने, साफ सफाई रखने के भी निर्देश दिए गए। छापेमारी आगे भी जारी रहेगी।

आपदा प्रभावितों के साथ खड़ी है सरकार: डा. रावत

देहरादून। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अपने विधानसभा क्षेत्र श्रीनगर के अंतर्गत पाबौं ब्लॉक के बुंरासी, फल्दवाड़ी, मनखोली तथा थलीसैंण ब्लॉक के कफल्ड, मरोड़ा, भरनौ, भैड़गांव, कल्याणखाल, बूंगीधार, मैरवा, पापतोली, भैसवाड़ा, कुणेथ, मैखुली व सासों गांव में बादल फटने और अत्यधिक वर्षा से हुए नुकसान पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है।डॉ. रावत ने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा की घड़ी में वह अपने लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा प्रभावितों को हरसंभव सहायता मुहैया कराई जा रही है।

5 अगस्त पर निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा: नेहा

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला देहरादून ग्रामीण के अंतर्गत 14 अगस्त देश विभाजन तिथि के अवसर विभाजन विभीषिका कार्यक्रम तथा 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा के मंडल स्तर और जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी के निमित्त जिला अध्यक्ष मीता सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी नेहा जोशी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा तथा तिरंगा यात्रा मंडल स्तर पर आयोजित की जानी है।

तथा देश विभाजन की की कटु स्मृतियां आमजन के स्मृति में बनी रहे इसको लेकर 14 अगस्त को मौन जुलूस तथा विचार गोष्ठी आयोजित की जानी है। बैठक समाप्ति पर उत्तरकाशी (थराली) में आई दैवीय आपदा में काल कवलित हुए लोगो की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर विनम्र श्रद्धांजलि भी दी गई।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष नीरू देवी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संतोष रावत, जिला महामंत्री विनोद कश्यप, अमित डबराल, यशपाल नेगी, मंडल अध्यक्ष अनुज गुलेरिया, राहुल शर्मा, शुभम गर्ग, रवि कश्यप, सुखदेव फर्सवान, जिला मीडिया प्रभारी देवेंद्र चावला, दिनेश कौशिक, नवीन रावत, नरेश चौहान, वीरता गुरुंग, सुनीता देवी, कृष्णा तोमर, आशा सैकसेना, प्रमोद रोहिला, संग्राम सिंह, आरपी सिंह आदि उपस्थित रहे।

आफत बनकर बरसी बारिश, लोग बेहाल

कालोनियों में जलभराव, घरों में घुसा पानी, लोगों की मदद के लिए नहीं पहुंचा कोई जिम्मेदार

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। दो दिन की बारिश से नगर के विभिन्न स्थानों पर जल भराव होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहले दिन जनपद उधम सिंह नगर अंतर्गत काशीपुर क्षेत्र में सबसे अधिक बारिश हुई जबकि दूसरे दिन 177 एमएम बारिश के साथ काशीपुर दूसरे स्थान पर रहा। अब इतनी अधिक बारिश होने के कारण जल भराव तो होना तो लाजिमी है। नालों की सफाई होने के कारण मेन बाजार में भरा पानी तो जल्दी निकल गया, लेकिन नगर में अन्य स्थानों पर नई कालोनियों में पानी भरा है। रात में हुई तेज बारिश में महाराणा प्रताप चौक, स्टेशन रोड, जसपुर बस स्टैण्ड, आवास विकास, मुंशीराम चौराहा, मौहल्ला किला, गंगे बाबा रोड, रतन सिनेमा रोड, चीमा चौराहा सहित बाहरी क्षेत्र में बनी विभिन्न कालोनियों में भी पानी भरा हुआ है। दुकानों में पानी भरने से लोगों का नुकसान भी हुआ। वहीं कुछ लोगों का यह भी कहना है कि दशकों पुरानी जल भराव की समस्या इतनी जल्दी तो सही नहीं हो जायेगी? जमीनी स्तर पर बहुत काम हुआ है और अभी बहुत काम होना बाकी है। पहले से तो स्थिति सुधरी है। आने वाले समय में जलभराव की समस्या से जरूरी निजात मिल सकेगी। उधर भारी बारिश के कारण सबसे अधिक प्रभावित वार्ड तीन की बहल्ला कालोनी हुई है। यहां लोगों के लिए बारिश आफत बनकर आई है। यहां के निवासियों ने बताया कि घर में पानी भर गया था, पूरा राशन बर्बाद हो गया। बच्चों को घर में कैद कर रखा है, बाहर डूबने का खतरा है। नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण रात को नींद नहीं आ रही है। इस कालोनी में करीब 200 लोग रहते हैं। यहां से बहल्ला नदी गुजरती है, जिसकी पिचिंग कराने की लंबे समय से मांग की जा रही है, लेकिन विभाग की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिला। हर बरसात की तरह इस बार भी यहां के लोगों के लिए मुसीबतें खड़ी हो गई हैं। खस्ताहाल सड़क पर भरे पानी से बच्चों व अन्य को होकर गुजरना पड़ रहा है। यहां लोगों की मदद के लिए या उनकी स्थिति जानने के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं पहुंचा है। यहां के निवासी भजनलाल की पत्नी अचानक तबीयत खराब हो गई। ऐसे में पत्नी को सड़क पर भरे पानी से लेकर जाना पड़ा। डॉक्टर को दिखाने के बाद वापस बीमार पत्नी के साथ इसी पानी से होकर वापस आये। उधर वार्ड पार्षद अनिल कुमार का कहना है कि बहल्ला नदी का जब जलस्तर बढ़ जाता है, तो पानी घरों तक घुसने लगता है। वार्ड तीन, पांच और छह में पानी भरा है। नगर निगम की ओर से बनाई गई दो सड़कें भी खराब हो गई हैं। प्रशासन से अपील है कि यहां आएं और लोगों को जरूरी सामग्री उपलब्ध करवाएं तथा सिंचाई विभाग जल्द ही बल्ला नदी की पीचिंग कराए। यहां के निवासियों ने बताया कि सबसे बड़ी समस्या यह है कि पानी भरा हुआ है और कीचड़ के कारण यहां से निकलना बहुत मुश्किल हो रहा है। सड़क पर फिसलकर बाइक गिरने का डर रहता है। नगर की कई अन्य कालोनियों का भी कुछ ऐसा ही हाल है।

कर्बला सहारनपुर के प्रबंधक अबु तालिब ज़ैदी की मंत्री मकवाना से मुलाक़ात

कर्बला विकास कार्य पर हुई अहम चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून/सहारनपुर। कर्बला सहारनपुर के प्रबंधक अबु तालिब ज़ैदी ने केन्द्रीय निगरानी समिति, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य तथा उत्तराखंड सरकार में मंत्री मा. भगवत प्रसाद मकवाना जी से देहरादून स्थित शासकीय कार्यालय में भेंट की। मुलाक़ात के दौरान कर्बला में विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर मंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने नगर आयुक्त सहारनपुर को कर्बला में आवश्यक विकास कार्य शीघ्र कराने हेतु निर्देशित किया। बैठक के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण, इशरत हुसैन ज़ैदी और आमिर अली भी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में महिला की मौत

बागेश्वर। बिलोना में अनियंत्रित पिकअप वाहन ने राहगीर महिला को टक्कर मार दी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल पर जुटी भीड़ ने पिकअप चालक को पकड़ा। जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। बुधवार दोपहर करीब दो बजे बिला. ना सीएमओ कार्यालय गेट के पास पिकअप वाहन यूके 02 सीए 1101 ने 52 वर्षीय भागुली देवी पत्नी प्रेम सिंह को टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना स्थल पर जुटी भीड़ ने पिकअप चालक संतोष पांडे पुत्र शंकर पांडे को पकड़ लिया है। जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया व पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा। वही चालक को गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि मृतक महिला गरुड़ से वापस अपने घर बिलोना को जा रही थी। तभी नशे में वाहन चला रहे पिकअप चालक ने महिला को रौंद दिया। घटना के बाद मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। जिनका रो रो कर बुरा हाल है। लोगों ने बताया कि मृतक महिला के चार बच्चे दो बेटे व दो बेटियां है। दोनों बेटे बाहर नौकरी करते है। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

चार घंटे देरी से पहुंची दून एक्सप्रेस

हल्द्वानी। भारी बारिश के चलते हरिद्वार में भारी भूस्खलन होने से काठगोदाम और देहरादून के बीच चलने वाली दून एक्सप्रेस बुधवार सुबह अपने निर्धारित समय से चार घंटे देरी से पहुंची। हालांकि काठगोदाम रेलवे स्टेशन से सभी ट्रेनों को समय से रवाना किया गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार शाम को भारी बारिश के चलते हरिद्वार में भारी भूस्खलन हो गया, जिसके चलते रेल मार्ग भी बाधित हो गया। काठगोदाम से मंगलवार शाम को 7.55 बजे देहरादून के लिए निकली दून एक्सप्रेस लक्सर में ही फंस गई।

कालाढूंगी: हनुमान मंदिर के पास नाला उफान पर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कालाढूंगी। लगातार 4 दिन से हो रही मूसलाधार बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। बुधवार की सुबह कालाढूंगी में हनुमान मंदिर के पास बहने वाले नाले ने विकराल रूप ले लिया जिसके चलते कालाढूंगी हल्द्वानी मार्ग घंटों बंद रहा सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लगी रही पुलिस ने नाले में पानी कम होने पर वाहनों की आवा. जाही शुरू कराई। वहीं धापला के पूर्व प्रधान दयानंदन ने बताया कि निहाल नदी में जल स्तर बढ़ने से धापला ग्राम वासियों का कालाढूंगी से संपर्क टूट गया क्यू की नदी उफान पर होने से नाला पार नहीं होने दे रहा है। वही कोटाबाग के प्रवृति क्षेत्र के कई ग्रामों का भी कोटाबाग ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया। समाजसेवी कृपाल सिंह बिष्ट ने प्रशासन से उक्त मार्गो को खोले जाने की मांग की है। कालाढूंगी उपजिलाधिकारी परितोष सिंह वर्मा ने बताया क्षेत्र में कोई भी बड़ी घटना की सूचना नहीं है।

सार्वजनिक सूचना

मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम **अनिता थापा** गलत दर्ज हो गया है। जबकि, उसका सही नाम **अनिता शाही** है। भविष्य में उसे **अनिता शाही** नाम से जाना पहचाना जाए।

No 5852723A Rank-Hav,
दीपक कुमार यूनिट 3/9 GR
(Chindits) C/O 99APO

किशाऊ कॉरपोरेशन लिमिटेड''

(उत्तराखण्ड सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
मुख्य कार्यालय : लखवाड़ भवन, टोन्स कालोनी डाकपत्थर, देहरादून– 248125
दूरभाष 01360–222799 फैक्स नं0: 01360–222799
CIN No. U7999UR2017SG007521 वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक: 548 **निविदा सूचना** दि0: 06.08.2025

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (वि0 एवं यॉ0), किशाऊ परियोजना, डाकपत्थर इच्छुक निविदादाताओं से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है:–

निविदा संख्या– 01/EE(E&M)/KISHAU/2025-26

कार्य का नाम: कार्यालय उपमहाप्रबन्धक (जानपद) किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के प्रयोगार्थ एक वर्ष की अवधि हेतु एक डीजल चालित वातानुकूलित रहित वाहन (6+1 सीटर) चालक सहित किराये पर उपलब्ध कराने का कार्य।

अनुमानित लागत: रू0 5,06,035.00 (जी0एस0टी0 रहित)

वैब साईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि: 07.08.2025 को 17:00 बजे से

निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 29.08.2025 को 13:00 बजे तक

अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाइट **"www.kishau.co.in"** से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

अधिशासी अभियन्ता (वि0 एवं यॉ0)
किशाऊ परियोजना।

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि ग्राम शिब्बूनगर, पट्टी सुखरौ, कोटद्वार के खाता संख्या 78 (पुराना खाता संख्या – 83) खेत संख्या 22 मध्ये मेरी भूमि क्षेत्रफल 0.038 हे०, जिसके पूरब में श्रीमती शकुंतला देवी का भवन, पश्चिम में आम रास्ता, उत्तर में रास्ता बाद श्री संजय बड़थ्वाल की भूमि व दक्षिण में श्री सुरेश कुमार द्विवेदी का भवन है, का पिछला मूल विक्रय विलेख / रजिस्ट्री, जो विक्रेता श्री संजय कुमार बड़थ्वाल पुत्र स्व० परमानन्द बड़थ्वाल द्वारा श्रीमती रेनू धस्माना पत्नी श्री अनिल कुमार के पक्ष में निष्पादित है और उप निबन्धक कार्यालय कोटद्वार में बही–1, खण्ड–47, के पृष्ठ 173 से 174 पर क्रमांक 812 पर दिनांक 08/09/1997 को पंजीकृत है, वास्तव में खो गई है और अप्राप्य है।

श्रीमती अर्चना बड़थ्वाल द्वारा उपरोक्त भूमि को पंजाब नेशनल बैंक शाखा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार के पक्ष में बन्धक करने का प्रस्ताव दिया है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त गुमशुदा विक्रय विलेख को पाता है या विलेख में वर्णित सम्पत्ति में किसी हित या स्वामित्व का दावा करता है, तो इस प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर पंजाब नेशनल बैंक शाखा कार्यालय बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल से सम्पर्क कर अपना पक्ष/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। आपत्ति/दावा प्राप्त न होने की दशा में सम्पत्ति के बंधक की अग्रेतर कार्यवाही कर दी जाएगी।

मुख्य प्रबन्धक पंजाब नेशनल बैंक, बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) रुद्रप्रयाग
प्र0दी0वा0सं0 02/2025

श्रीमती पूजा देवी
बनाम
श्रीमती कश्मीरा देवी व अन्य

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी ने प्रतिवादीगण के विरुद्ध मेरे न्यायालय मे एक प्रार्थना पत्र अपने स्व० पति राजमोहन आर्य पुत्र रामलाल आर्य निवासी वार्ड न० 3 तिलवाडा पो०ओ० तिलवाडा तहसील व जिला रुद्रपयाग का जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी मे मृत सरकारी समस्त देयक उपार्जित अवकाश नकदीकरण लगभग 2,40,700 रुपया, जी०आई०एस० लगभग 1,18,989/ रुपये, ग्रेज्युटी लगभग 2,49,636 / रुपये कुल 609325 / रुपये (छ: लाख नौ हजार तीन सौ पच्चीस रुपये) तथा न्यू पेंशन (एन०पी०एस०) अन्य देयको मय ब्याज उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहने बावत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी को उक्त मामले में कोई आपत्ति है तो वह दिनाक 25/08/2025 को ठीक 10 बजे मेरे न्यायालय मे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा मामले मे एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनाक 06/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

आदेशानुसार
रीडर / मुन्सरिम
न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) रुद्रप्रयाग

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई–राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई–राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल–9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम

कार्यालय: अधिशासी अभियंता, निर्माण शाखा, मसूरी
कुटुम्ब विहार, सिमौला, देहरादून
फोन/फैक्स: 0135–2736032 (का.) E-mail:jalnigam.mussoorie@yahoo.com

पत्रांक:1923/135/67 **निविदा सूचना** दिनांक: 05.08.2025

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो के लिये तालिका में अंकित श्रेणी के उत्तराखण्ड पेयजल निगम/ उत्तराखण्ड जल संस्थान में पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदायें दिनांक 20.08.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक कार्यालय मे आमन्त्रित की जाती है, जो उसी दिन (अथवा अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस में) अपराह्न 3:30 बजे उपस्थित निविदा दाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी।

क्र० सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा का मूल्य (रू० में)	निविदा विक्रय की अंतिम तिथि	पंजीकरण की श्रेणी
1	बौठा पेयजल योजना के अंतर्गत पाईप लाईन सुदृढीकरण एवं तत्संबंधी कार्य	16000.00	02 माह	1000.00+ GST @18%	19.08.2025	"डी" श्रेणी या उससे उच्चतर

अधिशासी अभियंता

"जल संचय-जीवन संचय" "कृपया जल स्रोतो को प्रदूषित होने से बचाईये"
वैधानिक चेतावनी-जल स्रोतो को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)
उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लि.18 ई.सी. रोड, देहरादून
कॉरपोरेट आईडेन्टटी संख्या: U40109UR2001SGC025867

पत्रांक:/2954/ विविख (उ) दिनांक 06/08/2025

"निविदा सूचना"

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त विद्युत कार्यों के लिए "क" श्रेणी के लाईसेन्स धारक, वैध जी.एस.टी. ई.पी.एफ., ई.एस.आई.सी. के अन्तर्गत पंजीकृत, आयकर / पैन कार्ड धारक निविदादाताओ से मुहरबन्द निविदायें दो भागो में (प्रथम भाग में निविदा धरोहर धनराशि संबंधी घोषणा पत्र, नियम एवं शर्ते, उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षक द्वारा निर्गत "ए" क्लास लाईसेंस की प्रतिलिपि, जी.एस.टी पंजीकरण, पैनकार्ड आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम छः माह तक वैध हों) दिनांक 29.08.2025 को 14.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जिसका प्रथम भाग उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी द्वारा सार्वजनिक रूप से खोला जायेगा। प्रथम भाग के मूल्यांकन के बाद द्वितीय भाग खोला जायेगा । निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में वैध जी.एस.टी. धारक के द्वारा दिनांक 28.08.2025 (14:00 बजे) तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र का मूल्य नगद (अप्रतिदेय) जमा कर क्रय किये जा सकते हैं। बिना निविदा धरोहर धनराशि व अन्य संबधित घोषणा पत्र के निविदा भाग-2 नहीं खोली जायेंगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश होने / अधोहस्ताक्षरी के मुख्यालय से बाहर होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताये समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं। विस्तृत नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में वर्णित हैं ।

निविदा संख्या EDD (N) - 10/2025-2026, Work - fixing of Polycarbonate Spikes in 33 KV IIP Sahastradhara Line from Chuna Bhatta, Raipur Road to Rafel Home, Mohni Road under EDSD Sahastradhara Road, Dehradun की धरोहर राशि रू0 5,000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रु0 100.00 G.S.T.Extra.

किसी भी विद्युत समस्या के लिए सम्पर्क करें टोल फ्रि न० 18004190405 राष्ट्र हित में बिजली बचायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)
उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लि.18 ई.सी. रोड, देहरादून
कॉरपोरेट आईडेन्टटी संख्या: U40109UR2001SGC025867

पत्रांक:/2949/ विविख (उ) दिनांक 06/08/2025

"निविदा सूचना"

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त विद्युत कार्यों के लिए 'क' श्रेणी के लाईसेन्स धारक, वैध जी.एस.टी. ई.पी.एफ., ई.एस.आई.सी. के अन्तर्गत पंजीकृत, आयकर / पैन कार्ड धारक निविदादाताओं से मुहरबन्द निविदायें दो भागो में (प्रथम भाग में निविदा धरोहर धनराशि संबंधी घोषणा पत्र, नियम एवं शर्ते, उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षक द्वारा निर्गत 'ए' क्लास लाईसेंस की प्रतिलिपि, जी.एस.टी पंजीकरण, पैनकार्ड आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम छः माह तक वैध हो) दिनांक 25.08.2025 को 14.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जिसका प्रथम भाग उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी द्वारा सार्वजनिक रूप से खोला जायेगा। प्रथम भाग के मूल्यांकन के बाद द्वितीय भाग खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में वैध जी.एस.टी. धारक के द्वारा दिनांक 23.08.2025 (14:00 बजे) तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र का मूल्य नगद (अप्रतिदेय) जमा कर क्रय किये जा सकते हैं। बिना निविदा धरोहर धनराशि व अन्य संबंधित घोषणा पत्र के निविदा भाग-2 नहीं खोली जायेंगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश होने / अधोहस्ताक्षरी के मुख्यालय से बाहर होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताये समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं। विस्तृत नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में वर्णित हैं ।

निविदा संख्या EDD (N) - 05/2025 2026, Work-Replacement of Exsisting 16 DTR to 25 KVA DTR under EDSD Mussoorie, Dehradun की धरोहर राशि रू0 45,000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रु० 1,000.00 G.S.T.Extra.

किसी भी विद्युत समस्या के लिए सम्पर्क करें टोल फ्रि न० 18004190405 राष्ट्र हित में बिजली बचायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)
उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लि.18 ई.सी. रोड, देहरादून
कॉरपोरेट आईडेन्टटी संख्या: U40109UR2001SGC025867

पत्रांक:/2948/ विविख (उ) दिनांक 06/08/2025

"निविदा सूचना"

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त विद्युत कार्यों के लिए 'क' श्रेणी के लाईसेन्स धारक, वैध जी.एस.टी., ई.पी.एफ., ई.एस.आई.सी. के अन्तर्गत पंजीकृत, आयकर / पैन कार्ड धारक निविदादाताओं से मुहरबन्द निविदायें दो भागो में (प्रथम भाग में निविदा धरोहर धनराशि संबंधी घोषणा पत्र, नियम एवं शर्ते, उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षक द्वारा निर्गत 'ए' क्लास लाईसेंस की प्रतिलिपि, जी.एस.टी पंजीकरण, पैनकार्ड आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम छः माह तक वैध हों) दिनांक 25.08.2025 को 14.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जिसका प्रथम भाग उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी द्वारा सार्वजनिक रूप से खोला जायेगा। प्रथम भाग के मूल्यांकन के बाद द्वितीय भाग खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में वैध जी.एस.टी. धारक के द्वारा दिनांक 23.08.2025 (14:00 बजे) तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र का मूल्य नगद (अप्रतिदेय) जमा कर क्रय किये जा सकते हैं। बिना निविदा धरोहर धनराशि व अन्य संबंधित घोषणा पत्र के निविदा भाग-2 नहीं खोली जायेंगी । निविदा खुलने की तिथि में अवकाश होने / अधोहस्ताक्षरी के मुख्यालय से बाहर होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताये समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं। विस्तृत नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में वर्णित हैं ।

निविदा संख्या EDD (N) 04 / 2025 2026, Work-Construction of New Verious KVA Substation, at various sites of Mussoorie under EDSD Mussoorie, Dehradun की धरोहर राशि रू0 24,000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रु0 500.00 G.S.T.Extra.

किसी भी विद्युत समस्या के लिए सम्पर्क करें टोल फ्रि न० 18004190405 राष्ट्र हित में बिजली बचायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)
उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन लि.18 ई.सी. रोड, देहरादून
कॉरपोरेट आईडेन्टटी संख्या: U40109UR2001SGC025867

पत्रांक:/2947/ विविख (उ) दिनांक 06/08/2025

"निविदा सूचना"

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त विद्युत कार्यों के लिए 'क' श्रेणी के लाईसेन्स धारक, वैध जी.एस.टी. ई.पी.एफ., ई.एस.आई.सी. के अन्तर्गत पंजीकृत, आयकर / पैन कार्ड धारक निविदादाताओं से मुहरबन्द निविदायें दो भागो में (प्रथम भाग में निविदा धरोहर धनराशि संबंधी घोषणा पत्र, नियम एवं शर्ते, उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षक द्वारा निर्गत "ए" क्लास लाईसेंस की प्रतिलिपि, जी.एस.टी पंजीकरण, पैनकार्ड आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम छः माह तक वैध हों) दिनांक 25.08.2025 को 14.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसका प्रथम भाग उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी द्वारा सार्वजनिक रूप से खोला जायेगा। प्रथम भाग के मूल्यांकन के बाद द्वितीय भाग खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में वैध जी. एस. टी. धारक के द्वारा दिनांक 23.08.2025 (14:00 बजे) तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र का मूल्य नगद (अप्रतिदेय) जमा कर क्रय किये जा सकते हैं। बिना निविदा धरोहर धनराशि व अन्य संबंधित घोषणा पत्र के निविदा भाग-2 नहीं खोली जायेंगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश होने / अधोहस्ताक्षरी के मुख्यालय से बाहर होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जाएगी। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताये समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं। विस्तृत नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में वर्णित हैं।

निविदा संख्या EDD (N)-03/2025 2026, Work - Increasing Capacity of DTR of 11/0.4 KVA Substation and construction of 11 KV Line at various sites of Mussoorie की धरोहर राशि रू0 42,000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रु० 1,000.00 G.S.T.Extra.

किसी भी विद्युत समस्या के लिए सम्पर्क करें टोल फ्रि न० 18004190405 राष्ट्र हित में बिजली बचायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (उत्तर)

कार्यालय जिला पंचायत देहरादून।

पत्रांक:703/VI/यू0कि/2025–26 दिनांक 05.08.2025

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत देहरादून द्वारा जनपद देहरादून के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित कुल 40 यूनीपोलों जिनकी संख्या घट–बढ़ भी सकती है, को व्यवसायिक उपयोग हेतु दिनांक 01.09.2025 से 31.03.2026 तक 07 माह के लिये किराये पर दिया जाना है जिसके लिए इच्छुक व्यक्तियों/ठेकेदारों से सीलबन्द निविदायें दिनांक 21–08–2025 अपरान्ह 02.00 बजे तक पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है जो उसी तिथि को अपरान्ह 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् कोई भी निविदा स्वीकार्य नही होगी। नीलामी की मुख्य शर्ते निम्नवत् है:–

1. निविदा निर्धारित प्रपत्र में सीलबन्द लिफाफे में ही स्वीकार की जायेगी। लिफाफे के बाहर मोटे–मोटे अक्षरों में **''यूनीपोल को किराये पर लेने हेतु निविदा''** लिखा होना चाहिए। निविदा प्रपत्र रू0 1,000/– (जी०एस०टी० 18 प्रतिशत अलग से देय) शुल्क जमा कर निविदा प्रकाशित होने की तिथि से दिनांक 19–08–2025 सांय 5.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।
2. **एक लिफाफे में निविदा से संबंधित समस्त अपेक्षित प्रमाण पत्र/अभिलेख रखें जायेगें तथा दूसरे लिफाफे में जिला पंचायत कार्यालय से कय किया गया निविदा प्रपत्र जिसमें दरें अंकों एवं शब्दों में स्पष्ट अंकित की गई हो, रखा जायेगा। तद्नुसार प्रमाण पत्र/अभिलेख वाले लिफाफे पर तकनीकि निविदा (Technical Bid) तथा दरों वाले लिफाफे पर वित्तीय निविदा (Financial Bid) मोटे अक्षरों में लिखकर एवं लिफाफों को भलिमॉति बन्द कर (चिपकाकर) एक तीसरे बड़े लिफाफे के अन्दर रखकर बड़ा लिफाफा सील कर लिफाफे के ऊपर निविदा का नाम तथा उसके नीचे प्रेषिती का नाम तथा पता अंकित कर प्रेषित करना होगा।**
3. स्थापित यूनीपोलों का विकास खण्डवार विवरण निम्नवत् है:–

क्र0स0	विकासखण्ड	यूनीपोलो की संख्या
1	चकराता	09
2	कालसी	09
3	विकास नगर	02
4	सहसपुर	12
5	डोईवाला	08
	योग:–	40

4. यूनीपोल के किराये की न्यूनतम धनराशि रू0 4,700/– (रू० चार हजार सात सौ मात्र) प्रति यूनीपोल प्रतिमाह निर्धारित है। निविदा प्रपत्र में प्रति यूनीपोल के किराये की धनराशि साफ–साफ अंकों एवं शब्दों में लिखना अनिवार्य है।
5. निविदादाता को उत्तराखण्ड राज्य का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है।
6. निविदा प्रपत्र के साथ कुल 40 यूनीपोलो की 07 माह के किराये की कुल न्यूनतम धनराशि रू0 13,16,000/– की 10 प्रतिशत धनराशि रू0 1,31,600/– की एफ०डी०आर०/ सी०डी०आर०/ एन०एस०सी० जो अपर मुख्य अधिकारी. जिला पंचायत के पदनाम से बंधक हो, प्रतिभूति / जमानत राशि के रूप में संलग्न करना अनिवार्य है।
7. निविदा प्रपत्र के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत कम से कम रू0 10.00 लाख का हैसियत प्रमाण–पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र जो 06 माह से पुराना न हो, स्थायी निवास प्रमाण पत्र की स्व प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8. निविदादाता पर जिला पंचायत, देहरादून की किसी भी प्रकार की कोई देयता शेष नही होनी चाहिए। यदि निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निविदादाता पर जिला पंचायत की कोई देयता निकलती है, तो उसका ठेका तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा जिसके लिए निविदादाता स्वयं उत्तरदायी रहेगा।
9. उच्चतम बोलीदाता जिसकी निविदा स्वीकार की जायेगी को स्वीकृत किराये की धनराशि प्रत्येक माह की 07 तारीख तक कार्यालय में जमा करानी होगी। यदि उच्चतम निविदादाता द्वारा निविदा स्वीकृति उपरान्त ठेका लेने से इन्कार किया जाता है तो उसकी सम्पूर्ण जमानत / प्रतिभूति राशि जब्त कर ली जायेगी तथा द्वितीय उच्चतम निविदादाता को अधिमान देते हुए उसकी निविदा स्वीकृत किये जाने पर विचार किया जायेगा।
10. ठेकेदार को अनुबंध के समय टेण्डर / किराये की कुल धनराशि के 02 प्रतिशत धनराशि के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प कार्यालय में जमा कराने अनिवार्य होगे।
11. ठेका स्वीकृत / अस्वीकृत करने, ठेके की शर्तों में परिवर्तन करने अथवा आमंत्रित निविदाओं को बिना कोई कारण बतायें निरस्त करने का अधिकार जिला पंचायत के सक्षम प्राधिकारी में निहित होगा।
12. ठेके से सम्बन्धित किसी भी विवाद हेतु न्यायालय क्षेत्र देहरादून होगा।
13. ठेके से संबंधित अन्य जानकारी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से ज्ञात की जा सकती है।

अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत, देहरादून।

इंग्लैंड में सीरीज बराबर करने के बाद भारतीय टीम घर लौटी

● जीत के बाद टीम इंडिया ने कोई बड़ा जश्न नहीं मनाया, वाशिंगटन सुंदर इम्पैक्ट प्लेयर बने गंभीर बोले: बहुत खुश हूं

नई दिल्ली, वार्ता। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर की, लेकिन जीत के बाद टीम इंडिया ने कोई बड़ा जश्न नहीं मनाया। खिलाड़ियों ने मैच खत्म होने के बाद अपने परिवारों के साथ समय बिताया और मंगलवार सुबह अलग-अलग बैचों में भारत के लिए रवाना हो गए।

मोहम्मद सिराज समेत कई खिलाड़ी फ्लाइट से दुबई पहुंचे, जहां से वे अपने-अपने शहरों के लिए रवाना होंगे। कुछ खिलाड़ी इंग्लैंड में कुछ दिनों के लिए रुक गए हैं। ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारतीय मैनेजमेंट ने सीरीज का इम्पैक्ट प्लेयर मेडल दिया। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, श्मैं टीम परफारमेंस से बहुत खुश हूं।

मैच खत्म होने के करीब चार घंटे बाद अर्शदीप और प्रसिद्ध कृष्णा को लंदन की सड़कों पर अपने परिवारों के साथ घूमते हुए देखा गया। कुलदीप यादव, जिन्हें सीरीज में मौका नहीं मिला, पूर्व खिलाड़ी पीयूष चावला के साथ नजर आए। बुमराह को पहले ही आराम के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, कोई खास सेलिब्रेशन नहीं हुआ।

सीरीज काफी लंबी और थकाऊ रही। खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ या अकेले समय बिता रहे थे। ज्यादातर खिलाड़ी भारत लौट चुके हैं, कुछ छुट्टियां मना रहे हैं। अब टीम इंडिया की अगली चुनौती अगले महीने न्म में एशिया कप होगी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ द सीरीज और मोहम्मद सिराज को ओवल टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पांचवें टेस्ट में भारत की 6 रन से रोमांचक जीत के बाद वाशिंगटन सुंदर को सीरीज का इम्पैक्ट प्लेयर चुना गया। इस दौड़ में मोहम्मद सिराज, शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा भी थे, लेकिन सुंदर के प्रदर्शन ने उन्हें सबसे आगे रखा। सीरीज में सुंदर ने लगातार चार टेस्ट खेले। उन्होंने कुल 284 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक और एक शानदार शतक शामिल था।

गेंदबाजी में भी उन्होंने 7 विकेट लिए। तीसरे टेस्ट में लाड्र्स पर उन्होंने बेन स्टोक्स, जो रूट और जेमी स्मिथ जैसे बड़े बल्लेबाजों को आउट किया और 4 विकेट झटके। मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने जडेजा के साथ पांच सेशन तक बल्लेबाजी की और मैच ड्रा कराया। वहां उन्होंने नाबाद 101 रन बनाए।

करियर की बेस्ट रैंकिंग पर सिराज-कृष्णा

● **जसप्रीत बुमराह नंबर-1 पर कायम**
● **सिराज 12 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर**
● **प्रसिद कृष्णा 25 स्थान की छलांग लगाकर 59 वें स्थान पर**
● **बल्लेबाजों में यशस्वी जायसवाल टॉप-5 में शामिल**

दुबई, वार्ता। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा अपने-अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इस टेस्ट में सिराज ने 9 और कृष्णा ने 8 विकेट लिए थे। सिराज 12 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए।

उनकी रेटिंग 674 अंक हो गई। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने 25 स्थान की उछाल के साथ 59वां स्थान हासिल किया, उनकी रेटिंग 368 अंक है। जसप्रीत बुमराह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज बने हुए हैं। उनके 889 रेटिंग अंक हैं। वहीं, टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में यशस्वी जायसवाल टॉप-5 में पहुंच गए हैं। सिराज ने सीरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में सिराज ने सभी पांच टेस्ट खेले और 23 विकेट के साथ सीरीज के टॉप विकेट टेकर रहे। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन टेस्ट मैचों में 14 विकेट लिए। वे सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पांचवें स्थान पर रहे। बल्लेबाजी रैंकिंग में, भारत के जायसवाल ने आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में 164 गेंदों पर 118 रन बनाकर तीन स्थान की छलांग लगाई और आईसीसी मेन्स टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में टॉप-5 में जगह बनाई। उनकी रेटिंग अब 792 अंक है। वहीं, इंग्लैंड के जो रूट व हैरी ब्रूक ने पहला और दूसरा स्थान बरकरार रखा। रूट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों पर 105 रन और ब्रूक ने 98 गेंदों पर 111 रन बनाए। न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के बीच हुई टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने चार स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में टॉप-10 में जगह बनाई। उनके साथी मैट हेनरी ने तीन स्थान की उछाल के साथ गेंदबाजों की रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल किया, उनकी रेटिंग 817 अंक है, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है। हेनरी ने छोटे प्रारूपों के अपने फार्म को टेस्ट क्रिकेट में भी बरकरार रखा। एटकिंसन और जोश टंग भी करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे इंग्लैंड के गेंदबाजों को भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन का फायदा रैंकिंग में मिला। गस एटकिंसन और जोश टंग ने आठ-आठ विकेट लिए। एटकिंसन पहली बार टॉप-10 में शामिल हुए, जबकि टंग 14 स्थान की छलांग लगाकर 46वें स्थान पर पहुंच गए। दोनों ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। ऑलराउंडर्स में जडेजा टॉप पर कायम, स्टोक्स नंबर-3 पर द ओवल में 53 रन की पारी खेलने वाले भारतीय आलराउंडर जडेजा आलराउंडर्स रैंकिंग के टॉप पर कायम हैं।

संक्षिप्त खेल समाचार

विलियम ओ रूर्के दूसरे टेस्ट से हुए बाहर

बुलावाया, वार्ता। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विलियम ओ' रूर्के पीट की चोट के कारण दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गये है। उन्हें पहले टेस्ट के तीसरे दिन पीठ में अकड़न के बाद चिकित्सीय सलाह के लिए स्वदेश भेज दिया गया था। दूसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर नाथन स्मिथ पेट में खिंचाव के कारण पहले ही बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर जकारी फॉल्केस को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वहीं ऑकलैंड एसेस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन लिस्टर को भी ओ' रूर्के के कवर के तौर पर बुलाया गया है। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच जैकब ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह कोई बहुत बड़ी सीरीज नहीं होगी।

पावरलिफ्टिंग: स्वर्ण पदक विजेता नमी राय ने साय से की मुलाकात

रायपुर, वार्ता। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में एशियन अफ्रीकन पैसिफिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नमी राय पारेख ने मुलाकात की। साय को रायपुर निवासी नमी राय पारेख ने बताया कि पांच से 13 जुलाई तक जापान के हिमेजी में एशियन पॉवरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा एशियन अफ्रीकन पैसिफिक पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इस चैंपियनशिप में उन्होंने 57 किलोग्राम डेडलिफ्ट वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है। सीएम वष्णुदेव साय ने नमी राय पारेख को एशियन अफ्रीकन पैसिफिक पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने पर बधाई दी।

हमारी टीम में सुधार की गुंजाइश है: मैकुलम

मुख्य कोच मैकुलम का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का कहना है कि उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां इंग्लैंड को एशेज से पहले सुधार करना होगा, जब भारत के खिलाफ एक रोमांचक सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई और मुख्य कोच का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी। भारत ने इस एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के 25वें और आखिरी दिन 56 मिनट के शानदार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए छह रन की जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे कम अंतर की जीत थी। इसका मतलब यह था कि इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत से चूक गया। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज जीत दर्ज नहीं की है। चूंकि इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज में उतरेगा, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने का समय है। साल की शुरुआत से ही कोच के रूप में मैकुलम दोनों चुनौतियों में शामिल रहेंगे। लेकिन उनका तात्कालिक ध्यान, एक बार सब कुछ शांत हो जाने के बाद, पिछले सात हफ्तों पर रहेगा कि क्या काम आया और क्या नहीं। नवंबर में पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से पहले तैयारी करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होगा। मैकुलम ने कहा कि हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, ताकि जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास एक बड़ा मौका हो। हम जानते हैं कि हमारे पास सुधार की कुछ गुंजाइश है। जब आप खिलाड़ियों को दबाव में अपनी सीमाओं से परे जाकर प्रदर्शन करते हुए देखते हैं, तो आप हमेशा कुछ न कुछ सीखते हैं। बहुत सी चीजें हैं जिन पर हमें ध्यान देना है क्योंकि हम इसे समझने और उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए समय देंगे जिनमें हम अपनी अगली चुनौती के लिए सुधार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, मुझे लड़कों और उनके प्रयासों पर बहुत गर्व है। यह एक प्रतिस्पर्धी सीरीज रही है, जिसमें, कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए। यह सीरीज़ ड्रॉ हो चुकी है। आप निराश हैं लेकिन आपको उनके प्रयासों पर गर्व है। स्कोरलाइन 2023 के घरेलू एशेज की तरह है, और हालांकि इंग्लैंड ने दो साल पहले ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की थी, लेकिन इस गर्मी में भारत के खिलाफ कुछ समानताएं थीं, जिनमें से कुछ ऐसे पल थे जिन्हें मेज़बान टीम ने जाने दिया।

पूर्व काउंटी कोच यौन दुराचार के आरोप में निलंबित

● कोच ने अपने दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी है और सच्चा पश्चाताप व्यक्त किया है

लंदन, वार्ता। एक अज्ञात पूर्व काउंटी क्रिकेट कोच को यौन दुराचार के आरोप स्वीकार करने के बाद नौ महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है।

स्वतंत्र क्रिकेट अनुशासन पैनल ने पाया कि उस व्यक्ति ने 2023 और 2024 की गर्मियों में स्टाफ की दो महिला जूनियर सदस्यों को यौन रूप से स्पष्ट तस्वीरें भेजी थीं। उसने पेशेवर आचरण नियमों के पांच उल्लंघनों को स्वीकार किया, जिसमें दो सहकर्मियों को अनच. ाही यौन तस्वीरें भेजना भी शामिल है। पैनल ने 'असाधारण' स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों और नाम सार्वजनिक करने पर 'गंभीर नुकसान' के खतरे के कारण व्यक्ति की पहचान बताने से इनकार कर दिया। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी महिला 'प्रतिवादी से बहुत छोटी थी और वह क्रिकेट क्लब में उससे कहीं अधिक वरिष्ठ पद पर था।

उसके व्यवहार के कारण उसे बर्खास्त कर दिया गया और तब से वह खेल में कार्यरत नहीं है। पैनल को दिए गए आवेदनों में, यह उल्लेख किया गया कि कोच ने 'अपने दुर्व्यवहार के लिए माफ़ी मांगी है और सच्चा पश्चाताप व्यक्त किया है'। बीबीसी की एक खबर के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने स्वेच्छा से एक शिक्षा पाठ्यक्रम लिया था और 'अवांछित स्पष्ट संदेशों के प्रभाव को समझने के लिए एक पूर्व पेशेवर खिलाड़ी के साथ काम किया था'। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें उम्मीद थी कि अब वह एक बेहतर इंसान बन रहे हैं। उन्हें कार्यस्थल की सीमाओं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और यौन उत्पीड़न के बारे में बेहतर समझ थी। यह प्रतिबंध आरोपों के दर्ज होने से छह महीने पहले लगाया गया है, साथ ही तीन महीने का निलंबन और एक अनिवार्य शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करना होगा।

हाइजिया वेंचर्स ने सानिया मिर्जा को बनाया ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली, वार्ता। गौरव अग्रवाल की कनाडा समर्थित निवेश फर्म हाइजिया वेंचर्स ने टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के सातवें सीजन से पहले गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स टीम को खरीदने के साथ ही दिग्गज स्टार सानिया मिर्जा को टीम का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। टीपीएल भारत की चौथी ऐसी स्पोर्ट्स लीग बन गई है जो लगातार सातवें सीजन में पहुंची है। इसकी फास्ट-पेस्ड और दर्शकों को पसंद आने वाली प्रारूप की वजह से ये लीग लगातार निवेशकों और दर्शकों को आकर्षित कर रही है।

गौरव अग्रवाल कहा कि टेनिस और खेलों से मेरा व्यक्तिगत जुड़ाव है। एक पिता के तौर पर भी मैं युवा टेनिस खिलाड़ियों को सपोर्ट करना चाहता हूं। यह निवेश खेल और फेंचाइज़ी मैनेजमेंट में हमारे कदम को मजबूत करता है। सानिया मिर्जा ने कहा कि मैं एक ऐसी टीम से जुड़कर खुश हूं जो टैलेंट और इनोवेशन दोनों को महत्व देती है। गौरव का विजन भारतीय टेनिस के लिए जरूरी लॉन्ग-टर्म इनवेस्टमेंट को दर्शाता है।

एशिया कप में अफगान टीम की अगुवाई करेंगे राशिद

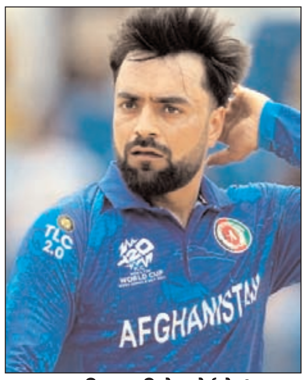

● **अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने संयुक्त अरब अमीरात में 9 से 28 सितम्बर तक होने वाले एशिया कप के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की**

काबुल, वार्ता। स्टार लेग स्पिनर राशिद खान की अगुवाई में अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम आगामी एशिया कप में खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात में नौ से 28 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। एसीबी की चयन समिति के सदस्य मीर मुबारिज ने बताया कि राशिद खान अफगानिस्तान के सुपरस्टार हैं। उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। फॉर्म में होना या खराब होना, यह खेल का हिस्सा है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि कैसे मजबूती से वापसी करनी है और टीम और देश के लिए बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करना है।

मुबारिज ने कहा कि हमने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप से पहले तैयारी शि. विर के लिए एक प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है, जहां नए खिलाड़ियों की परख कोचिंग स्टाफ और कप्तान, दोनों प्रशिक्षण और तैयारी शिविर के दौरान करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर चोटों के कारण उन्हें अपनी योजना में बदलाव नहीं करना पड़ा, तो वे प्रारंभिक शिविर के 22 सदस्यों में से ही अपनी विश्व कप टीम का चयन करेंगे। उन्होंने टीम में शामिल तेज गेंदबाजो को लेकर कहा कि हां , हम शायद आगामी एशिया कप में इन्हीं 22 खिलाड़ियों के साथ उतरेंगे, लेकिन चोट लगने की स्थिति में बदलाव हो सकते हैं, और हम समय के साथ इन मुद्दों का ध्यान रखेंगे। हमने अब्दुल्ला अहमदजई, बशीर अहमद को टीम में शामिल किया है, और सलीम सफी भी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। इसलिए, वे सभी 140 की रफ्तार से गेंदबाजी करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि अफगानिस्तान के पास राशिद खान, मुजीब, मोहम्मद नबी और अल्लाह मोहम्मद गजनफर जैसे बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं। हमने नांग्याल खारोटी और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले शराफुद्दीन अशरफ को भी टीम में शामिल किया है।

अंतर्राष्ट्रीय मैराथन दौड़ की तैयारियां जोरों पर

माउंट आबू, वार्ता। राजस्थान में पर्यटन स्थल माउंट आबू में ब्रह्माकुमारी संगठन की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि के मौके पर 17 अगस्त को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में आयोजित की जा रही सातवीं अंतर्राष्ट्रीय मैराथन दौड़ की तैयारियां जोरों से की जा रही हैं।

मैराथन संयोजक समिति सदस्य बी के सचिन ने बुधवार को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मैराथन दौड़ के लिए करीब साढ़े तीन हजार सहभागियों का पंजीकरण हो चुका है। विदेशों के भी करीब पांच दर्जन धावक दौड़ में भाग ले रहे हैं।

शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में शुरू होगी प्रो वॉलीबॉल लीग

ग्रेटर नोएडा, वार्ता। गौतमबुद्धनगर जिले में पहली बार प्रो वॉलीबॉल लीग का आयोजन होने जा रहा है। प्रो वॉलीबॉल लीग का आयोजन गुरुवार से ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में किया जाएगा। लीग को लेकर खेल परिसर में आयोजकों द्वारा प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया,जिसमें 15 दिवसीय लीग को लेकर जानकारी दी गई। आदि योगी फाउंडेशन के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश प्रो वालीबॉल लीग के फाउंडर कुलवंत ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 अगस्त से ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद पथिक सिंह खेल परिसर में पहली बार प्रो वॉलीबॉल लीग का आयोजन किया जा रहा है। यूपी प्रो वालीबॉल लीग में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी जिनमें लखनऊ टाइगर्स, गोरखपुर, नोएडा, मथुरा, अयोध्या, मुरादाबाद, काशी व मुजफ्फरनगर लायंस होंगी।

पंत ने छात्रा की कॉलेज फीस में मदद की

● **ज्याति के परिवार ने अनिल नाम के एक स्थानीय शुभचिंतक से संपर्क किया, जिन्होंने क्रिकेट से जुड़े अपने सपर्कों के माध्यम से पंत तक छात्रा की परेशानी को पहुंचाया**

बेंगलुरु, वार्ता। भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत ने कर्नाटक के बागलकोट जिले की एक आर्थिक रूप से संघर्षरत छात्रा की मदद की है, जिससे वह उच्च शिक्षा प्राप्त कर सके। विकेटकीपर-बल्लेबाज के इस नेक काम की व्यापक सराहना हो रही है।

बिलागी तालुक के रबकवी गाँव की रहने वाली ज्योति कनबुर मथ ने अपने प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स (पीयूसी) में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे और कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक (बीसीए) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किया था। हालांकि, आर्थिक तंगी के कारण, उनका परिवार कॉलेज की फीस का भुगतान करने में असमर्थ था। आर्थिक सहायता प्राप्त करने के प्रयास में, ज्योति के परिवार ने अनिल नाम के एक स्थानीय शुभचिंतक से संपर्क किया, जिन्होंने क्रिकेट से जुड़े अपने संपर्कों के माध्यम से उनसे संपर्क किया। यह अपील अंततघ ऋषभ पंत तक पहुंची, जिन्होंने तुरंत कॉलेज को 40,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए, जिससे ज्योति के दाखिले का रास्ता साफ हो गया। पंत को लिखे एक आभार पत्र में, ज्योति ने अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उन्होंने लिखा कि मैं बीसीए करना चाहती थी, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण, मेरे माता-पिता ने हमारे गाँव के ही अनिल से संपर्क किया और पूछा कि क्या कोई छात्रवृत्ति या आर्थिक मदद उपलब्ध है। फिर अनिल ने अपने दोस्त अक्षय से संपर्क किया, जो बेंगलुरु में रहता है। अक्षय ने मेरी स्थिति से भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत को अवगत कराया। ऋषभ पंत ने 40,000 रुपये ट्रांसफर किए ताकि मैं बीसीए कर सकूं। मैं ऋषभ पंत की बहुत आभारी हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वह उन्हें अच्छी सेहत प्रदान करें। मैं अनिल अन्ना और अक्षय नाइक सर की भी आभारी हूं। मैं उनकी मदद को कभी नहीं भूलूंगी। कॉलेज प्रबंधन ने भी पंत को उनके समय पर दिए गए सहयोग के लिए एक प्रशंसा पत्र जारी किया।

मणिपुर, उत्तराखंड, तमिलनाडु, मप्र और झारखंड जीते

● **15वें हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के छठे दिन डिवीजन बी के सभी मैच समाप्त हो गए है**

काकीनाडा, वार्ता। 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के छठे दिन बुधवार को डिवीजन 'बी' के सभी मैच समाप्त हो गए, जिसमें मणिपुर, उत्तराखंड और तमिलनाडु ने अपने-अपने लीग मुकाबलों में जीत दर्ज की, जबकि हिमाचल ने बिहार के साथ ड्रॉ खेला। यहां दिन के पहले मैच में मणिपुर ने असम को 3-1 से हराया।

मणिपुर के लिए कंगजम सिल्विया चानू ने (27वें, 49वें) मिनट में दो गोल और देवी मुतुम प्रिया ने (26वें) मिनट में एक गोल किया। असम की ओर से एकमात्र गोल अशिमता तिग्गा ने (20वें) मिनट में किया। अगले मैच में उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केरल को 7-0 से रौंद दिया। उत्तराखंड की कप्तान सलोनी पिलखवाल ने (नौवें, 31वें, 46वें) मिनट में गोल कर हैट्रिक बनाई, जबकि राईन कहकशा अली ने (चौथे, 14वें) और आरती ने (40वें, 45वें) ने दो-दो गोल किए। अन्य मैच हिमाचल और बिहार के बीच 1-1 से ड्रॉ रहा। हिमाचल के लिए भूमि ने (12वें) और बिहार की ओर से खुशी कुमारी ने (11वें) मिनट गोल किया। यह मुकाबला एक-एक गोल से ड्रा रहा। अंतिम डिवीजन 'बी' मैच में तमिलनाडु ने अरुणाचल को 5-0 से हराया। तमिलनाडु की ओर से प्रियधरसिनी ने (39वें, 52वें) मिनट में दो गोल किए, जबकि अक्षता आर ने (43वें), सुबलक्ष्मी एल (40वें) मिनट और जयशालिनी एस (46वें) मिनट में एक-एक गोल किए। इसके साथ ही 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सभी डिवीजन 'बी' मैच समाप्त हो गए। पूल 'ए' से मणिपुर और पूल 'बी' से हिमाचल को अगले साल होने वाले डिवीजन 'ए' मैचों में पदोन्नत किया गया। इस सप्ताह की शुरुआत में, डिवीजन 'सी' के पूल 'ए' से गोवा हॉकी और पूल 'बी' से मिजोरम को भी अगले साल होने वाली जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन 'बी' में पदोन्नत किया गया। दिन के दूसरे भाग में डिवीजन 'ए' लीग मैच हुए, जिसमें मध्य प्रदेश और झारखंड ने अपने-अपने पूल मैच जीते, जबकि हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। पहले डिवीजन 'ए' मैच में मध्य प्रदेश ने पंजाब को 4-0 से हराया। मध्यप्रदेश की काजल ने (13वें, 52वें) और स्नेहा पटेल ने (36वें, 45वें) ने दो-दो गोल किए। अगले मैच में हरियाणा ने उत्तर प्रदेश के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला जिसमें हरियाणा की कप्तान शशि खासा (पांचवें) मिनट और उत्तर प्रदेश की रश्मि पटेल ने (54वें) मिनट ने एक-एक गोल किया। तीसरे डिवीजन 'ए' मैच में झारखंड ने छत्तीसगढ़ को 7-1 से हराया।

भारतीय एथलीट विश्व खेल 2025 के पांच खेलों की 23 पदक स्पर्धाओं में लेंगे हिस्सा

चीन, वार्ता। भारतीय एथलीटों की 17 सदस्यीय टीम आज से शुरु हो रहे विश्व खेल 2025 के 12वें संस्करण की पांच खेलों की 23 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेगी। इस बार विश्व खेलों में 34 खेलों और 60 विधाओं में 253 पदक स्पर्धाएं होंगी।

पॉवरबोटिंग और चीयरलीडिंग को पहली बार इस प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। भारत इनमें से कुल पांच खेलों तीरंदाजी, बिलियड्र्स, रैकेटबॉल, रोलर स्पोर्ट्स या स्केटिंग और वुशु में 23 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। भारत के तीरंदाजी दल में अभिषेक वर्मा और परनीत कौर, स्पीडस्केटर वेल. कुमार आनंद कुमार और आर्यनपाल सिंह घुमन, तथा वुशु एथलीट नाओरेम रोशिबिना देवी, मधुरा धमनगांवकर शामिल हैं। भारत मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में भी भाग लेगा, जो कि लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में भी शामिल होगी।

लक्सर विधायक हाजी मौहम्मद शहजाद का प्रयास लाया रंग

सुल्तानपुर व क्षेत्र के ग्रामीणों को मिली बाईपास की सौगात

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर विधायक हाजी मोहम्मद शहजाद के अथक प्रयासों से क्षेत्र के नगर पंचायत सुल्तानपुर व बाकरपुर टीकमपुर बाईपास की ग्रामीणों को सौगात मिल गई है । जो ग्रामीणों के लिए एक बेहतरीन तोहफा है जिससे बड़ी तादात में लोगों को राहत मिलेगी ।

❖बाईपास बनने से सुल्तानपुर व अन्य गांव वालों को खनन वालों से भी मिल जाएगी निजात : शहजाद

हाजी शहजाद विधायक के प्रयासों के बाद बाईपास का तोहफा मिलने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों ने विधायक शहजाद का धन्यवाद किया है । लक्सर विधायक मोहम्मद शहजाद ने बताया कि आमजन की मांग पर नगर पंचायत सुल्तानपुर बाईपास के लिए कहा गया था लोगों की मांग पर मैंने बाकरपुर से टीकमपुर तक बाईपास के लिए सरकार से लिखित पत्र दिया मेरे लिखित पत्र पर सरकार के द्वारा नगर पंचायत सुल्तानपुर बाईपास को 100% मंजूरी मिल गई है । उन्होंने कहा सुल्तानपुर में खनन लेकर जो गाड़ी आती थी उससे बहुत दिक्कत होती थी गन्ने के सीजन में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था उसी को देखते हुए मैंने बाकरपुर से होते हुए नगर पंचायत सुल्तानपुर से बाहर बाहर टीकमपुर तक बाईपास को मंजरी दिलवा दी है यह एक बहुत ही बड़ी सुल्तानपुर के ग्रामीणों के एवं गंगा पार कई दर्जनों गांव के लोगों के लिए भी मिल का पत्थर साबित होगी उन्होंने कहा इस बाईपास के लिए मैं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मेरे कहने से इतने बड़े काम को मंजूरी दी है।

सिविल लाइन पुलिस ने दस हजार के दो इनामी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। एनटीपीएस में फरार दस हजार के दो इनामियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनामियों की गिरफ्तारी होने पर अधिकारियों ने पुलिस टीम की पीठ थपथपाई है।

रुड़की कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 15 अप्रैल 2025 को एक कार सवार को ढमढम चौक के पास रोका था। तलाशी में कार से 2915 नशीले इंजेक्शन और 50 हजार की रकम बरामद हुई थी। पूछताछ में कार चालक सुलेमान निवासी गांव बुढाहेड़ी थाना पथरी जिला हरिद्वार ने बताया था कि वह नशे के कारोबार से जुड़ा है। मनोज निवासी मुजफ्फरनगर से एक लाख रुपये में नशे के इंजेक्शन खरीदने की बात कही थी। जबकि कबूल किया था कि खुर्शीद, नूरआलम मुदस्सिर और आस मोहम्मद निवासी गांव बुढाहेड़ी थाना पथरी भी नशे के धंधे से जुड़े हैं। तभी से पुलिस नशे के कारोबार में शामिल अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी थी। इंस्पेक्टर मनी भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि पांच-पांच हजार के इनामी खुर्शीद और नूरआलम को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक लोकपाल परमार, हेड कांस्टेबल युनुस बेग और रणवीर चौहान शामिल रहे।

कोटवाल में दो पक्ष में हुई गोलाबारी में शामिल तमंचे सहित एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। ग्राम कोटवाल आलमपुर में 2 अगस्त को दो पक्षों में हुई गोलीबारी की घटना में शामिल एक अभियुक्त को पुलिस द्वारा मंगलवार रात्रि गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक तमंचा तथा दो खोखा कारतूस भी बरामद किए गए। थाना निरीक्षक अजय सिंह ने बताया कि 2 अगस्त की सुबह ग्राम कोटवाल आलमपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में गाली गलौज के बाद गोली चल गई थी। गोली लगने से बाप बेटा सुशील कुमार व वंश कुमार घायल हो गए थे। जिनका इलाज ऋषिकेश एम्स में चल रहा है। दोनों पक्षों की ओर से थाने में तहरीर दी गई थी। तहरीर के आधार पर एक पक्ष की ओर से तीन तथा दूसरे पक्ष की ओर से आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। मंगलवार रात्रि मुखबीर की सूचना पर एक अभियुक्त बलिस्टर को ग्राम लाठरदेवा हूण के पास नहर पटरी से पुलिस द्वारा उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह कहीं दूसरी जगह भागने की फिराक में था। उक्त के पास से घटना में प्रयुक्त 312 बोर का तमंचा व दो खोखा कारतूस भी बरामद किए गए। उक्त का चालान करते हुए न्यायालय में पेश किया गया है ।पुलिस टीम में थाना निरीक्षक अजय सिंह एस आई नितिन बिष्ट बरहम दत्त बिजलवान कांस्टेबल रामवीर सिंह रणवीर सिंह वह नसीमुद्दीन शामिल रहे।

दुष्कर्म का फरार आरोपी दबोचा किशोरी सकुशल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वारदात के बाद लगातार अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था, लेकिन पुलिस की सूझबूझ और तकनीकी निगरानी से आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पीड़िता को भी सकुशल बरामद कर लिया है।

थाना लक्सर क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने 13 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग पुत्री को अनित पुत्र राजकुमार निवासी फतवा, बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। इस पर पुलिस ने पोक्सो एक्ट समेत बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।घटना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर लक्सर पुलिस ने एक टीम गठित कर आरोपी की तलाश में जुट गई। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था, लेकिन पुलिस की तकनीकी टीम ने उसकी लोकेशन ट्रेस कर ली।छह अगस्त को पुलिस ने आरोपी अनित को लक्सर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। साथ ही अपहृत किशोरी को भी सकुशल बरामद किया गया। पीड़िता का मेडिकल कराया गया है और बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की तैयारी में है।

बदमाशों ने घर में घुसकर बच्चों पर किया जानलेवा हमला, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। धनौरी चौकी क्षेत्र के तेलीवाला उर्फ शिवदासपुर गांव में सुबह एक घर के अंदर खेल रहे बच्चो पर दो अज्ञात बदमाशों ने हमला कर घायल कर दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुचीं पुलिस ने घायल बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया और मामले की जांच शुरू कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार तजमीम निवासी तेलीवाला उर्फ शिवदासपुर अपनी पत्नी के साथ रिश्तेदारी में अपनी सुसराल गया हुआ था और अपने दो बच्चों को पास के मकान में रह रहे अपने परिजनों के पास छोड़कर गया हुआ था। बुधवार कि सुबह उसके बच्चे अपने घर में आकर खेलने लगे इसी बीच दो अज्ञात बदमाश आये और उसके घर में घुसकर बच्चियों को धमकी देकर बाहर निकाल गए। एक बच्ची उनके पीछे चली गई। अज्ञात बदमाशों ने पीछे चल रही बच्ची पर हमला कर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। बच्ची की चीख सुनकर पास के मकान में रह रहे उनके परिजन भी मौके पर पहुंच गए। खून से लहूलुहान बच्ची को देख कर परिजनों ने शोर मचा दिया। जिसके बाद आसपास के लोगो की भीड़ इक्कठा हो गई। इस बीच किसी ने पुलिस को सुचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुची और घायल बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल भिजवा कर मामले की जांच शुरू कर दी हैं। थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि एक घायल बच्ची को उपचार के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी हैं।जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

सोलानी नदी के कटाव से चोली शहाबुद्दीनपुर में

दर्जनों किसानों की जमीन बर्बाद

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। ग्राम चोली शहाबुद्दीनपुर में सोलानी नदी के तेज बहाव के चलते भूमि कटाव की गंभीर समस्या सामने आई है। इस प्राकृतिक आपदा में दस ग्रामीणों की कृषि भूमि प्रभावित हुई है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

घटनास्थल पर उपजिलाधिकारी भगवानपुर के निर्देश पर नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता, क्षेत्र पटवारी बृजभूषण, एवं पीड़ित किसान मौके पर उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया और विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता ने बताया कि कटाव से प्रभावित दस व्यक्तियों की व्यक्तिगत नुकसान रिपोर्ट अलग से तैयार कर शासन को भेजी जा रही है। नियमों के अनुसार, सभी प्रभावितों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासन द्वारा समय पर की गई जांच और त्वरित कार्यवाही से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद है। क्षेत्रवासियों ने भी अधिकारियों की तत्परता की सराहना की है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट होने की आशंका पर

खाद्य विभाग का मिठाई की दुकान व डेयरी पर धावा, छह के भरे सैंपल

शाह टाइम संवाददाता

रुड़की। खाद्य विभाग ने रक्षाबंधन के मध्य नजर खाद्य पदार्थों की दुकानों को खंगाल है विभाग की चेकिंग से मिठाई परचून और डेयरी संचालकों में हड़कंप मचा रहा टीम ने रुड़की के विभिन्न जगहों से खाद्य पदार्थ के छहसैंपल जांच के लिए लैब भेजे हैं।

पर्व पर खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले लोग सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग ने रुड़की के विभिन्न जगहों पर डेयरी और मिठाई की दुकान में चेकिंग की। जहां पर उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिए कि अपने यहां ताजा समान ही रखें। कोई भी खाद्य पदार्थों को तैयार करने में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। इस दौरान रुड़की के परचून मिठाई और मक्खन, दूध, पनीर बनाने वाले डेयरी संचालकों में हड़कंप की स्थिति रही। टीम कई घंटे तक रुड़की में डेरा डाले रही। वरिष्ठ खाद्य अधिकारी योगेंद्र पांडे ने बताया कि ने रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए रुड़की एवं आसपास के क्षेत्र में रामनगर से गोस्वामी स्वीटशॉप से बर्फी, रामपुर चुंगी से आजाद स्वीटशॉप से सफेद रसगुल्ला, मुहाना से हिन्दुस्तान स्वीटशॉप से बेसन के लड्डू, दुग्ध पदार्थों में दूध, दही एवं छाछ के सैम्पल राज्य प्रयोगशाला में जाँच के लिए भेजे है। जाँच रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अन्तर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

कलियर में 8 घंटे विद्युत आपूर्ति ठप, आमजन परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कलियर क्षेत्र में मंगलवार की रात को करीब आठ घँटे बिजली आपूर्ति बाधित रही।जिस कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।लोगों को घर मे लगे इन्वर्टर के सहारे रात गुजारने को मजबूर होना पड़ा और कुछ लोगों को अंधेरे में ही रात गुजारनी पड़ी है।

ब्रह्मपुर बिजलीघर के अंतर्गत आने वाले मेहवड कलां ,बाजुहेड़ी, मेंहवड खुर्द , बेलड़ा, शेरपुर ,ब्रह्मपुर, शंकरपुरी, बेलड़ी, केलहनपुर, हल्डेडी,भरा पुर, भोरी, शिव बिहार कालोनी, सहित आदि गांव की बिजली आपूर्ति बधित रही। ग्रामीण देशराज, तेजपाल, महेंद्र ,शौकीन, राजेश दिग्विजय, नरेश, याकूब, दिलशाद, नोमान, प्रमोद जुगेंद्र, महबूब, राजेन्द्र सुखेन्द्र, सुखपाल, हुकमचन्द, रवि, राकेश, कंवरपाल, नाथी, विनोद, लालचंद, सहित आदि का कहना है कि मंगलवार की रात करीब को करीब आठ घँटे बिजली आपूर्ति बंद रही है। जिसके कारण अंधेरा होने से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी है। कुछ लोगों ने अपने इन्वर्टर के सहारे रात गुजारी वह भी जवाब दे गए।और कुछ को अंधेरे में ही रात गुजारने को मजबूर होना पड़ा है।जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।ऊर्जा निगम के अवर अभियंता फैजान मलिक ने बताया कि लाईन ब्रेक डाउन में चली गई थी जिस कारण बिजली आपूर्ति बाधित रही हैं।

श्मशान घाट की दीवार गिरने से महिला समेत तीन घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। बरसाती पानी से मिट्टी कटाव होने के कारण शमशान घाट की दीवार जमीन पर सौ रहे लोगों पर जा गिरी हादसे में एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए घायलों को थिथौला में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं जानकारी मिलने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल में पहुंचकर घायलों से उनका हालचाल जाना। पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण आमजन परेशान है। मंगलवार की देर रात पुलिस चौकी के पास स्थित एक कालोनी में निवास करने वाले मेहताब के परिजन जमीन पर लेटे हुए थे। बताया गया है कि इसी बीच शमशान घाट की दीवार उनके ऊपर जा गिरी दीवार गिरने से सितारा पत्नी मेहताब (45) शहनवाज पुत्र मेहताब (18) हैदर पुत्र मेहताब (28) गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को थिथौला में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की जानकारी मिलने पर नायाब तहसीलदार युसुफ अली ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से हादसे की जानकारी लेते हुए उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर कानूगों आदेश कुमार लेखपाल संजय चौहान भी मौजूद रह।

पेड़ गिरने से पोल व वायर क्षतिग्रस्त

रुड़की। मौसम के बिगड़े मिजाज से विद्युत पोल और वायर पर पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति और यातायात प्रभावित हो गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन कर्मचारी मौके पर पहुंचे। अग्निशमन कर्मचारी अतर सिंह राणा और विपिन तोमर आदि को सुबह सवेरे सूचना मिली कि हरिद्वार-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग निकट पेसिफिक होटल के पास पेड़ गिरा है। जिसके बाद पेड़ गिरने की वजह से बिजली के पोल एवं वायर क्षतिग्रस्त होने के साथ ही यातायात का आवागमन बाधित हो गया। जिसके बाद विद्युत विभाग से संपर्क कर बिजली की लाइन कटवाकर पोल एवं वायरो को भी सड़क किनारे किया गया। जबकि वुडन कटरों की सहायता से पेड़ को टुकड़ों में काटकर यातायात सुचारू किया।

सहकारी समिति झबरेड़ा में भरा पानी, कर्मचारी व किसान परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। किसान सहकारी समिति झबरेड़ा प्रांगण में बरसात का पानी भर जाने से समिति के कर्मचारियों को समिति के ऑफिस के कमरों में अंदर जाने के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वही समिति में पानी भर जाने से किसानों का भी आना जाना बंद हो गया।

जानकारी के अनुसार कस्बे में स्थित किसान सहकारी समिति में कई दिन से हो रही बारिश का पानी भर गया। समिति प्रांगण में पानी भरने से कर्मचारियों को भी पानी से ही होकर समिति के ऑफिस में जाना पड़ा। समिति सचिव तलवार सिंह का कहना है कि समिति प्रांगण में पानी भरने से जहां किसानों का आना बंद हो गया वहीं कर्मचारियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। समिति प्रांगण में भर पानी को नगर पंचायत द्वारा टैंकर में भरकर निकाला गया।

प्रशासन बना रहा व्यवस्था

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम खुशबू (KHUSHBOO) है जिसे बदलकर मैंने अपना नाम खुशबू साबरी (KHUSHBOO SABRI) रख लिया है इसलिए भविष्य में मुझे खुशबू साबरी के नाम से ही जाना, पहचाना, पढ़ा लिखा, समझा व दर्ज किया जाए।

खुशबू साबरी पत्नी शाह सुहेल नि. पिरान कलियर रुड़की, जनपद हरिद्वार।

मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। थाना सिडकुल के हजारा ग्रँट निवासी जय कुमार ने तहरीर देकर बताया कि 31 जून को वह धनोरा से कलियर कुछ काम के लिए आ रहा था।रास्ते में वह बावन दर्रा के पास शौच के लिए चला गयाथा।कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसकी उसकी मोटरसाईकिल वहां नही थी।किसी अज्ञात चोर ने उसकी मोटरसाईकिल को चोरी कर लिया है।उसने अपनी मोटरसाईकिल को काफी तलाश किया लेकिन कुछ पता नही चल पाया है।पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की हैं।थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

वहीं दूसरी ओर राहगीरों से मारपीट के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली कि जुबेर अपने मच्छी मोहल्ले में राहगीरों के साथ मारपीट कर रहा था। जिसके बाद पुलिस टीम में शामिल आनंद मेहरा, विपिन और सुरेश तोमर ने जुबेर को गिरफ्तार किया।

नायब तहसीलदार ने किया सोलानी नदी की ठोकर का निरीक्षण

नदी का जलस्तर बढ़ने से बढ़ी ग्रामीणों की चिंता

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। सोलानी नदी अपने रुद्र रुप पर है। पानी के तेज बहाव के कारण नदी के पुल पर बनाई गई पत्थरों की ठोकर बैठ गई है। आलम यही रहा तो एक दो दिन में पुल का हिस्सा पूरी तरह ढह जाएगा जिससे दर्जनों गांव का सम्पर्क लंढौरा से कट जाएगा।

गौरतलब है कि पहाड़ों व मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के चलते सोलानी नदी अपने रुद्र रुप में है। नदी फिलहाल खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। लगातार बढ़ रहे पानी की रफ्तार से जोरासी रणसुरा मार्ग पर स्थित सोनाली नदी के पुल पर आवाजाही के लिए बनाई गई पत्थरों की ठोकर बैठ गई है। पानी का बहाव तेज होने के कारण मिट्टी का कटाव जारी है। आलम यही रहा तो पुल का एक हिस्सा पूरी तरह जमींदोज हो जाएगा। जिस कारण लंढौरा से दर्जनों गांव का सम्पर्क कट जाएगा। क्षेत्र पंचायत सदस्य गुलफशा कहना है कि दो साल पहले पुल का कुछ हिस्सा पानी में बह गया था। लोक निर्माण विभाग द्वारा पुल पर आवाजाही के लिए पत्थरों की ठोकर बनाई गई थी। मगर पिछले चार दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण सोलानी नदी उफान पर है। पानी के तेज बहाव के कारण पत्थरों की ठोकर बैठ गई है। जो कभी भी गिर सकती है।

बुधवार को सोलानी नदी के बढ़ते जलस्तर व किसानों की फसलों का जायजा लेने पहुंचे नायाब तहसीलदार युसुफ अली ने कानूगों आदेश कुमार के साथ पानी से बर्बाद हुई फसलों तथा पत्थरों की ठोकर का निरीक्षण किया। नायाब तहसीलदार युसुफ अली ने कहा कि नदी के तेज बहाव के कारण पत्थरों की ठोकर के नीचे से मिट्टी निकलने के कारण पुल की ठोकर बैठ गई है। जिसके संबंध में जिला प्रशासन को अवगत करा दिया गया है।

हजारों बीघा फसलों पर नष्ट-सोलानी नदी का जलस्तर बढ़ने से जौरासी जबरदस्तपुर, रणसुरा, हज्जरपुर, खंगपुर, थिथौला के किसानों की हजारो बीघा जमीन में पानी भर गया है। नदी के तेज बहाव के कारण खड़ी फसल नष्ट हो गई है। क्षेत्र के किसानों के सामने पशुओं के चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई दे रहा है।

लक्सर पालिका बरसात में चला रही लगातार सफाई अभियान : नीटू

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर नगर पालिका परिषद ने भारी बरसात के बावजूद सफाई अभियान जारी रखा है। नगर पालिका अध्यक्ष संजीव उर्फ नीटू ने बताया कि लक्सर शिव चौक, रोडवेज बस स्टैंड, और वन विभाग के दफ्तर के पास की पुलिया में जमा कूड़े को जेसीबी लगाकर हटाया जा रहा है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि भारी बारिश होने पर जलभराव की समस्या से लोगों को परेशानी न हो।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अध्यक्ष ने बताया कि पहले भी बड़े नालों की सफाई पोकलैंड मशीन और मजदूरों की मदद से की गई थी। उन्होंने जनता से अपील की है कि अगर किसी भी क्षेत्र में पानी भर जाए या नालों में कूड़ा जमा हो, तो तुरंत नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों को सूचित करें। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद के सभी कर्मचारी और सभासद जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर हैं और किसी को भी परेशानी नहीं होने देंगे। काम लगातार जारी रहेगा। इस अभियान में कई सभासदों ने भी सहयोग किया।

टैरिफ पर घमासान

आखिरकार टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बराबर दी जा रही धमकी से भारत का अब धैर्य टूटता दिखाई दे रहा है। ट्रम्प लगातार भारत पर भारी-भरकम टैरिफ और जुर्माना लगाने की धमकी दे रहे हैं। ऐसा वह इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि भारत रूस के साथ बड़ा कारोबार कर रहा है। बड़े पैमाने पर उससे तेल और गैस खरीद रहा है।

सैन्य सामानों में भी वह अमेरिका के सामने रूस को तरजीह दे रहा है। जबकि रूस इन सब बातों से शक्ति पाकर यूक्रेन के लोगों को मार रहा है। भारत ने काफी हद तक धैर्य से काम लिया और ट्रम्प की किसी भी बात का सीधे जवाब नहीं दिया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि भारत जवाब नहीं दे सकता, बल्कि भारत चाहता है कि सारा मामला कूटनीति स्तर से निपटे, जोकि सबसे बेहतर तरीका भी है, लेकिन बात बनती न देख सीधे सोमवार को अमेरिका व ई-यू को सीधे निशाने पर ले लिया और कहा कि यह देश स्वयं बड़े पैमाने पर रूस से कारोबार कर रहे हैं और हमें नसीहत दे रहे हैं। भारत का कहना है कि अमेरिका अभी भी रूस से यूरेनियम, हैक्साफ्लोराइट, खाद्य और कैमिकल्स मंगा रहा है।

जहां तक ईयू की है, पिछले 2024 में करीब 85 बिलियन यूरो का व्यापार किया। असल में सारा झगड़ा इस बात पर है भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा आयातक रहा है और दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2024 में करीब 130 अरब डॉलर का कारोबार हुआ है। इसमें 87 अरब डॉलर का निर्यात भारत की तरफ से अमेरिका को होता है, तो वहीं अमेरिका को भारत की तरफ से 42 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। इस तरह व्यापार घाटा करीब 46 अरब डॉलर का है जो भारत के पक्ष में जाता है। अमेरिका को यही व्यापार घाटा खल रहा है और वह चाता है कि यह घाटा किसी भी कीमत पर कम किया जाए। इसी को कम करने के लिए अमेरिका बराबर टैरिफ की धमकी दे रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प इस टैरिफ के जाल में इस तरह उलझ गए हैं कि उन्हें दोस्त दुश्मन में भी कोई अंतर नजर नहीं आ रहा है और वह अमेरिका के साथ अन्य देशों के संबंधों की परवाह नहीं कर रहे हैं। कई देशों से उनकी ठन सी गई दिखती है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा तो उनसे इतने खफा हैं कि उन्होंने उनसे बात करने से ही मना कर दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है।

हालांकि ट्रम्प उनसे बातचीत करने की पेशकश कर चुके हैं, लेकिन लूला बात करने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि वह चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग, भारत के प्रधानमंत्री मोदी से बात करना ज्यादा पसंद करेंगे। रूस के साथ व्यापार को लेकर अमेरिका का नाम लेने पर अब डोनाल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं, जांच कराएंगे। सभी अपने-अपने विकल्प तलाश करते दिखाई दे रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐसे माहौल में इस समय रूस के मोस्को में मौजूद हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि भारतीय विदेश मंत्री इस महीने के आखिर में रूस जा सकते हैं, जाहिर है भारत ने भी अपने पत्ते खोलने शुरू कर दिए हैं। अमेरिका ज्यादा हठधर्मी से काम लेगा तो भारत के लिए विकल्प खुले हैं।

अडानी के खिलाफ जांच से मोदी चुप

अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चहेते उद्योगपति अडानी के खिलाफ जांच चल रही है, इसलिए श्री मोदी अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिल रही धमकियों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं, श्री ट्रम्प की बार-बार की धमकियों पर श्री मोदी की चुप्पी अमेरिका, अडानी और रूस के बीच वित्तीय संबंधों का खुलासा भी करती है, यही वजह है कि ट्रम्प के सामने श्री मोदी खड़े नहीं हो पा रहे हैं, भारत, कृपया समझे, प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति ट्रम्प की बार-बार की धमकियों के बावजूद, उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं, मकी मोदी, एए और रूसी तेल सौदों के बीच वित्तीय संबंधों को उजागर करती है। मोदी के हाथ बंधे हुए हैं।

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष, लोकसभा

हमें सिर्फ कश्मीर चाहिए, कश्मीरी नहीं

पवन सिंह

देश के नागरिकों की रूचि इस हकीकत को जानने में होगी कि सत्तारूढ़ दल की नजरों में कश्मीर और कश्मीरियों की हैसियत क्या है ? क्या वही है जो दुनिया के सामने प्रदर्शित की जाती है या कुछ अलग है ? उस कश्मीर की जिस पर हकष्को लेकर पाकिस्तान अगरजुबान भी खोलता है तो देशभक्तों का खून खौलने लगता है। भगवा तलवारें म्यानों से बाहर आने लगतीं हैं।

सवाल यह है कि हुक्मरानों और उनके समर्थकों की नजरों में क्या कश्मीर धरती पर बसा कोई स्वर्ग है? एक सैरगाह है या केवलजमीन का टुकड़ा है और इसी के साथ यह कि उनकी नजरों में वहां बसने वाले कश्मीरियों की औकात क्या है? क्या उन्हें भी विशालभारत देश की आत्मा का ही हिस्सा माना जाता है या फिर उनकी मौजूदगी में किसी अदृश्य पाकिस्तान की हरदम तलाश चलती रहती है? यानी हमें कश्मीर की तो जरूरत है कश्मीरियों की नहीं?

कश्मीर और कश्मीरियों के दर्द को समझने के लिए हमें 29 जुलाई की रात लोकसभा में दिए गए सिर्फ छह मिनटों के एक भाषण कीआत्मा में प्रवेश करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिंदूर पर हुई धुआंधार बहस का यह दूसरा दिन था। देर रात हो चुकी थी, सदन लगभगखाली-सा था फिर भी कुछ सांसद थे जिन्हें बोलना था और सुनना था।

यह भाषण नगर से चुने गए नेशनल कांफ्रेंस के बेहतरीन सांसद आगा रूहुल्ला मेहंदी ने दिया था। मेहंदी अपनी गैर-सांप्रदायिकराजनीति के लिए पूरी कश्मीर घाटी में एक खास पहचान रखते हैं। मेहंदी ने सिर्फ छह मिनटों में अपनी बात को इतने ताकतवर लहजे मेंरख दिया कि प्रधानमंत्री पौने दो घंटों में भी नहीं रख पाए होंगे।

मेहंदी के कहे को अगर सार में बताना हो तो उन्होंने कहा पहलगाम में जब खूनी दहशतगर्दी हुई तो उसके खिलाफ पूरी घाटी सड़कों परनिकल आई, दुकानें और रोजगार बंद हो गए। घाटी की जनता को पता है कि खून का बहना क्या होता है, कत्ल क्या होता है। कश्मीर के लोगों ने अपनी जिम्मेदारी पूरी निभाई।

सांसद मेहंदी ने आगे कहा अफसोस इस बात का है कि जब भी इस तरह की घटनाएं होतीं हैं पाकिस्तान के साथ जंग छिड़ने के पहले कश्मीर के अवाम के साथ जंग छेड़ दी जाती है। बाकीयों के साथ बाद में छेड़ी जाती है। पुलवामा (14 फरवरी 2019) के लोग जब आज भी नगर के लिए ट्रैवल करते हैं, हर पांच किलोमीटर पर उनकी गाड़ियों को रोका जाता है।

पहलगाम के वाकए के बाद भी ऐसा ही हुआ। बाकी के साथ जंग बाद में छेड़ी गई कश्मीर के अवाम के साथ पहले छेड़ दी गई। दो हजार से ज्यादा लोगों को किसी भी कानून का लिहाज किए बगैर घरों से उठाकर जेलों में बंद कर दिया गया। देश के अलग-अलग हिस्सों में सौ से ज्यादा कश्मीरियों को पीटा गया, सड़कों से हटाया गया और उनकी दुकानें बंद करवाई गई। सिर्फ शक की बुनियाद पर कश्मीर में 12 घरों में यह मानकर ब्लास्ट कर दिया गया कि वे मुलजिमों के हो सकते हैं।

सत्ता पक्ष के सांसद अपना धैर्य खोने लगे थे, उनके सब्र का बांध टूटने लगा था। दो दिन से चल रही बहस के दौरान किसी ने भी ऐसे सवाल नहीं उठाए थे जो सांसद मेहंदी पूछ रहे थे। मेहंदी ने जब सत्ता पक्ष की ओर रुख करते हुए सवाल किया कि क्या कश्मीर आपके के लिए सिर्फ एक जमीन है? क्या मुल्क में कोई कानून है? सत्ता पक्ष की बेंचों की तरफ से किसी की आवाज सुनाई दी 'तो इसमें गलत क्या है?'

जवाब सुनकर सांसद मेहंदी बिफर पड़े। अब तक सदन में शोर बढ़ने लगा था और काफी गर्माहट पैदा हो चुकी थी। अपनी सीट पर वापस बैठने से पहले मेहंदी ने पलटवार करते हुए आखिरी बात कह दी तो यही है कश्मीर आपके लिए। यह है आपकी हकीकत? यही है आपकी जम्हूरियत?

यकीन किया जाना चाहिए कि सांसद मेहंदी के द्वारा कही गई एक-एक बात 29 जुलाई की कार्रवाई के रिकॉर्ड में दर्ज हुई होगी। मेहंदी जब पुलवामा का जिक्र कर रहे थे, मुझे रह-रहकर याद आ रहा था कि उस हादसे के दौरान किस तरह देश के अलग-अलग हिस्सों में कश्मीर से आकर अध्ययन करने वाले बच्चों और छोटे-बड़े व्यापारियों के साथ मारपीट की गई थी। उन्हें आतंकवादी बताया गया था। उन्हें अपने घरों को वापस लौटने की धमकियां दी गईं थीं। सीआरपीएफ की हेल्पलाइन की मदद से उन्हें वापस भेजा गया था।

पुलवामा के कोई एक सप्ताह बाद (23 फरवरी 2019 को) राजस्थान के टोंक में हुई चुनावी सभा में पीएम ने कहा था हमारी लड़ाई आतंकवाद के खिलाफ है। कश्मीर और कश्मीरियों के खिलाफ नहीं है। देश के किसी भी कोने में कश्मीरी बच्चों के साथ बुरा व्यवहार नहीं होना चाहिए। वे अपने ही हैं। पीएम के कहे के बावजूद कश्मीरियों के खिलाफ तब हिंसा की घटनाएं बंद नहीं हुईं थी।

पहलगाम हादसे के बाद कश्मीरियों के खिलाफ घाटी-स्थित उनके घरों और देश के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा की घटनाओं के खिलाफ पीएम ने न तो संसद के भीतर कुछ कहा और न ही बाहर किसी सभा में। सांसद आगा मेहंदी जब लोकसभा में बोल रहे थे मोदी उपस्थित नहीं थे। उन्हें बाद में तो पता चला ही होगा कि क्या कहा गया। क्या ऐसा मान लिया जाए कि सत्ता पक्ष की बेंचों ओर से किसी के द्वारा की गई टिप्पणी तो गलत क्या है? सरकार की भी मौन सहमति है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सवाल जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का

जाहिर है इस कथन के तहत जांच एजेंसियों की रिपोर्ट्स का अति सूक्ष्म अध्यन व गवाहों से भरसक जिरह करना अदालत का दायित्व है परन्तु हम जांच एजेंसियों की दोषसिद्धि दर की भी अनदेखी नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर जब विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई और ईडी की कार्रवाई करती है तो सजा की दर केवल एक प्रतिशत होती है। जैसा कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया गया था। हो सकता है कि यह आंकड़ा विशेष रूप से राजनीतिक मामलों तक ही सीमित हो परन्तु इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्रवाइयां भी पूर्वाग्रह से प्रेरित तथा सत्ता के इशारे पर की जाती हैं? इसी तरह आतंकवाद से संबंधित मामलों में ठोस सबूत जुटाना मुश्किल होता है, क्योंकि कई बार गवाह डर के कारण सामने नहीं आते या सबूत अपर्याप्त होते हैं। तो भी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कई बार हमारे देश में लंबी व जटिल कानूनी प्रक्रिया के चलते ATS द्वारा गिरफ्तार किए गए संदिग्धों को निचली अदालतों में सजा मिलती है, लेकिन उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के बाद वे बरी हो जाते हैं।

निर्मल रानी

पिछले कुछ दिनों के भीतर विभिन्न न्यायालयों द्वारा कई बहुचर्चित व हाई प्रोफाइल मामलों से संबंधित कई ऐसे फैसले सुनाए गए, जिससे एक बार फिर जांच एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल भी दो तरह के। एक तो यह कि यदि सम्बद्ध मामले में अदालत के अनुसार आरोपी बेगुनाह थे तो आखिर अपराध करने वाले कौन थे? उन्हें सामने लाने की जिम्मेदारी आखिर किस एजेंसी की है ? और दूसरा बड़ा सवाल यह कि लंबे समय तक जेल में रहने, कथित रूप से प्रताड़ना सहने, पूरे समाज में अपनी व अपने परिवार की बदनामी उठाने, इतने वर्षों तक अपने काम काज से मुक्त होकर जांच व जेल का सामने करने गोया आरोपियों का पूरा जीवन बर्बाद होने की भरपाई कैसे हो और कौन करेगा इसकी भरपाई ?

गत 21 जुलाई को बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले से संबंधित मामले में 19 साल बाद, ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इस फैसले में 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया, जबकि कमाल अहमद अंसारी नाम के एक आरोपी की 2021 में कोरोना के चलते जेल में ही मृत्यु हो चुकी थी। गौरतलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में केवल 11 मिनट के भीतर सात स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 बेगुनाह लोग मारे गए थे तथा 800 से अधिक घायल हुए थे। यह बम धमाका मुंबई की उन लोकल ट्रेन्स को लक्षित करके किया गया था, जिसमें रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं।

इसी तरह का दूसरा फैसला गत 31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए की अदालत ने सुनाया। यह मामला 29 सितम्बर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में हुए बम धमाके से संबंधित था। मालेगांव बम विस्फोट मामले में 17 साल बाद सुनाए गए इस फैसले में भी अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मुस्लिम बहुल इलाके में हुए इस मोटरसाइकिल बम विस्फोट में फरहीन उर्फ शगुफ्ता शेख लियाकत, शेख मुश्ताक यूसुफ, शेख रफीक मुस्तफा, इरफान जियाउल्लाह खान, सैयद अजहर सैयद निसार और हारून शाह मोहम्मद शाह जैसे 6 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 29 सितंबर 2008 को रमजान के पवित्र महीने और नवरात्रि से ठीक पहले, मालेगांव के भीकू चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम विस्फोट कर इस घटना को अंजाम दिया गया था।

इस घटना के बाद देश में व्यापक विवाद व सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। यही वह घटना थी जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद कांत पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी जैसे लोगों पर गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम UAPA, भारतीय दंड संहिता IPC और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष ने यह दावा किया था कि जिस मोटरसाइकिल में विस्फोटक लगाकर उड़ाया गया था वह प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी जबकि कर्नल पुरोहित ने विस्फोटक सामग्री यानी आरडीएक्स उपलब्ध कराई थी। उस समय एटीएस ने यह दावा भी किया था कि यह हमला दक्षिणपंथी संगठन अभिनव भारत की साजिश के तहत किया गया था।

इसी तरह एक और बहुचर्चित मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन से जुड़ा है। गत 4 अगस्त 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ एक मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस मामले में सत्येंद्र जैन पर लोक निर्माण विभाग में अनियमित नियुक्तियों का आरोप था परन्तु अदालत ने पिछले दिनों इसी मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि सीबीआई को लंबी जांच के बाद भी जैन के खिलाफ कोई आपराधिक सबूत नहीं मिले। अब आरोप लग रहा है कि ईडी ने जैन के विरुद्ध बिना ठोस सबूतों के कार्रवाई की, क्योंकि ED ने जैन के घर से नकद या सोना बरामद होने का जो दावा किया था अदालत ने उन दावों को ही झूठा माना और ईडी को फटकार भी लगाई। इन आरोपों में अपनी संलिप्तता से पूर्व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह और पी डब्लू डी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री जैसे गरिमामई पद पर थे।

उदाहरणार्थ उपरोक्त तीनों मामलों का जिक्र यहां इसीलिए किया जा रहा है, क्योंकि यह मामले न केवल है प्रोफाइल थे बल्कि इन मामलों का गहरा सम्बन्ध देश की राजनीति से भी था। मीडिया में इन सभी मामलों ने भरपूर सुर्खियां बटोरी थीं और पक्षपाती मीडिया ने भी इन मामलों में अपने तरीके से मीडिया ट्रायल भी चलाया था। अन्यथा निश्चित रूप से ऐसे और भी फैसले आए दिन होते होंगे जिनमें वर्षों तक जेल भुगतने के बाद या जेल में मौत हो जाने के बाद आरोपियों को सुबूतों, साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के चलते बरी कर दिया जाता हो। इन परिस्थितियों में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठने लाजिमी हैं। अदालतें यदि किसी भी आरोपी को साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के कारण बरी करती हैं तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है, क्योंकि हमारे देश की न्याय व्यवस्था का यह कथन है कि भले ही सौ गुनहगार रिहा हो जाएं परन्तु किसी एक भी बेगुनाह को सजा नहीं होनी चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रक्षाबंधन: नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है।

रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है। आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है।

रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लेखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजई हुए। मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी।

महाभारत में जब भगवान कृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। कृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दर्शाती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। यह प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है।

रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है, लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाजारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें। आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें।

एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में 'अवनी अविट्टम' के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और मद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को 'बलेव' के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है-अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा और स्वार्थ के स्थान पर सेवा। आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहां पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधि. कतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं।

राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामा. जिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी, तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बांधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के यह धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान।

-ललित गर्ग

रूस से अमेरिकी खरीद पर ट्रम्प अंजान

पत्रकार के सवाल का अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोई जवाब नहीं दिया

वाशिंगटन।/नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नहीं जानते हैं कि अमेरिका रूस से क्या खरीद रहा है। रूस से अमेरिका के केमिकल और खाद आयात करने के सवाल पर ट्रम्प ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं हैं। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्राकारों के सवाल पर कहा कि मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।

हमें इसकी जांच करनी होगी। यह बयान तब आया जब भारत ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका अब भी रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, खाद और केमिकल्स मंगा रहा है। ट्रम्प ने इससे एक दिन पहले भी उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीद कर ओपन मार्केट में बेच रहा है। भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस के हमले से यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस वजह मैं भारत पर टैरिफ में भारी इजाफा करूंगा। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2 प्रतिशत (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इंपोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45 प्रतिशत (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है।

> ■ भारत ने कहा था: रूस से यूरेनियम-खाद ले रहा यूएस-निक्की हेली बोलीं: भारत से रिश्ते खराब न करें
>
> ■ भारतीय एनएसए डोभाल मास्को पहुंचे, भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार

भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने ट्रम्प पर निशाना साधते हुए कहा है कि अमेरिका को भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ रिश्ते खराब नहीं करने चाहिए और चीन को छूट नहीं देनी चाहिए। साउथ कैरोलीना की पूर्व गवर्नर हेली ने एक्स पर लिखा कि भारत को रूस से तेल खरीदने से रोका जा रहा है, लेकिन चीन, जो विरोधी है और रूसी-ईरानी तेल का नंबर एक खरीदार है, उसे 90 दिन के लिए टैरिफ से छूट दी गई है। चीन को छूट न दें। भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ संबंध खराब न कीजिए। निक्की हेली ट्रम्प की रिपब्लिनकन पार्टी की नेता हैं। वे संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजनयिक भी रह चुकी हैं। निक्की हेली ट्रम्प की रिपब्लिनकन पार्टी की नेता हैं।

वे संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजनयिक भी रह चुकी हैं। भारत और अमेरिका के बीच रूस से तेल खरीद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल रूस की राजधानी मास्को पहुंचे हैं। हालांकि, उनका यह दौरा पहले से तय था। डोभाल के दौरे का मकसद भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस महीने के आखिर तक विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मास्को जा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत का रूसी तेल खरीदना दोनों देशों के लिए फायदेमंद रहा है। यूक्रेन युद्ध से पहले रूस अपना क्रूड आयल यूरोपीय यूनियन की तरफ से तय 60 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर बेचता था, लेकिन वार के बाद से भारत इसे छूट पर खरीदता है।

भारत को लेकर ट्रम्प का दोगलापन

नई दिल्ली। रूस से कारोबार को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगातार भारत पर भारी-भरकम टैरिफ और जुर्माना लगाने की धमकी दे रहे हैं।

भारत ने बीते कुछ महीनों से लगातार अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का हवाला देते हुए रूस से तेल और हथियारों की खरीद को लेकर किसी भी दबाव में न झुकने की बात कही है। हालांकि, ट्रम्प की तरफ से लगातार तीखी होती टिप्पणियों के बाद भारत ने पहली बार पलटवार किया और भारत को निशाना बनाए जाने को अन्यापूर्ण और अनुचित करार दे दिया। नई दिल्ली ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस-यूक्रेन संघर्ष जारी रहने के बावजूद रूस से अलग-अलग उत्पाद खरीद रहे हैं। भारत ने अमेरिका पर परमाणु कार्यक्रम के लिए उत्पाद खरीदने और ईयू पर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से लगातार कारोबार जारी रखने की बात कही। साथ ही तेल खरीद के लिए भारत को बेवजह निशाना बनाए जाने की आलोचना की। भारत की तरफ से अमेरिका और ईयू को इस तरह तथ्यों के साथ जवाब देने की मुख्यत: दो वजहें हैं। पहला: ट्रम्प ने हाल ही में रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ के साथ-साथ जुर्माना लगाने की धमकी दी है। उन्होंने एक न्यूज चैनल के साथ इंटरव्यू में कहा कि भारत पर बढ़े हुए टैरिफ का एलान अगले 24 घंटे में हो सकता है। दूसरी तरफ यूरोपीय संघ ने जुलाई के अंतिम हफ्ते में भारत की बड़ी तेल रिफाइनिंग कंपनी नायरा पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया था। इतना ही नहीं ईयू ने भारत से रिफाइन होकर आने वाले रूसी तेल के आयात को भी प्रतिबंधित कर दिया था। ईयू के इस फैसले के बाद अमेरिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट ने नायरा एनर्जी के अकाउंट्स को बंद कर दिया।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद यूएस-यूरोप का मास्को से कितना कारोबार, आंकड़े खोल रहे पोल

संक्षिप्त समाचार

कैलिफ़ोर्निया में जंगल में लगी आग से सैकड़ों इमारतें खतरे में

लॉस एंजिल्स। मध्य कैलिफ़ोर्निया में तेज़ी से फैल रही एक जंगल की आग से सैकड़ों इमारतों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आग ने पांच दिनों से भी कम समय में 82000 एकड़ (लगभग 332 वर्ग किमी) से जयादा क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है। अमेरिकी वन सेवा और कैलिफ़ोर्निया वानिकी एवं अग्नि सुरक्षा विभाग के अनुसार, गिफ़र्ड फ़ायर नामक यह जंगल की आग शुक्रवार अपराह्न भड़की थी।

चीन के गुआंगझो में भूस्खलन में सात लोग लापता

गुआंगझो। दक्षिणी चीन के गुआंगझो प्रांत की राजधानी गुआंगझो में बुधवार सुबह बारिश के बाद हुए भूस्खलन में सात लोग लापता हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे हुए इस भूस्खलन में बेयून जिले के दायुआन गांव में कई मकान ध्वस्त हो गए और कुल 14 लोग वहां फंस गए। दोपहर तक सात लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया और इन सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। इस हादसे के बाद आस-पास के सभी घर खाली करा लिए गए हैं। अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 14 मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई। श्रीलंका की नौसेना ने बुधवार को तमिलनाडु के 14 मछुआरों को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे समुद्र में मछली पकड़ रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रामनाथपुरम जिले के ये मछुआरे कल रात मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे तभी श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के बाद अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। मछुआरे कच्चातीवु द्वीप के पास दो नावों (एक नाव में दस और दूसरी में चार) में मछली पकड़ रहे थे, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी नावों को श्रीलंकाई नौसेना ने जब्त कर लिया।

मछलियों के जीवन चक्र में आ रहा है बदलाव: विशेषज्ञ

कोच्चि। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन से मछलियों के जीवन चक्र में बदलाव हो रहा है जिससे मछलियों की प्रजनन दर प्रभावित हो रही है। केन्द्रीय समुद्रीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थ्थान के निदेशक के निदेशक डॉ. ग्रिसन जॉर्ज ने यह चौंकाने वाली जानकारी यहां आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में दी।

गाजा में इजरायली हमलों में 83 फलस्तीनी मारे गए

मृतकों में उत्तरी, मध्य और दक्षिणी गाजा में सहायता के लिए प्रतिक्षा कर रहे 58 लोग शामिल

गाजा/बेरूत। गाजा में मंगलवार को इजरायली हमले में कम से कम 83 फलस्तीनी मारे गए। गाजा नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ से कहा कि मृतकों में उत्तरी, मध्य और दक्षिणी गाजा में सहायता के लिए प्रतीक्षा कर रहे 58 लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इज़रायली हमलों में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए गाजा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

इन घटनाओं पर इज़रायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। इस बीच, हमास की सशस्त्र शाखा, अल-क़स्साम ब्रिगेड ने एक बयान में कहा कि उसने अल-कुद्स ब्रिगेड और नासिर ब्रिगेड के साथ मिलकर गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस के उत्तर में इज़रायली सैनिकों और वाहनों को मोर्टार के गोले दागे हैं। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 18 मार्च को इज़रायल द्वारा गाजा में तीव्र हमलों को फिर से शुरू करने के बाद से कम से कम 9519 फलस्तीनी मारे गए हैं और 38630 अन्य घायल हुए हैं। इसके बाद अक्टूबर 2023 से गाजा में इजरायल की ओर से शुरू किये गए अभियान में मरने वालों फलस्तनीनियों की कुल संख्या 61020 हो गई है और 150671 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में भुखमरी और कुपोषण के कारण आठ नई मौतें दर्ज की गईं, जिससे अक्टूबर 2023 से इस तरह की कुल मौतों की संख्या 188 हो गई, जिनमें 94 बच्चे शामिल हैं। दूसरी ओर पूर्वी लेबनान के ब्रिटल गांव में मंगलवार को एक वाहन पर इजरायली ड्रोन हमले में हिजबुल्ला का एक सदस्य मारा गया। लेबनानी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि मृतक हुसम घरायब हिजबुल्ला का सैन्य कार्यकर्ता था। एक अलग घटनाक्रम में, स्थानीय टीवी चैनल अल-जदीद ने बताया कि लेबनानी कैबिनेट ने मंगलवार को सेना को हिजबुल्लाह को हथियारविहीन करने के लिए एक योजना का मसौदा तैयार करने का काम सौंपा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस वर्ष के अंत तक सभी हथियार सरकार के पूर्ण नियंत्रण में हों। सेना को यह योजना इस माह के अंत तक कैबिनेट को सौंपने के लिए कहा गया है।

> ■ पूर्वी लेबनान के ब्रिटल गांव में वाहन पर इजरायली ड्रोन हमले में हिजबुल्ला का सदस्य मारा गया

अमेरिका के एरिजोना में विमान दुर्घटना में चार लोगों की मौत

एरिजोना। अमेरिका में एरिज़ोना प्रांत के नवाजो नेशन में बुधवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। नवाजो नेशन पुलिस ने फेसबुक पर बताया कि दुर्यघटना के समय यह छोटा विमान पास के एक अस्पताल से एक मरीज को लेने जा रहा था। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना अपराह्न करीब 12:40 बजे एरिज़ोना के चिनले के पास हुई। सीएनएन न्यूज चैनल ने अपनी रिपोर्ट में नवाजो पुलिस के हवाले से बताया कि हम पीड़ितों के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने बताया कि विमान बीचक्राफ्ट 300 था, जो नवाजो नेशन के चिनले म्यूनिसिंपल हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एनटीएसबी की प्रवक्ता सारा टेलर सुलिक ने सीएनएन को बताया कि एनटीएसबी के जांचकर्ता घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके हैं।

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान (SIR) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते विपक्षी सांसद प्रियंका गांधी, संजय राउत, सुप्रिया सुले और काकोली घोष व अन्य।

कंबोडियाई अधिकारियों की हत्या की योजना के आरोपों का खंडन

बैंकॉक। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने उन रिपोर्टों का कड़ा खंडन किया है जिनमें कहा गया है कि उनका देश कथित तौर पर कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत और सीनेट के अध्यक्ष हुन सेन की हत्या की योजना बना रहा है।

थाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि कंबोडिया ने विदेशी खुफिया सूत्रों का हवाला देते हुए यह निराधार आरोप लगाया है कि थाईलैंड, हुन सेन और हुन मानेत की हत्या की साजिश रच रहा है लेकिन थाईलैंड सरकार इस निराधार आरोप का स्पष्ट रूप से खंडन करती है। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 24 जुलाई को सीमा को लेकर एक सशस्त्र टकराव में बदल गया था। सीमा क्षेत्र में झड़पों के बाद, दोनों पक्षों ने भारी गोलाबारी की और इसमें कई लोग हताहत भी हुए। इसके बाद गत सप्ताह कुआलालंपुर में मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की मध्यस्थता में थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हुई बैठक हुई और तत्काल युद्धविराम समझौते की घोषणा की गई।

पीएम मोदी गलवान झड़प के बाद पहली बार जाएंगे चीन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ समिट में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। यह 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद मोदी की पहली चीन यात्रा होगी।

मोदी इससे पहले 2018 में वहां गए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय पीएम की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग ई से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था। एस जयशंकर ने पिछले महीने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर उन्हें भारत-चीन के रिश्तों में हुई प्रगति के बारे में बताया था। मोदी और जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स समिट के दौरान मुलाकात की थी।

> ■ एससीओ समिट में शामिल होंगे मोदी, 11 साल में पांच बार चीन जा चुके हैं भारत के प्रधानमंत्री

पाक के सिंधु डेल्टा में पानी 40% घटा

ऊपरी इलाकों में नहरों और बांधों में रोका, समुद्र का पानी भरने से जमीन हुई खारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सबसे बड़ी नदी सिंधु के डेल्टा में जिंदगी खत्म होने की कगार पर है। सिंधु का पानी ऊपर के इलाकों में नहरों और बांधों में रोक लिया गया है।

इसकी वजह से सिंध प्रांत और डेल्टा क्षेत्र में पानी पहुंचना लगभग बंद हो गया है। 1950 के दशक से अब तक सिंधु डेल्टा में बहने वाले पानी में 80 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। दूसरी तरफ इसमें अरब सागर का खारा पानी घुस आया है। इससे यहां की जमीन खारी हो चुकी है। खेती बंद हो गई है। मछलियों की आबादी घटी है और झींगा-केकड़ों का जीवन संकट में है। डेल्टा में कभी 17 छोटी नदियां, दलदली जमीन, मैंग्रोव जंगल और मछलियों से भरे कीचड़ भरे मैदान थे। आज वह मिट्टी नमकीन, पानी जहरीला और जमीन रहने लायक नहीं बची। सिंध सरकार के मुताबिक, यहां 80 प्रतिशत पानी पीने लायक नहीं बचा। समुद्र का खारा पानी अब जमीन के अंदर तक घुस आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1960 के दशक से अब तक मैंग्रोव का 86 प्रतिशत हिस्सा खत्म हो गया है। इससे मछलियों की आबादी में 80 प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो दशकों में अब तक 12 लाख से अधिक लोग डेल्टा छोड़कर कराची जैसे शहरों की ओर पलायन कर चुके हैं। पाकिस्तान फिशरफोक फोरम का कहना है कि तटीय इलाकों से हजारों मछुआरे परिवार विस्थापित हो चुके हैं। 54 साल के हबीबुल्लाह खट्टी ने अपना अब्दुल्ला मीरबहार गांव को छोड़ने दिया है। गांव छोड़ने से पहले उन्होंने अपनी मां की कब्र पर आखिरी सलाम किया। वो बताते हैं, कभी 40 गांवों वाले खारो चान इलाके में अब ज्यादातर गांव समंदर निगल चुका है।

टैरिफ विवाद, ट्रम्प बोले: ब्राजील राष्ट्रपति जब चाहें, बात करें

ब्रासीलिया। ब्राजीली राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने राजधानी ब्रासीलिया में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रम्प से बातचीत से इन्कार कर दिया।

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ट्रम्प ने कहा था कि लूला जब चाहें, मुझसे बात कर सकते हैं। लूला ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि मैं टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रम्प को कॉल नहीं करूंगा। इसके बदले पीएम नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग जैसे नेताओं से बातचीत करना चाहूंगा। अमेरिका ने ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है। ब्राजील इससे निपटने के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में जाने पर विचार कर रहा है।

लूला ने यह भी कहा कि भले ही ट्रम्प से उनकी बातचीत न हो, लेकिन वे नवम्बर में होने वाले डब्ल्यूटीओ-30 क्लाइमेट समिट में ट्रम्प को न्योता जरूर भेजेंगे। अमेरिका ने हाल ही में ब्राजील पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। ट्रम्प प्रशासन के मुताबिक यह टैरिफ पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के चलते लगाया गया है।

> ■ लूला दा सिल्वा का दो टूक जवाब-उनसे नहीं मोदी और जिनपिंग से चर्चा करना चाहूंगा

नेतन्याहू ने पूरा गाजा कब्जाने का बनाया मन, आर्मी चीफ बोले: यह गलती मत कर देना

तेल अवीव। गाजा युद्ध शुरू होने के करीब दो साल बाद इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अब पूरे गाजा पर कब्जा करने की योजना (बिग गाजा प्लान) पर काम शुरू कर दिया है। लेकिन, नेतन्याहू के इस बिग गाजा प्लान पर इजरायली सेना सहमत नहीं है। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के चीफ आफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर आपत्ति जताई है।

इससे इजरायली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच तनाव और अधिक बढ़ गया है। जमीर ने चेतावनी दी है कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक 20 इजरायली नागरिकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। जमीर के मुताबिक इससे इजरायल गाजा में एक थकाऊ युद्ध में उलझ जाएगा।

जमीर के मुताबिक इससे इजरायल गाजा में एक थकाऊ युद्ध में उलझ जाएगा

फिलहाल गाजा के करीब 75 प्रतिशत हिस्से पर इजरायली सेना का नियंत्रण है। अब नेतन्याहू संपूर्ण गाजा पर कब्जा चाहते हैं। नेतन्याहू सरकार के कट्टरपंथी मंत्री गाजा पर सैन्य शासन लागू कर फिर से यहूदियों की बस्तियों की स्थापना करने की मांग कर रहे हैं। नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों ने बिग गाजा प्लान के खिलाफ जाने पर आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांगा है। उनके एक करीबी अधिकारी ने एक इजरायली वेबसाइट से कहा कि अब फैसला हो चुका है, हम गाजा पर पूर्ण कब्जे की ओर बढ़ रहे हैं। अगर चीफ आफ स्टाफ जमीर को यह मंजूर नहीं है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। गाजा युद्ध के दौरान इजरायली अधिकारियों ने पीएम नेतन्याहू के फैसलों पर सवाल उठाए हैं। आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेट प्रमुख रानन बार को हटाने की नेतन्याहू की योजना कोर्ट ने रोक दी थी। आईडीएफ चीफ हर्शी हलेवी ने मार्च 2025 में इस्तीफा दे दिया था। नवम्बर 2024 में तत्कालीन रक्षा मंत्री गैलेंट को नेतन्याहू ने 'विश्वास संकट' का हवाला देकर हटा दिया था।

संरा ने गाजा में इजरायली सैन्य अभियानों के विस्तार को लेकर दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र गाजा पट्टी के माध्यम से इजराईली सैन्य अभियानों के संभावित विस्तार के खिलाफ चेतावनी दी है। यूरोप पश्चिम एशिया और अमेरिका के लिए संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव मिरोस्लाव जेंका ने मंगलवार को कहा कि इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा पूरे गाजा पट्टी में इज़रायली सैन्य अभियानों का विस्तार करने के संभावित निर्णय से संबंधित नवीनतम रिपोर्टें यदि सच हैं, तो बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने सुरक्षा परिषद को बताया कि इससे लाखों फलस्तीनियों के लिए विनाशकारी परिणाम सामने आएंगे और गाजा में शेष (इजरायली) बंधकों के जीवन को और भी खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कानून स्पष्ट है। गाजा फलस्तीनी राज्य का एक अभिन्न अंग है और उसे बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसा कि अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने जुलाई 2024 में कहा था कि इज़रायल का दायित्व है कि वह सभी नई बस्तियां बसाने की गतिविधियों को तुरंत बंद करे।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108